राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, गुरुवार ,30 अक्टूबर 2025
वर्ष 07, अंक 30, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

धार्मिक स्थल को कराया गया कब्जा मुक्त, तहसील प्रशासन डलमऊ ने कसा शिकंजा....03

विद्यालय में बच्चों की कोई भी सुविधा नहीं न शौचालय न ही न पीने का पानी....12

ऑपरेशन शटर डाउनः सरकारी योजनाओं में देश की सबसे बड़ी ठगी का खुलासा! मास्टरमाइंड लईक समेत 8 अरेस्ट

● राजस्थान की झालावाड़ पुलिस ने 'ऑपरेशन शटर डाउन' में क्क्रूकिसान समेत केंद्र की सामाजिक योजनाओं में हुए देश के सबसे बड़े साइबर ठगी घोटाले का पर्दाफाश किया है. इस गिरोह ने 1256 अफसरों की लॉगिन ID उपयोग कर अपात्रों को लाभ पहुंचाया और करोड़ों रुपये हड़पे. PM किसान का स्टेट नोडल ऑपरेटर मोहम्मद लईक मुख्य मास्टरमाइंड है

राजस्थान की झालावाड़ पुलिस ने ऑपरेशन शटर डाउन में केंद्र सरकार की सामाजिक योजनाओं में हुई देश की अब तक की सबसे बड़ी साइबर ठगी का खुलासा किया है. पुलिस ने गिरोह के 8 लोगों को गिरफ्तार किया है. इनके पास से राजस्थान के कलेक्टरों समेत देशभर के 1256 अफसरों की लॉगिन आईडी और पासवर्ड मिला है. इनसे 4 लाख किराये के खातों में करोड़ों रुपए भेजे गए. मास्टरमाइंड पीएम किसान सम्मान निधि योजना के स्टेट नोडल ऑफिस जयपुर में ऑपरेटर मोहम्मद लईक है. लईक ही अफसरों के लॉगिन आईडी देता था.

गिरोह में केंद्र के एक अफसर का नाम भी है. पुलिस जांच कर रही है. 11000 खाते सीज कराए हैं. 10 हजार खातों की जांच चल रही है. झालावाड़ जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार का कहना है कि अब तक कितना पैसा ट्रांसफर हुआ है? जांच की जा रही है. इनसे नागौर, टोंक, बाड़मेर, झालावाड़, भरतपुर और फलौदी कलेक्टरों की लॉगिन आईडी और पासवर्ड मिले हैं. गिरोह ने पीएम किसान सम्मान निधि, जनआधार पोर्टल, सामाजिक सुरक्षा पेंशन पोर्टल और आपदा प्रबंधन विभाग के डीएमआईएस पोर्टल से फ्रॉड किया. ठगों का नेटवर्क राजस्थान, गुजरात, एमपी, यूपी, पंजाब, आसाम, मणिपुर समेत सभी राज्यों तक फैला है.

आरोपियों में कलेक्टर में काम करने वाले कर्मचारी भी

SP ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में स्टेट नोडल ऑफिस के ऑपरेटर से लेकर कलेक्टर में कार्यरत कर्मचारी तक शामिल हैं. विभिन्न राज्यों के लाखों लाभार्थियों का संदिग्ध डेटा व डिजिटल डिवाइसेज बरामद किए.आरोपियों ने केंद्र सरकार व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के पोर्टल व वेबसाइट में सेंध लगाकर करोड़ों का घपला किया साथ ही पीएम सम्मान निधि में भी कई फर्जी किसान बनाकर करोड़ों रुपये का घपला किया गया.

SP ने बताया कि आरोपी मोहम्मद लईक पीएम किसान सम्मन निधि योजना के स्टेट नोडल ऑफिस जयपुर में ऑपरेटर है, जिसके पास स्टेट नोडल ऑफिस का ऑफिशियल आईडी का एक्सेस है. इससे स्टेट में जिला नोडल ऑफिस की आईडी प्राइवेट व्यक्तियों द्वारा अधिकृत रूप से उपयोग हेतु क्रिएट करता था. आरोपी ऑफिस टाइम के दौरान मुख्यतः समाप्ति के बाद रात्रि के समय अवैध रूप से क्रिएट की गई आईडी को एक्टिवेट करता, फिर सुबह ऑफिस से आते ही उसे डी-एक्टिवेट कर देता है.

ठगी करने के तरीका

स्क्क ने बताया कि एजेंट बंद खातों का डाटा एकत्र कर नोडल अफसर की लॉगिन से पास करते थे. गांवों में गिरोह के एजेंट अपात्र लाभार्थियों का डाटा संकलित करते थे , जिनका रजिस्ट्रेशन लैंड सीडिंग/केवाईसी या अन्य कारण से इनएक्टिव थे. दोबारा योजनाओं में जोड़ने का झांसा देकर आधार और खाते की जानकारी मुख्य एजेंट को देते थे. फिर एक्सेल शीट स्टेट नोडल ऑफिस के ऑपरेटर को भेजते. स्टेट नोडल ऑफिस का ऑपरेटर जिला नोडल अधिकारियों की नई आईडी क्रिएट करता था. स्टेट नोडल ऑफिस का ऑपरेटर और ठग लॉगिन आईडी का उपयोग ऑफिस टाइम व ऑफिस टाइम बाद रात में ओटीपी बायपास करते हुए अनाधिकृत रूप से पीएम किसान सम्मान निधि के अपात्र लोगों को पात्र बना देते थे. बाद में आरोपी लॉगिन आईडी को डिएक्टिवेट कर देते.

गिरफ्तार ठग

मोहम्मद लईकः पीएम किसान सम्मान निधि योजना के स्टेट नोडल ऑफिस जयपुर में ऑपरेटर था, जिसके पास स्टेट नोडल ऑफिस का ऑफिसियल आईडी का एक्सेस था. इससे स्टेट व डिस्ट्रिक्ट नोडल ऑफिस की आईडी प्राइवेट व्यक्तियों द्वारा अनाधिकृत उपयोग के लिए क्रिएट करता था. वहीं शफीक झालावाड़ फरार हो गया , जिसकी तलाश जारी है.

मोहम्मद शाहिदः भरतपुर का रहने वाले शाहिद भूमि विकास बैंक में कार्यरत रहते हुए अपात्र व्यक्तियों की फर्जी एक्टिवेशन में लईक के संपर्क में आया.

सुभाष कश्यप निवासी दक्षिण पश्चिम दिल्ली

रोहित कुमार, निवासी जालंधर पंजाब (विभिन्न राज्यों की किसान योजनाओं की क्लोन वेबसाइट तैयार करने वाला मास्टरमाइंड)

संदीप शर्मा, निवासी जालंधर पंजाब (जालंधर से गिरफ्तार, क्लोन वेबसाइट डेवलप करने वाला)

सुनंत शर्मा निवासी जालंधर पंजाब

रमेश चंद्र निवासी खारा जिला फलोदी राजस्थान

भागचंद सैनी निवासी दोसा जिला राजस्थान

आरोप तय करने में इतना वक्त, यह क्या है... अदालतों की लेटलतीफी पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसी स्थिति जारी नहीं रह सकती और पुलिस द्वारा आरोपपत्र या अंतिम जांच रिपोर्ट दाखिल होते ही आरोप तय किए जाने चाहिए. अदालत अमन कुमार नामक व्यक्ति द्वारा दायर ज़मानत याचिका पर विचार कर रही थी. इसी दौरान कोर्ट ने ये कड़ी टिप्पणी की

आरोप तय करने में देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट बुधवार को निचली अदालतों पर भड़क गया. कोर्ट ने कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा, आरोपों का मसौदा तैयार करने में तीन से चार साल लग जाते हैं. यह क्या है. मैं गुजरात में अपना अनुभव साझा कर रहा था. हम जानते हैं कि कार्यप्रणाली क्या है. अदालत ने अमन कुमार नामक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणी की सुप्रीम कोर्ट ने ये संकेत दिया कि वो आपराधिक मुकदमों में आरोप तय करने के लिए निचली अदालतों से अपेक्षित समय-सीमा के बारे में दिशानिर्देश जारी कर सकता है ताकि मुकदमों में देरी को रोका जा सके. अदालत अमन कुमार द्वारा दायर ज़मानत याचिका पर विचार कर रही थी, जो अगस्त 2024 से डकैती और हत्या के प्रयास के एक मामले में विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में है. पुलिस ने इस मामले में 30 सितंबर, 2024 को आरोपपत्र दाखिल किया।

याचिकाकर्ता ने क्या तर्क दिया

ज़मानत याचिका में अमन कुमार ने तर्क दिया कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है. उन्होंने आगे कहा कि पुलिस ने उन्हें अस्वीकार्य बयानों के आधार पर फंसाया है. एक निचली अदालत ने अक्टूबर 2024 में उनकी ज़मानत याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद उन्होंने पटना उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसने भी मार्च 2025 में उनकी ज़मानत याचिका खारिज कर दी।

इसके बाद उन्होंने वर्तमान याचिका के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया. उन्होंने जिन आधारों पर ज़मानत मांगी उनमें से एक यह था कि उन्हें विचाराधीन कैदी के रूप में अनिश्चित काल तक जेल में नहीं रखा जा सकता।

कोर्ट ने जताई आपत्ति

आज मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने इस मामले में निचली अदालत द्वारा आरोप तय करने में की गई देरी पर कड़ी आपत्ति जताई. पीठ ने टिप्पणी की कि ऐसी स्थिति जारी नहीं रह सकती और पुलिस द्वारा आरोपपत्र या अंतिम जांच रिपोर्ट दाखिल होते ही आरोप तय किए जाने चाहिए. इसलिए, न्यायालय ने इस मुद्दे पर दिशानिर्देश जारी करने का प्रस्ताव रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह क्या है? हम देखते हैं कि आरोपों का मसौदा तैयार करने में तीन से चार साल लग जाते हैं? यह क्या है? मैं गुजरात में अपना अनुभव साझा कर रहा था. हम जानते हैं कि कार्यप्रणाली क्या है. हम यहां साझा नहीं करना चाहेंगे, लेकिन मुकदमे में देरी नहीं की जा सकती. जैसे ही आरोपपत्र दाखिल होता है, आरोप तय होने चाहिए. कुछ लोगों को बरी किया जा सकता है, यह ठीक है. इस संबंध में दिशानिर्देश बनाने होंगे।

सुलतानपुर अलग-अलग स्थानों पर मुठभेड़ में पांच बदमाश गिरफ्तार, तीन के पैर में लगी गोली

भदैंया/मोतिगरपुर (सुलतानपुर)। जिले में सोमवार की देर रात दो अलग-अलग स्थानों पर पुलिस के साथ मुठभेड़ में पांच अंतरजनपदीय बदमाश गिरफ्तार किए गए हैं। कोतवाली देहात में हुई मुठभेड़ में मुकेश, लालू व राज तथा मोतिगरपुर में नीरज सोना व समीर गिरफ्तार किए गए हैं। इनमें से तीन बदमाशों के पैर में गोली लगी है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपित अंबेडकरनगर जिले के रहने वाले हैं। बदमाशों का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह के अनुसार आरोपितों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। मुठभेड़ की पहली घटना कोतवाली देहात में हनुमानगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई। संदिग्ध बाइकसवारों को रोकने पर पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि दो अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। कोतवाल अखंडदेव मिश्र ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अंबेडकरनगर जिले के जलालपुर थाना के छितूनी फिरोजपुर शाहपुर निवासी मुकेश, लल्लू व राज उर्फ छोटू के रूप में की गई। मुठभेड़ में मुकेश के पैर में गोली लगी है। आरोपितों का लंबा आपराधिक इतिहास है।

संक्षिप्त ख़बरें

बाराबंकी में ई-रिक्शा चार्जिंग को लेकर विवाद, मारपीट और फायरिंग में तीन घायल

त्रिवेदीगंज (बाराबंकी)। ई-रिक्शा चार्ज करने को लेकर हुए विवाद के बाद मारपीट हो गई। पेट्रोल पंप संचालक ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग और मारपीट के दौरान तीन लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। कई घंटे तक यह मामला चला, संचालक ने फिल्मी स्टाइल में गोलियां चलाई।

लोनीकटरा के हुसैनाबाद गांव के पास लखनऊ-सुलतानपुर हाईवे किनारे स्थित एक पेट्रोल पंप पर रात करीब 12 बजे विवाद हो गया। कोतवाली हैदरगढ़ के रायपुर निवासी दीपक द्विवेदी ई-रिक्शा लेकर लौट रहे थे। बैट्री खत्म होती देख हुसैनाबाद पेट्रोल पंप पर बने चार्जिंग प्वाइंट पर चार्ज करने के लिए लगाने लगे। यहीं पर किसी बात को लेकर पेट्रोल पंप कर्मियों से कहासुनी होने लगी। इसी बीच दीपक ने अपने गांव फोन कर अन्य लोगों को बुला लिया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों व पंप मालिक वीरेंद्र शुक्ला, शशांक शुक्ला सहित कर्मचारियों एकत्रित हो गए। दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। इतने में ही पंप संचालक ने फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान कोतवाली हैदरगढ़ के रायपुर निवासी लवकुश के पेट में गोली लगी। वहीं, मारपीट में पंप संचालक लखनऊ के कैंट निवासी वीरेंद्र शुक्ला व रायपुर के सतीश घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी त्रिवेदीगंज पहुंचाया, जहां से लवकुश को ट्रामा सेंटर लखनऊ व वीरेंद्र शुक्ला को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सीएचसी त्रिवेदीगंज में इलाज के दौरान दोनों पक्ष फिर आमने-सामने आ गए। स्थिति की नजाकत को भांपते हुए लोनीकटरा कटरा के अलावा हैदरगढ़, कोठी व सुबेहा की पुलिस भी मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने घटना स्थल का जायजा लिया।

जम्मू-कश्मीर के हंडवाड़ा में विस्फोट, खाली मैदान में क्रिकेट खेलते समय बम फटा; चार घायल युवक जीएमसी में भर्ती

● कुपवाड़ा में रहस्यमय विस्फोट

चार लड़के घायल

हंदवाड़ा के तूतीगुंड गाँव में घटना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के हंदवाड़ा में बुधवार को एक मैदान में हुए विस्फोट में चार किशोर घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर,विस्फोट के कारणों की जांच शुरु कर दी है। शुरुआती जांच के मुताबिक, मैदान में कोई पुराना लावारिस विस्फोटक पड़ा हुआ था,जिसमें धमाका हुआ है।

मैदान में क्रिकेट खेल रहे थे बच्चे

हंदवाड़ा से मिली जानकारी के अनुसार, तूतीगुंड कुलनगाम में जिला पुलिस लाइन से कुछ ही दूरी पर स्थित एक मैदान मे हुआ है। बताया जा रहा है कि आज दोपहर बाद मैदान में कुछ बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे।

उसी दौरान वहां धमाका हुआ। धमाको की आवाज सुनकर आस पास मौजूद ग्रामीणव सुरक्षाकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और उन्होंने वहां घायल पड़े चार लड़कों को निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया।

घायलो की पहचान उज़ैर ताहिर पुत्र ताहिर अहमद बट ,साजिद राशिद पुत्र अब्दुल राशिद सोफी, हाजिम शब्बीर पुत्र शब्बीर अहमद बेग और जैयान ताहिर पुत्र ताहिर अहमद के रूप में हुई है। यह चारो तूतीगुंड कुलनगाम के रहने वाले हैं।

भ्रष्टाचार की गंगा में डुबकी लगा रहे जिले के जिम्मेदार

» प्रधान व सचिव ठेका मजदूर से करवा रहे ग्राम पंचायत की विकास

» नियम कानून को ताख पर रखकर सचिव द्वारा मनरेगा एक्ट की उड़ाई जा रही धज्जिया

» जाव कार्ड धारको के अरमानों पर पानी फेरता इंटरलाकिंग कार्य में बाहरी मजदूर

» दर्जनों जाब कार्ड धारको के नाम लगवाई जा रही फर्जी हाज़िरी

» वीडिओ उच्च अधिकारी की आंखो में धूल झोंककर करवा रहे भ्रष्टाचार

» रामकिशोर के घर से जबीउल्लाह के खेत तक,मंदिर से राम प्रताप के खेत तक तथा राम नेवास के घर से शकिल के घर तक इंटरलाकिंग निर्माण कार्य

» ग्राम पंचायत के तीन परियोजनाओं पर ठेका मजदूर से निर्माण कार्य करवाने से जुडा मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बहादुरपुर/बस्ती.....विकास खण्ड बहादुरपुर में मनरेगा भ्रष्टाचार जोरो पर है। आए दिन नए - नए प्रयोग करके भ्रष्टाचार के अलख को जलाए जा रहे है। लेकिन खण्ड विकास अधिकारी आंख बंद किए नजर आ रहे है। जिसका फायदा ग्राम विकास मुखिया उठाने में जरा सा भी कोई कोर कसर नही छोड़ रहे है। अपना भला तो जग भला की निति पर काम करने वाले सचिव के कारनामों से ग्रामिणो में रोष व्याप्त है। प्राप्त समाचार के अनुसार- विकास खण्ड बहादुरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनबरसा में मनरेगा हेराफेरी चल रहा है। और सचिव वीडिओ के संरक्षण में,मनरेगा का कामकाज दिहाडी मज़दूरों से करवाने मे मस्त हैं। वही प्रधान ग्राम पंचायत के कार्ड धारकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। प्रधान गांव के गरीब जनता को अपने लच्छेदार बातो/वादों में फंसा कर चुनाव तो जीत गई लेकिन उनके हक पर डांका डालने का काम करती नजर आ रही है।

भ्रष्ट्राचार मे लिप्त ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम पंचायत अधिकारी का पंचायत में अनियमित्ताओं का बोल बाला है। मनरेगा योजनाओ के पटल पर लगभग 40 जाब कार्ड धारकों के नाम पर प्रतिदिन की हेराफेरी का कार्य चल रही हैं । नियम कानून को ताख पर रखकर भ्रष्टाचार करना मनो इनका पेसा बन गया है। जो विना किसी अधिकारी के डरे भ्रष्टाचार रूपी पतंग की डोर के सहारे उड़ी जा रही है। वही खण्ड विकास अधिकारी बहादुरपुर गादुर पक्षी की तरह इनके सारथी बने हुए हैं। जिसका फायदा उठाकर प्रधान अपने कार्ड धारकों को भुग्गा बनाने का काम कर रही है और दूसरे ग्राम पंचायत के दैनिक मजदूरी करने वालो (दिहाड़ी मजदूर) से इंटरलाकिंग का कार्य करवा रही हैं । मीडिया के धरातलीय निरीक्षण पर ग्रामीणो ने बताया कि गांव में तीन परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है जिसमे रामकिशोर के घर से जबीउल्लाह के खेत तक दो मजदूर और मंदिर से राम प्रताप के खेत तक इंटर लाइकिंग निर्माण कार्य में तीन बाहरी दिहाड़ी मजदूर कार्य कर रहे हैं। इस संबंध में वीडिओ से फोन पर बात नही हो पाई। बात होने पर उनका भी पक्ष अगले अंक में प्रकाशित कर दिया जाएगा। अब देखना यह है कि क्या ब्लाक के जिम्मेदार अधिकारी ग्राम पंचायत सोनबरसा में बाहरी मज़दूरों से कराए गए कार्य पर क्या कार्यवाही करते हैं।

यूपी के इन स्कूलों को किया जाएगा ध्वस्त, शिक्षा विभाग के अफसरों से मांगी गई ध्वस्तीकरण की कार्ययोजना

● लखनऊ में 154 जर्जर स्कूल भवन ध्वस्त होंगे

मंडलायुक्त ने बच्चों की सुरक्षा पर जताई चिंता

विकास कार्यों की समीक्षा में दिए गए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। कुछ दिनों पहले ही राजस्थान में स्कूल भवन ढहने की घटना के बाद भी जिम्मेदार विभाग चेत नहीं रहे हैं। सैकड़ों की संख्या में जर्जर स्कूली भवनों में अभी भी बच्चे पढ़ रहे हैं जो कभी किसी अनहोनी का शिकार हो सकते हैं। बुधवार को मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने विकास कार्यों की बैठक बुलाई तो जर्जर स्कूली भवनों को लेकर उन्होंने शिक्षा विभाग से जर्जर स्कूली भवनों के बारे में पूछा। कहा जर्जर भवनों का ध्वस्तीकरण कब होगा। इसकी कार्ययोजना लेकर आइए मंडलायुक्त ने अन्य विभागों की योजनाओं की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित दिखे। मंडलायुक्त ने कहा बच्चों की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की लापरवाही नहीं की जा सकती। इस पर एडी बेसिक राम किशोर तिवारी ने बताया कि कुल 254 भवनों में से 154 का ध्वस्तीकरण किया जाएगा शेष का सत्यापन किया जा रहा है।

जल्द इस पर काम शुरू होगा। आइजीआरएएस संदर्भ के तहत आनलाइन प्रकरणों पर निर्देश दिए कि यदि कोई भी अनियमितता पाई जाती है तो कार्यवाही निश्चित है। कोई भी प्रकरण समय सीमा के बाहर नहीं जाना चाहिए साथ ही प्रकरणों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ताओं को काल करके उनका फीडबैक लेते रहें।

मुख्यमंत्री आवास योजना, पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, कायाकल्प योजना , मध्यान भोजन, कन्या विवाह योजना, स्वरोजगार योजना ,कृषक दुर्घटना, किसान सम्मान निधि, कुसुम योजना, ऊर्जा और कन्या सुमंगला योजना की भी समीक्षा की। मंडलायुक्त ने कहा जिन विभागों की ग्रेडिंग व प्रगति खराब है उसमें सुधार लाने के निर्देश दिए। शासन के प्राथमिकता वाली योजनाओं में विशेष ध्यान दिया जाए।

ग्राम पंचायत में धनराशि का व्यय नियमित रूप से कराते रहें और पंचायत सहायक के रिक्त पदों पर नियुक्ति करा ली जाए। पीडब्ल्यूडी के संबंधित अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि लखनऊ में गड्ढा मुक्त की प्रगति रिपोर्ट 80 प्रतिशत है। मंडलायुक्त ने कहा कि महत्वपूर्ण सड़कों व हाईवे का सर्वे कराकर गड्ढा मुक्त कराया जाए। जिससे किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं घटित होने पाए।

मंडलायुक्त ने कहा सड़कों पर गाय खुले में नहीं नजर आए और समस्त गो आश्रय केंद्रों पर सीसीटीवी भी अवश्य लगाएं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने कहा कि इसके तहत अधिकतम ऋण स्वीकृत करते हुए आत्मनिर्भर बनाया जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना में पात्र बच्चों का चिन्ह्यांकन कराकर इस योजना से प्राथमिकता पर जोड़ा जाए। धान खरीद पर उन्होंने कहा कि क्रय के उपरांत 48 घंटे में किसानों का भुगतान करना सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने रैकिंग सुधारने के निर्देश दिए।

अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, मोहिनी नगर में बुलडोजर ने किए 30 अवैध निर्माण ध्वस्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वृंदावन। नगर निगम ने पानीगांव खादर स्थित पीली कोटी के समीप मोहिनीनगर में ध्वस्तीकरण की बड़ी कार्रवाई की है। यहां निगम की टीम ने 30 प्लाटों की दीवार व ढांचा को ध्वस्त कर चार हजार वर्ग मीटर भूमि को कब्जा मुक्त कराया हैं। जिसकी कीमत चार करोड़ रुपये आंकी जा रही है।

नगर निगम वृंदावन जोन के अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक एवं मथुरा जोन से अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह के निर्देशन में शनिवार को परिक्रमा मार्ग से सटी पानीगांव खादर स्थित मोहिनी नगर में नगर निगम की गोचारण की भूमि पर लोगों ने अवैध अतिक्रमण कर लिया है। निगम ने चार हजार वर्ग मीटर भूमि कब्जा मुक्त कराई नगर निगम ने निगम की गोचारण की भूमि को चिह्नित कर 30 लोगों द्वारा वहां ढांचा और चारदीवारी खड़ी कर किए गए कब्जे को बुलडोजर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। पुलिस और प्रवर्तन दल की टीम के साथ अधिकारियों द्वारा की गई ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से मोहिनी नगर में खलबली मच गई।

लोगों ने निगम की टीम का छिटपुट विरोध किया। लेकिन, टीम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करते हुए निगम की चार हजार वर्ग मीटर जमीन को कब्जा मुक्त कराया है। इस कार्रवाई के दौरान सहायक नगर आयुक्त अनुज कुमार कौशिक, आरआइ गंगाराम आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

नवागत जिलाधिकारी बलरामपुर के आगमन पर अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर द्वारा किया गया भव्य स्वागत

बलरामपुर। जनपद में नवागत जिलाधिकारी बलरामपुर विपिन कुमार जैन के जनपद आगमन पर अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्विशाल पाण्डेय द्वारा कलेक्ट्रेट बलरामपुर में सलामी के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर जनपद के पुलिस अधिकारीगण एवं कर्मचारियों द्वारा जिलाधिकारी का हार्दिक स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर द्वारा आपसी समन्वय एवं सहयोग के साथ जनपद में शान्ति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट बलरामपुर में सलामी का आयोजन किया गया, जिसके उपरांत जिलाधिकारी ने अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया एवं विभिन्न प्रशासनिक विषयों पर संक्षिप्त चर्चा की। अंत में अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर द्वारा जिलाधिकारी बलरामपुर को जनपद पुलिस की ओर से शुभकामनाएँ प्रेषित की गई।

नगर पंचायत भानपुर से अलग हुई ग्राम पंचायत कोठिला खास और आमा प्रथम में प्रशासन की तैनाती, अब एडीओ पंचायत करेंगे विकास कार्यों का संचालन

बस्ती। बस्ती जिले मेंनगर पंचायत भानपुर से अलग हुई ग्राम पंचायत कोठिला खास और आमा प्रथम में अब प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित हो गई है। दोनों ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों की जिम्मेदारी एडीओ पंचायत (सल्टौआ गोपालपुर) वीरेन्द्र प्रसाद तिवारी को सौंपी गई है। गौरतलब है कि 5 दिसंबर 2019 की नगर विकास विभाग की अधिसूचना के अनुसार इन दोनों ग्राम पंचायतों को नगर पंचायत भानपुर में शामिल किया गया था। इसके खिलाफ पुष्पा देवी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने दोनों ग्राम पंचायतों को नगर पंचायत भानपुर से बाहर करने का आदेश पारित किया। कोर्ट के आदेश पर नगर विकास विभाग ने दोनों ग्रामों को नगर पंचायत की सूची से हटा दिया और जनवरी 2025 में पंचायतीराज विभाग ने इन्हें विकास खंड सल्टौआ गोपालपुर में शामिल कर लिया। हालांकि, प्रधान न होने के कारण यहां के विकास कार्य बाधित हो गए थे। स्थिति को ध्यान में रखते हुए विशेष सचिव पंचायतीराज ने दोनों ग्राम पंचायतों में प्रशासक एवं ग्राम सचिव की तैनाती का आदेश जारी किया। अब एडीओ पंचायत विकास कार्यों के साथ नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराएंगे।

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता पंजीकरण हेतु 6 नवम्बर तक करें आवेदन - उप जिला निर्वाचन अधिकारी

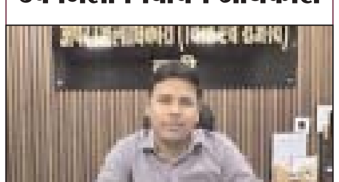

बस्ती। बस्ती जिले के उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि गोरखपुर/ गोरखपुर-फैजाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाचक नामावली में नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 6 नवम्बर 2025 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि आयुक्त, गोरखपुर/ गोरखपुर-फैजाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा 29 सितम्बर 2025 को जारी नोटिस के माध्यम से पात्र व्यक्तियों से अपेक्षा की गई थी कि वे निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1960 के तहत फार्म-19 में अपना आवेदन जमा करें। यह नोटिस दैनिक जागरण और हिन्दुस्तान समाचार पत्रों के 30 सितम्बर 2025 के संस्करणों में भी प्रकाशित किया गया था। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अपील की है कि जो पात्र व्यक्ति अब तक आवेदन नहीं कर पाए हैं, वे 6 नवम्बर 2025 तक अथवा उससे पहले फार्म-19 में अपना आवेदन कार्यालय में जमा कर दें या सीधे सुपुर्द कर दें, ताकि उनका नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किया जा सके।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत भव्य महिला सम्मेलन सम्पन्न

●महिलाओं का हित सिर्फ और सिर्फ भाजपा में निहित - आशा बाजपेई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गौरीगंज, अमेठी। गौरीगंज स्थित भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में आज "आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान" के अंतर्गत एक भव्य महिला सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं कमलावती सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी एवं अध्यक्ष, महिला कल्याण निगम, उत्तर प्रदेश तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा उपस्थित रहीं।कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष आशा वाजपेई ने की तथा संचालन का दायित्व जिला महामंत्री महिला मोर्चा श्रीमती गीता सिंह ने निर्वाह किया। स्वागत भाषण आशा वाजपेई द्वारा प्रस्तुत किया गया।अपने प्रेरक उद्बोधन में कमलावती सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "विजन-2047 : विकसित भारत"के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रत्येक भारतीय नारी को आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 'अंत्योदय' के सिद्धांत को साकार करने हेतु केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान का कार्य कर दिखाया है। उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी एवं प्राथमिकता देकर राष्ट्रनिर्माण में नारीशक्ति को सशक्त किया गया है। प्रतिभा कुशवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि कोरोना काल में भारत ने आत्मनिर्भरता का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा – "जब संपूर्ण विश्व संकट में था, तब भारत ने अपनी औषधियों एवं चिकित्सा सामग्री से न केवल आत्मनिर्भरता प्राप्त की, बल्कि अन्य देशों की सहायता भी की। यह प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का प्रत्यक्ष परिणाम है।"उन्होंने कहा कि भारत की महिलाएँ आज आत्मबल और स्वदेशी के संकल्प से समाज को नई दिशा प्रदान कर रही हैं।जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वदेशी अपनाना केवल आर्थिक सशक्तिकरण नहीं, अपितु सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे दैनिक जीवन में स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर आत्मनिर्भर भारत के अभियान को जन-जन तक पहुँचाएँ।इस अवसर पर पूर्व विधायक चंद्रप्रकाश मिश्र (मटियारी), आत्मनिर्भर भारत अभियान की संयोजिका प्रज्ञा त्रिपाठी, प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विषुव मिश्रा, जिला मंत्री मनोज जायसवाल,प्रभात शुक्ला,अरुण मिश्रा सह मीडिया प्रभारी सहित अनेक सम्मानित कार्यकर्ता एवं बहनें उपस्थित रहीं।सम्मेलन के अंत में उपस्थित महिलाओं ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे स्वदेशी अपनाएँगी, आत्मनिर्भर बनेंगी और राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएँगी। साथ ही सभी ने "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान की सफलता हेतु शुभकामनाएँ प्रकट कीं।

मिशन शक्ति अभियान के तहत बलरामपुर पुलिस ने चलाया महिला जागरूकता अभियान

●नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन की दिशा में बड़ा कदम – महिला बीट अधिकारियों ने गांव-गांव जाकर बढ़ाया आत्मविश्वास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर- बलरामपुर जनपद के सभी थाना क्षेत्र नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से थाना महाराजगंज तराई हरैया ललिया तुलसीपुर पचपेड़वा जारवा कोतवाली नगर आदि की पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के अंतर्गत महिला जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू की। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडे के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी ललिया देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में यह अभियान थाना महाराजगंज तराई प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी व थाना हरैया हरीश सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। कार्यक्रमों के दौरान थाना महाराजगंज तराई उप निरीक्षक आदित्य कुमार महिला बीट अधिकारी सपना ,पूजा यादव, अनीता गुप्ता ने एव थाना हरैया उप निरीक्षक विनीत सिंह महिला वीट अधिकारी कीर्ति सिंह लक्ष्मी द्वारा कस्बों व ग्राम पंचायतों में पहुंचकर महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने चौपालों पर महिलाओं की समस्याएं सुनीं और त्वरित निस्तारण का भरोसा दिया।

पुलिस टीम ने उपस्थित महिलाओं को वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपात सेवा-112, एम्बुलेंस-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 व साइबर हेल्पलाइन-1930 जैसे जरूरी नंबरों की जानकारी दी। अभियान के दौरान गुड टच-बैड टच, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, महिला अधिकारों और कानूनी प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस ने सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी व पंपलेट वितरित कर महिलाओं को जागरूक किया। थाना स्तर पर नवस्थापित मिशन शक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली एवं सुविधाओं के बारे में भी बताया गया ताकि महिलाएं अपनी समस्याओं के समाधान के लिए वहां संपर्क कर सकें। थाना महाराजगंज प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी तथा थानाध्यक्ष हरैया हरीश सिंह ने कहा–> "मिशन शक्ति अभियान का मकसद सिर्फ सुरक्षा नहीं, बल्कि समाज में महिलाओं को आत्मनिर्भर और सम्मानित बनाना है। बलरामपुर पुलिस इस दिशा में लगातार कार्य कर रही है ताकि हर महिला सुरक्षित महसूस करे।"कार्यक्रम में थाना महाराजगंज तराई के मुख्य आरक्षी तेरस राम यादव, ओम प्रकाश, आरक्षी पवनेश कुमार और प्रमोद कुमार सहित पुलिस बल के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

रवीश गुप्ता का ट्रांसफर, पीवीवीएनएल के एमडी बने

●बस्ती की नई जिलाधिकारी होंगी आईएएस कृतिका ज्योत्सना क्या जनता को न्याय देने में सक्षम रहेगी सिस्टम चेंज होगा जिले का

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। प्रदेश सरकार ने मंगलवार देर शाम एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। इस फेरबदल में कई जिलों के जिलाधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं। इन्हीं में बस्ती जिले के जिलाधिकारी रवीश कुमार गुप्ता का भी नाम शामिल है। उन्हें अब मेरठ स्थित पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) का प्रबंध निदेशक (एमडी) बनाया गया है।

कृतिका ज्योत्सना बस्ती की नई जिलाधिकारी बनाई गई

बस्ती जिले केरवीश गुप्ता के स्थान पर आईएएस कृतिका ज्योत्सना को बस्ती की नई जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। कृतिका ज्योत्सना 2014 बैच की आईएएस अधिकारी हैं उत्तर प्रदेश कैडर में अपने पति के होने की वजह से उन्होंने उत्तर प्रदेश कैडर में ट्रांसफर करवा लिया था।अब तक कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर अपनी कार्यकुशलता और तत्परता का परिचय दे चुकी ज्योत्सना वर्तमान में उत्तर प्रदेश की विशेष सचिव थी।

कृतिका ज्योत्सना मूलतः आंध्र प्रदेश की रहने वाली है। अपने कार्यकाल में हमेशा जनहित को सर्वोपरि रखा है। पूर्व में उन्होंने शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता अभियान और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में सराहनीय पहलें की हैं। बस्ती जैसे तेजी से विकास की ओर बढ़ते जनपद में उनकी तैनाती को लेकर लोगों में उत्सुकता और उम्मीद दोनों है पूर्व जिलाधिकारी रवीश कुमार गुप्ता ने अपने कार्यकाल के दौरान जिले में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की प्रशासनिक संस्कृति को मजबूत किया। उन्होंने जनसुनवाई व्यवस्था को सशक्त करते हुए जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दिया। जिले के प्रशासनिक हलकों में यह परिवर्तन चर्चा का विषय बना हुआ है। जनपदवासी उम्मीद जता रहे हैं कि नई जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना के नेतृत्व में बस्ती में विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी, साथ ही आम जनता से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

नवागत जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्सना ने जन सुनवाई कार्यक्रम में आम जनता की समस्याएं सुनीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती कलेक्ट्रेट कार्यालय में नवागत जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्सना ने जन सुनवाई कार्यक्रम में आम जनता की समस्याएं सुनीं। जन सुनवाई में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कीं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कहा कि शासन की मंशा है कि जनता की समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से हो। जन सुनवाई आम नागरिकों के लिए अपनी बात सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्राप्त शिकायतों पर केवल औपचारिक कार्रवाई न करें, बल्कि वास्तविक समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को राहत मिल सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाए और न ही बिना समाधान के फाइल बंद की जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों में नियमित रूप से जन सुनवाई करें और जनता से संवाद बनाए रखें। जन सुनवाई में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कीं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि जनता की समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से हो। जन सुनवाई आम नागरिकों के लिए अपनी बात सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्राप्त शिकायतों पर केवल औपचारिक कार्रवाई न करें, बल्कि वास्तविक समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को राहत मिल सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाए और न ही बिना समाधान के फाइल बंद की जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों में नियमित रूप से जन सुनवाई करें और जनता से संवाद बनाए रखें।

महादेवा में भावपूर्ण रामलीला मंचन, पत्रकार सम्मान कार्यक्रम

●रावन जबहिं बिभीषन त्यागा। भयउ बिभव बिनु तबहिं अभागा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लंभुआ / सुल्तानपुर :- श्री शिव रामलीला समिति, महादेवा द्वारा आयोजित सप्तदिवसीय संगीतमय रामलीला के छठवें दिन बृहस्पतिवार को सुग्रीव-राम मित्रता, लंका दहन एवं विभीषण-राम मित्रता का प्रभावशाली मंचन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि रामचंद्र मिश्र (प्रदेश संयोजक, सहकारिता प्रकोष्ठ, भाजपा यूपी) एवं दूबेपुर ब्लॉक प्रमुख अखिलेश प्रताप सिंह डिंपल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर स्थानीय पत्रकारों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें दर्जनों पत्रकारों को सम्मानित किया गया।अपने उद्बोधन में रामचंद्र मिश्र ने कहा कि जब देशभर में रामलीला की परंपरा क्षीण होती जा रही है, तब महादेवा गांव पिछले 42 वर्षों से इस अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखे हुए है। उन्होंने समिति के युवा कार्यकर्ताओं के उत्साह और समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आयोजन सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है।

मंचन में भगवान राम द्वारा शबरी को नवधा भक्ति का उपदेश देने, सुग्रीव से मित्रता करने, हनुमान द्वारा लंका दहन करने तथा विभीषण के शरणागत होने के प्रसंगों का भावपूर्ण चित्रण किया गया। भगवान राम द्वारा विभीषण को गले लगाकर लंका का राजा घोषित करने का दृश्य दर्शकों के लिए अत्यंत भावनात्मक रहा। कार्यक्रम में राधेश्याम त्रिपाठी, अभय नारायण द्विवेदी, कमलकिशोर यादव, अशोक त्रिपाठी माले, केदारनाथ द्विवेदी, अर्चित द्विवेदी, कपिल द्विवेदी, प्रशांत मणि त्रिपाठी, विपिन शुक्ल, अजय मौर्य सहित समिति के पदाधिकारी व ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पीसीपीएनडीटी एक्ट की जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पीसीपीएनडीटी (Pre-Conception and Pre-Natal Diagnostic Techniques) एक्ट के अंतर्गत जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न अल्ट्रासाउंड केंद्रों से प्राप्त पंजीकरण, नवीनीकरण, चिकित्सक परिवर्तन, पंजीकरण निरस्तीकरण, स्थान परिवर्तन एवं मशीन अपडेशन से संबंधित कुल 22 प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान हुई चर्चा में 19 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई, जबकि 3 प्रस्ताव निरस्त कर दिए गए। इसके अतिरिक्त पंजीकरण, नवीनीकरण, चिकित्सक परिवर्तन एवं स्थान परिवर्तन से जुड़े 7 नए प्रस्तावों पर विचार किया गया, जिनमें से 6 प्रस्ताव स्वीकृत हुए तथा 1 प्रस्ताव में डॉक्टर की अनुपस्थिति के कारण संचालक को एक अवसर और देते हुए अगली बैठक में डॉक्टर सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि पूर्व में 04 केंद्र सील किए गए थे, जिन पर आज सुनवाई की गई। इनमें से 01 केंद्र को स्वीकृति दी गई, जबकि शेष 03 केंद्रों के चिकित्सक उपस्थित न होने के कारण उन्हें एक अंतिम अवसर देते हुए अगली बैठक में चिकित्सक सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालकों को निर्देशित किया कि प्रत्येक केंद्र पर एक सूचना बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाए, जिसमें डॉक्टर का नाम, योग्यता, फोटो, जांच का विवरण, रजिस्ट्रेशन नंबर, वैधता अवधि एवं बैठने का समय स्पष्ट रूप से अंकित हो।उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि केंद्रों पर स्वच्छ पेयजल, शौचालय तथा मरीजों के बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि केंद्र संचालक इस बात का विशेष ध्यान रखें कि जिस डॉक्टर द्वारा जिस प्रकार की जांच के लिए सहमति दी गई है, उसी तक सीमित रहें। यदि किसी केंद्र पर स्वीकृत जांच से अतिरिक्त जांच की जाती है, तो संबंधित संचालक एवं चिकित्सक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि संबंधित चिकित्सक अपने निर्धारित समय पर केंद्र पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, ताकि जांच प्रक्रिया पारदर्शी और नियमानुसार संचालित की जा सके। जिलाधिकारी ने सभी केंद्र संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पुराने पंजीकरण की अवधि समाप्त होने से कम-से-कम तीन माह पूर्व नए पंजीकरण के लिए आवेदन अवश्य करें, ताकि केंद्र संचालन में कोई व्यवधान न आए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि रजिस्ट्रेशन समाप्त होने के उपरांत कोई भी केंद्र संचालित नहीं होना चाहिए, अन्यथा संबंधित संचालक के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अर्पित गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामप्रसाद, सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

सोहेलवा वन क्षेत्र में एसएसबी-वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई, दो शिकारी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर –भारत-नेपाल सीमा से सटे सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग में मंगलवार की शाम सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और वन विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शिकारियों को धर दबोचा। यह अभियान 9वीं वाहिनी एसएसबी 'एफ' समवाय सीरियानाका द्वारा चलाया गया, जो सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा के साथ-साथ वन्यजीवों के संरक्षण में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। सूत्रों के अनुसार, शाम करीब 6 बजे एसएसबी को मुखबिर से सूचना मिली कि जंगल के भीतर कुछ संदिग्ध व्यक्ति शिकार करने के उद्देश्य से घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही एसएसबी ने वन विभाग से संपर्क कर संयुक्त गश्ती अभियान शुरू किया। एसएसबी की क्यूआरटी टीम (QRT) और वन विभाग की बारहवां रेंज टीम ने जंगल में सघन तलाशी शुरू की। इस दौरान गश्ती दल ने कुछ व्यक्तियों को संदिग्ध गतिविधि करते देखा। जब टीम ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो वे भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर दो शिकारियों को सीमा स्तंभ संख्या 607 के पास गिरफ्तार कर लिया गया। यह स्थान अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 7.5 किलोमीटर भारत की ओर स्थित है। संयुक्त टीम ने उनके पास से सूअर का मांस, शिकार में प्रयुक्त औजार, एक मोटरसाइकिल और एक साइकिल बरामद की। पूछताछ में दोनों ने अपने छह अन्य साथियों के फरार होने की बात कबूल की, जिनकी तलाश वन विभाग और एसएसबी द्वारा की जा रही है। वन क्षेत्र अधिकारी बृजेश सिंह परमार ने बताया कि गिरफ्तार शिकारियों की पहचान राकेश कुमार पासवान (28 वर्ष, निवासी गढ़वा कला, थाना हरैया) और वंशी (30 वर्ष, निवासी किथूरा, थाना कोतवाली देहात, जिला बलरामपुर) के रूप में हुई है। फरार अन्य छह शिकारियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस संयुक्त अभियान से वन्यजीव तस्करी और शिकार गतिविधियों पर रोक लगाने में एसएसबी और वन विभाग की तत्परता स्पष्ट रूप से दिखाई दी है।

ऑनलाइन उपस्थिति में लापरवाही पर 127 पंचायत सहायकों को नोटिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

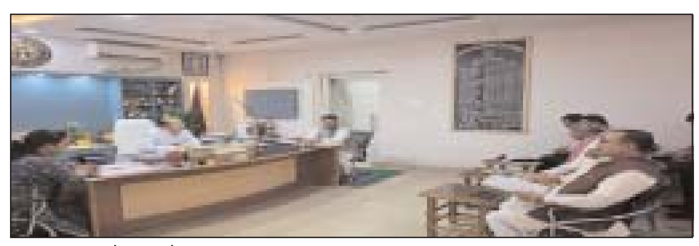

बलरामपुर। गांवों में कार्यरत पंचायत सहायकों की ऑनलाइन उपस्थिति को लेकर डीपीआरओ श्रेया उपाध्याय ने सख्त रुख अपनाया है। पोर्टल पर की गई समीक्षा में 127 पंचायत सहायकों ने अक्तूबर में अब तक अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं की है। इस लापरवाही पर डीपीआरओ ने सभी पंचायत सहायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सात दिन में संतोषजनक जवाब न देने पर डीपीआरओ ने कार्रवाई की चेतावनी दी है। डीपीआरओ श्रेया उपाध्याय ने बताया कि बलरामपुर, गैसड़ी, गैड़ास बुजुर्ग, हरैया सतघरवा, पचपेड़वा, रेहरा बाजार, तुलसीपुर, श्रीदत्तगंज और उतरौला विकासखंडों के पंचायत सहायक ऑनलाइन हाजिरी में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। इन ब्लॉकों में 127 पंचायत सहायकों ने पूरे माह में एक भी दिन की उपस्थिति दर्ज नहीं की। बताया कि स्मार्ट अटेंडेंस मोबाइल एप के माध्यम से प्रतिदिन ग्राम पंचायत सचिवालय पर समय से आना और उपस्थिति दर्ज करना सभी पंचायत सहायकों के लिए अनिवार्य है। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन पंचायत सहायकों की उपस्थिति अभी तक दर्ज नहीं हुई है, वे अपने ब्लॉक के सहायक विकास अधिकारी (पं.) के माध्यम से साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण तत्काल कार्यालय में प्रस्तुत करें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय के भीतर स्पष्टीकरण नहीं दिया गया, तो संबंधित पंचायत सहायकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

धर्म परिवर्तन कराने से संबंधित वांछित आरोपी को परसरामपुर पुलिस ने दबोचा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले की परसरामपुर पुलिस ने धर्म परिवर्तन से जुड़े एक नफर वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह के कुशल नेतृत्व में की गई, जिन्होंने टीम का नेतृत्व करते हुए आरोपी को दबोचा।पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक श्याम कांत के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी हरैया संजय सिंह के पर्यवेक्षण में यह ऑपरेशन चलाया गया। गिरफ्तार किया गया आरोपी रामदयाल शर्मा, पुत्र कुंजु, निवासी औरा तोंदा थाना छपिया, जनपद गोंडा (उम्र लगभग 60 वर्ष) बताया गया है। यह गिरफ्तारी थाना परसरामपुर में दर्ज मुकदमा संख्या 319/2025, धारा 3, 5(1) उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 तथा धारा 302 BNS से संबंधित मामले में की गई। आरोपी को सोमवार सुबह करीब 10 बजे ग्राम गौशाला स्थित बनगवा खास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने नियमानुसार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय बस्ती भेज दिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीमउप निरीक्षक झारखण्डेय पांडेयकांस्टेबल राहुल कन्नौजिया दोनों थाना परसरामपुर, जनपद बस्तीथानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में परसरामपुर पुलिस की यह कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख को दर्शाती है। पुलिस अधीक्षक के अभियान के तहत धर्म परिवर्तन जैसे संवेदनशील मामलों में लगातार निगरानी और त्वरित कार्रवाई जारी है।

संक्षिप्त खबरें

श्रीमद्भागवत कथा में गूंजा श्रीकृष्ण जन्म का पावन प्रसंग

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के खजूरगांव में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में बुधवार को कथा व्यास रविकांत मिश्रा ने भगवान श्रीकृष्ण जन्म का पावन प्रसंग सुनाया। जैसे ही कथा में श्रीकृष्ण जन्म की घड़ी आई, पूरा पंडाल "नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के जयघोष से गूंज उठा। मंच पर सजाई गई सुंदर झांकियों ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा के दौरान व्यास जी ने देवकी-वासुदेव द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और उन्हें गोकुल में यशोदा- नंद के घर पहुंचाने का भावपूर्ण वर्णन किया। इसके साथ ही उन्होंने जड़भरत, नरसिंह अवतार, वामन अवतार, राजा अम्बरीष और कंस के अत्याचार की कथा भी विस्तारपूर्वक सुनाई। उन्होंने कहा कि भगवान हर युग में धर्म की रक्षा और अधर्म के विनाश के लिए अवतरित होते हैं।इस अवसर पर अनूप शुक्ला, पूर्व प्रत्याशी जिला पंचायत सदस्य सरेनी चतुर्थ ने कथा व्यास पीठ और व्यास रविकांत मिश्रा को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। कथा व्यास ने आशीर्वाद स्वरूप श्रीराम पट्टिका भेंट की। कार्यक्रम के संयोजक दीपक कुमार सविता ने सभी को कृष्ण जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दीं। सह संयोजक पवन सिंह, धुन्नर सिंह, दादा बबलू सोनी, गुड्डू सिंह, फाना मिश्रा, संजय सविता सहित बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। जन्मोत्सव और आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

उधार पान खिलाने पर बालक की पिटाई

लालगंज, रायबरेली के पिलखा गांव में एक दुकानदार ने युवक पर मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़ित आदर्श चौरसिया पुत्र चंद्रपाल ने बताया कि उसकी सुल्तानपुर जल चौराहे के पास सड़क किनारे गुमटी है। एक युवक दुकान पर आया, पान खाया और बिना पैसे दिए जाने लगा। जब आदर्श ने रुपए मांगे तो आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए उसे दुकान से खींचकर पीट दिया। इस संबंध में पीड़ित ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह का कहना है कि मामला अभी संज्ञान में नहीं है, तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

लालगंज (रायबरेली)। बुधवार सुबह नवीन कृषि मंडी गेट नंबर एक के सामने तेज रफ्तार बाइक सवार पिकअप लोडर के नीचे जा घुसा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने तुरंत उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल की पहचान सरेनी थाना क्षेत्र के हमीरगांव निवासी अर्पित बाजपेई (27) पुत्र राजा बाबू के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बेहटा चौराहा जाते समय बाइक का संतुलन बिगड़ने से हादसा हुआ। पुलिस ने पिकअप वाहन को कब्जे में ले लिया है।

कम्पोजिट विद्यालय कुबना में न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का सफल हुआ आयोजन

महराजगंज रायबरेली। क्षेत्र के पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय कुबना में बुधवार को न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कोटवा मदनिया न्याय पंचायत के अंतर्गत आने वाले कम्पोजिट विद्यालय कुसुढी सागर पुर, कम्पोजिट विद्यालय मोन, कोटवा मदनिया, प्राथमिक विद्यालय पोखरनी, मदनिया, समेत दर्जनों स्कूलों के छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ कुबना की ग्राम प्रधान पूनम सिंह ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। आयोजित प्रतियोगिताओं में कोटवा मदनिया की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में जूनियर बालिका वर्ग की कबड्डी में कोटवा मदनिया की छात्राओं ने मेजबान स्कूल पीएम श्री कुबना की टीम को हराकर पहला स्थान हासिल किया। कबड्डी में जीत के बाद कोटवा मदनिया की टीम ने अन्य इवेंट्स में भी बेहतर प्रदर्शन जारी रखा। न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में लम्बी कूद, ऊंची कूद, दौड़, कबड्डी और खो-खो आदि विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गई। इस अवसर पर मेजबान स्कूल कुबना की प्रधानाध्यापिका प्रेमलता, मधुकर सिंह, वारिस अली, आलोक द्विवेदी, रामचरन, राकेश गौतम, तजिंदर कौर, आरती, श्वेता श्रीवास्तव, मनीष सिंह, व सभी खेल अनुदेशक समेत सैकड़ों गणमान्य अभिभावक मौजूद रहे।

धार्मिक स्थल को कराया गया कब्जा मुक्त, तहसील प्रशासन डलमऊ ने कसा शिकंजा

● **एसडीएम के आदेश पर नायब तहसीलदार ने पहुंचकर खाली कराई जमीन**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली। डलमऊ अवैध कब्जाधारियों पर सख्त रुख अपनाते हुए उप जिलाधिकारी डलमऊ ने धार्मिक स्थल पर किए गए कब्जे को हटवाने के आदेश दिए।मिली जानकारी के अनुसार, तहसील क्षेत्र के छज्जूपुर गांव में बने धार्मिक स्थल पर गांव निवासी सुशीला दीक्षित पत्नी राजकुमार दीक्षित द्वारा कब्जा किया गया था। इस संबंध में शिकायत जिलाधिकारी रायबरेली से की गई थी।शिकायत पर कार्रवाई करते हुए उप जिलाधिकारी डलमऊ ने कब्जेदार को 10 अक्टूबर को नोटिस जारी कर तीन दिनों के भीतर कब्जा हटाने के निर्देश दिए थे।

लेकिन निर्धारित समय में कब्जा न हटाए जाने पर, मंगलवार को नायब तहसीलदार वीरेंद्र सिंह पुलिस बल और राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे।टीम ने बुलडोजर लगवाकर धार्मिक स्थल की जमीन को कब्जामुक्त कराया। नायब तहसीलदार वीरेंद्र सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई जिलाधिकारी के निर्देश और एसडीएम के आदेश के अनुपालन में की गई है। तहसील प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में संदेश गया है कि अवैध कब्जों के खिलाफ प्रशासन अब सख्त रुख में है।

गोपूजन के साथ ही गोपाष्टमी पर्व की शुरुआत

● **1001 दीपों से उतारी गई गोमाता की आरती**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। कार्तिक मास की अष्टमी को श्री गोपेश्वर गोशाला परिवार हर्षोल्लास के साथ गोपाष्टमी पर्व मनाता है प्रज्ञा भारती गिरी पंक्षी देवी, आचार्य पंडित रमाकांत कौशिक झारखंड धाम पीठाधीश्वर, महामंडलेश्वर स्वामी कौशलेंद्र गिरी पीठाधीश्वर नाथ बाबा मठ, प्रान्त, कैवल्य गिरी महाराज, ब्राम्हज्योति महराज मुकुंददास आश्रम गौ संवर्धन प्रमुख उमाकांत ने गो और गोवर्धन पूजन वंदन कर गौ शोभायात्रा का शुभारंभ किया।इस अवसर पर आरएसएस से प्रशांत भाटिया क्षेत्रीय अध्यक्ष पूर्व अवध प्रान्त दिनेश तिवारी ने गोशाला में पल रही गोवंशो को हरा चारा और गुड़ खिलाया। गोशाला में राजा स्वरूप विराजमान चिंताहरण हनुमानजी का आकर्षक दिव्य श्रृंगार किया गया। गोपाष्टमी का पावन पर्व गोशाला प्रांगण में बहुत ही हर्षोल्लास से मनाया गया हवन, गोपूजन, गोदान व सप्तगो परिक्रमा के साथ पर्व की शुरुआत हुई। तत्पश्चात गोशाला प्रांगण में स्थित 250 वर्ष प्राचीन दिन्नी शाह तालाब में 501 दीपों से दीपदान और गोमाता की दिव्य आरती व भंडारा के साथ ही गोशाला परिवार द्वारा आए हुए भक्तो को गोमाता की सेवा के लिए हम सभी गोपुत्र सदैव तत्पर रहने का संकल्प दिलाया गया। साथ ही प्राकृतिक चिकित्सा, योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक कृषि शिविर लगाया गया जिसमें कई प्रकार के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।गोपाष्टमी के इस कार्यक्रम में प्रज्ञा पंक्षी देवी, श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष महादेव बाबा, अयोध्या धाम,वाराणसी, वृंदावन और नैमिषारण्य से पधारे कई संत और राजनेताओ, अधिकारियों का तांता लगा रहा इस कार्यक्रम में वीरेंद्र प्रताप सिंह चेयरमैन जिला सहकारी बैंक,रमाकांत गुप्ता विभाग संघ चालक, अनिल सिंह चौहान पूर्व ब्लॉक प्रमुख, भाग कारवां पश्चिम अनुज, प्रबंधक जिला सहकारी बैंक पंकज गुप्त, शैलेन्द्र श्रीवास्तव जिला विधिक अधिकारी हाईकोर्ट, विकास पाठक, हिंदू जागरण मंच के संयोजक संतोष सिंह तिलन, रूपेश मिश्र,संजय साहू प्रधान, शैलेन्द्र पांडेय, अंशुल गुप्ता, व्यापार मंडल आशीष गुप्ता, अमन द्विवेदी, प्रभात तिवारी, सोनू सिंह, मुनींद्र भरत, भोलानाथ सहित क्षेत्र के कई सम्मानित जन उपस्थित रहे।

युवा सम्मेलन में आत्म निर्भर भारत का लिया संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बख्शी का तालाब लखनऊ भाजपा युवा मोर्चा द्वारा एस आर कॉलेज बक्शी का तालाब लखनऊ में आत्म निर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत युवा सम्मेलन का आयोजन युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धीरेंद्र पांडेय धीरू द्वारा किया गया। सम्मलेन में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री, एम एल सी अनूप गुप्ता और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला लखनऊ के जिला अध्यक्ष विजय कुमार मौर्य रहे।

सम्मलेन में आय हजारों युवाओं को अनूप गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था आज देश के चौथे नंबर पर है। युवाओं के भागदारी के माध्यम से इसको देश के प्रथम नंबर पर लाया जा सकता है, जिसके लिए आत्म निर्भर भारत के संकल्प अभियान के माध्यम से युवा पीढ़ी के लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। कोरोना महामारी के दौरान भारत में बनी वैक्सीन का उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार स्वदेशी वैक्सीन के माध्यम से विश्व भर के कारणों लोगों की जान को बचाया जा सका। रक्षा क्षेत्र में भी स्वदेशी ब्रह्मोश मिसाइल का जिक्र करते हुए बताया कि किस प्रकार स्वदेशी हथियारों द्वारा रक्षा क्षेत्र में लगातार देश आगे बढ़ रहा है।

सम्मेलन के समापन में जिला अध्यक्ष विजय मौर्य ने उपस्थित युवाओं को भरता को आत्म निर्भर बनाने के युवाओं की भागदारी बढ़े इसके लिए 12 प्रकार के संकल्प दिलाए। सम्मलेन में मलिहाबाद की विधायक जय देवी कौशल, मोहनलाल गंज विधायक अमरेश कुमार, जिला मीडिया विवेक सिंह, युवा मोर्चा जिला महामंत्री शुभम पाल, अतुल सिंह सहित हजारों की संख्या में युवा कार्यकर्ता शामिल हुए।

गंगा एक्सप्रेस-वे से इस जिले से जोड़ना चाहते हैं लोग, सीएम योगी को भेजे तीन हजार पोस्ट कार्ड

नूरपुर (बिजनौर)। गंगा एक्सप्रेस वे से बिजनौर को जोड़ने के लिए भाकियू अराजनैतिक द्वारा चलाई जा रही पोस्टकार्ड मुहिम के तहत ब्लाक अध्यक्ष उत्तम कुमार के नेतृत्व में किसानों द्वारा तीन हजार पोस्टकार्ड मुख्यमंत्री को भेजे गए। भाकियू द्वारा गंगा एक्सप्रेस वे से बिजनौर को जोडे जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड पर मांगपत्र भेजे जाने की मुहीम छेड़ी गई है। भाकियू कार्यकर्ता पोस्टकार्ड भेजकर गंगा एक्सप्रेस वे हरिद्वार से बिजनौर होते हुए निकाले जाने की मांग कर रहे है। बुधवार को नूरपुर ब्लाक अध्यक्ष उत्तम कुमार के नेतृत्व में कस्बे के स्योहारा मार्ग स्थित पोस्ट आफिस पहुंचे किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित मांग के तीन हजार पोस्टकार्ड पोस्टमास्टर को सौंपे। पोस्टकार्ड सौंपने वालों में ब्लाक अध्यक्ष उत्तम कुमार,जयपाल भगत,ऋषिपाल सिंह, खुशीराम, जयपाल सिंह,धर्मेंद्र सिंह एवं विक्रम सिंह शामिल रहे।

पीएम किसान सम्मान निधि की अगली किस्त सिर्फ इन किसानों को ही मिलेगी, मुख्य सचिव ने कर दिया क्लियर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि की अगली किश्त केवल उन्हीं किसानों को मिलेगी जिन्होंने फार्मर रजिस्ट्री में अपना पंजीकरण कराया है। जिलाधिकारी व्यक्तिगत रुचि लेकर इस कार्य को त्वरित गति से पूरा कराएं। किसानों को जागरूक करने के साथ ही फार्मर रजिस्ट्री में लगी टीमों को सक्रिय किया जाए। ग्राम स्तर पर कैंप आयोजित कर रजिस्ट्री प्रक्रिया को गति प्रदान की जाए। कोई भी पात्र किसान फार्मर रजिस्ट्री के अभाव में पीएम किसान सम्मान निधि के लाभ से वंचित नहीं होना चाहिए। अब तक 1,34,79,046 यानी 54.28 प्रतिशत लाभार्थियों ने फार्मर रजिस्ट्री के लिए पंजीकरण कराया है। मुख्य सचिव ने बुधवार को वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक में कहा कि रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष से संबंधित प्रकरण त्वरित निस्तारित किए जाएं। जिलाधिकारी प्रत्येक सप्ताह बैठक आयोजित कर विभिन्न स्तरों पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा करें। 20 नवंबर तक शत-प्रतिशत प्रकरणों को अनिवार्य रूप से निस्तारित कराया जाए। किसी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित रखने वाले अधिकारी/कर्मचारी पर कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि जिन जिलों द्वारा अंत्येष्टि स्थल, पंचायत उत्सव भवन तथा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट के लिए स्थल चयन की कार्यवाही अभी तक पूरी नहीं हुई है, वें शीघ्र कर लें। चयनित पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना के लिए आवश्यक हार्डवेयर, फर्नीचर, किताबों के लिए तत्काल आदेश जारी किए जाएं। प्रथम चरण में लगभग 11 हजार ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जाएगी, जो ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल और आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देगी।

इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लाजिस्टिक क्लस्टर (आइएमएलसी) परियोजना के भूमि अधिग्रहण की प्रगति की समीक्षा के करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि चिह्नित भूमि खरीदने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। आपसी सहमति से भूमि खरीद पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके तहत 27 जिलों में 5143.8559 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाना है, जिसके सापेक्ष 81.35 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण अब तक हो चुका है। बैठक में अपर मुख्य सचिव महिला कल्याण लीना जौहरी, प्रमुख सचिव पंचायती राज अनिल कुमार, प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र, निदेशक पंचायतीराज अमित कुमार सिंह, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीडा शशांक चौधरी उपस्थित थे।

तेज रफ्तार पिकअप डाला ने ऑटो चालक को कुचला, 1 किमी भागने के बाद घर में घुसा, 2 घायल, चालक गिरफ्तार

हरदोई। तेज रफ्तार का कहर फिर बरपा। नुमाइश चौराहे के पास एक तेज रफ्तार पिकअप डाला ने ऑटो चालक को रौंद दिया,जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे को अंजाम देकर भागे चालक की पिकप 1 किलोमीटर दूर बावन चुंगी के पास एक घर में घुस गई,जहां बाहर बाइक पर बैठे दो युवकों को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना पास में लगे कैमरे में कैद हो गई है। धर्मशाला मार्ग निवासी राहुल राहुल मिश्रा ऑटो चलाते थे और नुमाइश चौराहे से अपने घर लौट रहे थे। बसंत लीला होटल के सामने पहुंचते ही अचानक तेज रफ्तार पिकअप डाला ने उनके ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राहुल मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई।

कबाड़ी की दुकान से 72 हजार रूपयों से भरा बैग चोरी, आरोपी सीसीटीवी में कैद

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बछरावां रोड रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित एक कबाड़ी की दुकान से अज्ञात युवक ने 72 हजार रूपयों से भरा बैग चोरी कर लिया। चोरी की यह घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।नगर के सब्जी मंडी मोहल्ला निवासी जय शंकर गुप्ता ने बताया कि मंगलवार की रात उसका भाई विजय शंकर कानपुर से कबाड़ बेचकर लौटा था और 72 हजार रुपये का बैग दुकान के काउंटर पर रख दिया था। इसी दौरान एक युवक दुकान में आया और मौका पाकर बैग लेकर फरार हो गया।पीड़ित ने एक वाहन चालक पर चोरी का आरोप लगाया है और उसके विरुद्ध नामजद तहरीर पुलिस को दी है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

एशिया की सबसे बड़ी मीडरी 'Mbrosia' को राष्ट्रीय स्तर पर रजत पुरस्कार से सम्मानित किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गुरुग्राम, भारत की अग्रणी एवं एशिया की सबसे बड़ी मीडरी Mbrosia Nature Living की प्रीमियम प्राकृतिक मदिरा ब्रांड Maeve Meadery ·¤è Mulberry Morat मीड वाइन को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित स्पिरिट्ज़ कॉन्क्लेव अचीवर्स अवार्ड्स 2025 की ब्लाइंड टेस्टिंग प्रतियोगिता में रजत पुरस्कार (सिल्वर अवार्ड) से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार ली मेरिडियन होटल, गुरुग्राम में आयोजित भव्य समारोह में एमब्रोज़िया नेचर लिविंग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री माधवेंद्र देव सिंह ने प्राप्त किया।

इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा, "यह सम्मान न केवल Maeve Meadery की उत्कृष्ट गुणवत्ता, शुद्धता और नवाचार का प्रतीक है, बल्कि यह भारत की प्राकृतिक परंपराओं को विश्व मंच पर नई पहचान दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। हमारा लक्ष्य सदैव ऐसी प्राकृतिक मदिरा तैयार करना है जो भारत की धरती की आत्मा और स्वाद को प्रत्येक घूंट में महसूस करा सके।"

Mbrosia देश की पहली ऐसी इकाई है जिसने भारत में मधु मदिरा मीड को आधुनिक रूप में प्रस्तुत किया है। प्राकृतिक तत्वों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और पर्यावरण-संवेदनशील प्रक्रियाओं से निर्मित मेव मीडरी की मदिराएँ अब न केवल भारत में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी पहचान बना रही हैं। यह उपलब्धि Mbrosia Nature Living के लिए एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ती है, जो देश में प्राकृतिक मदिरा उद्योग को नई ऊँचाइयों तक ले जा रही है।

कृष्ण स्वरूप अग्रवाल सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
कुलदीप अवस्थी

बिसवां (सीतापुर) आज कृष्ण स्वरूप अग्रवाल सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, अमर नगर, बिसवां में एक विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को बढ़ते ऑनलाइन अपराधों, सोशल मीडिया ठगी और डिजिटल सुरक्षा के प्रति सजग बनाना था। कार्यक्रम की शुरुआत हर्षोल्लास के साथ हुई, जहाँ विद्यालय की छात्राओं द्वारा साइबर क्राइम टीम का तिलक एवं पुष्पों से स्वागत किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का सम्मान विद्यालय प्रशासन द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

सीतापुर साइबर क्राइम टीम ने छात्राओं को इंटरनेट की सुरक्षा, मोबाइल फोन के सही उपयोग और सोशल मीडिया पर सतर्क रहने के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर साइबर क्राइम सीतापुर के इंस्पेक्टर ने छात्राओं को साइबर अपराधों से बचने, मोबाइल का सुरक्षित उपयोग करने तथा किसी भी साइबर अपराध की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में इनर व्हील क्लब बिसवां की अध्यक्षा गुरमीत कौर एवं उनकी टीम ने भी छात्राओं को संबोधित किया और उन्हें डिजिटल रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के प्रबंधक सुरेन्द्र पाल सिंह, अध्यक्षा रेनू मेहरोत्रा तथा प्रधानाचार्या अल्पना अवस्थी ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन छात्राओं में जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक होते हैं।

प्रधानाचार्या अल्पना अवस्थी ने कहा कि तकनीक आज जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है, इसलिए इसके सही उपयोग की समझ आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं से अपनी निजी जानकारी सुरक्षित रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने का आग्रह किया। विद्यालय की अध्यक्षा रेनू मेहरोत्रा ने साइबर क्राइम टीम और इनर व्हील क्लब बिसवां का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्राओं के ज्ञानवर्धन और जागरूकता के लिए अत्यंत उपयोगी हैं।

कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या अल्पना अवस्थी ने साइबर क्राइम सीतापुर टीम तथा इनर व्हील क्लब बिसवां की पूरी टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया। छात्राओं ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम ने उन्हें डिजिटल सुरक्षा के महत्व को गहराई से समझने में मदद की। यह कार्यक्रम अत्यंत सफल, प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक रहा, जिसने छात्राओं में नई ऊर्जा और जिम्मेदारी की भावना का संचार किया।

जनप्रिय नेता महेंद्र प्रताप सिंह के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। महराजगंज क्षेत्र के अंदूपुर गांव निवासी एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख महेंद्र प्रताप सिंह के आकस्मिक निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन से न केवल अंदूपुर गांव बल्कि समूचा क्षेत्र स्तब्ध है महेंद्र प्रताप सिंह एक कुशल राजनीतिज्ञ और दूरदर्शी नेता के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने अपने कार्यकाल में क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। अपने पैतृक गांव से लेकर पूरे महराजगंज ब्लॉक तक विकास कार्यों को गति देने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी वे महराजगंज ब्लॉक के पूर्व प्रमुख रह चुके थे और तिलोई विधानसभा से दो बार चुनाव भी लड़ चुके थे। अपने चुनावी अभियानों में उन्होंने अपने सशक्त संगठन, लोकप्रियता और राजनीतिक समझ का परिचय दिया था, जिससे विरोधी भी उनकी राजनीति की पकड़ को स्वीकार करते थे 68 वर्षीय महेंद्र प्रताप सिंह के असमय निधन से क्षेत्र ने एक जनप्रिय नेता और राजनीतिक पुरोधा को खो दिया है।

उनके निधन से ग्रामवासियों सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। लोग उन्हें एक सहज, मिलनसार और जनसेवा को समर्पित नेता के रूप में हमेशा याद रखेंगे इस मौके पर पूर्व विधायक रामलाल अकेला, पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रभात साहू, पूर्व प्रमुख सत्येन्द्र प्रताप सिंह, विधायक श्यामसुंदर भारतीय, प्रदीप चौधरी, बाबू राजन सिंह, डब्बू सिंह, रामेंद्र सिंह, राम पदारथ शुक्ला, अनिरुद्ध सिंह, भीम सिंह, हरिहर सिंह, अमित सिंह, राजेश सिंह, रंजीत सिंह एडवोकेट, उदयराज सिंह, राम सिंह, लक्ष्मण सिंह, विनोद कुमार साहू, बजरंगी विजय सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

वैष्णवी यादव को पढ़ाई करने के लिए प्रदान किया गया चार्जिंग लैंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बरीबरा मजरे मऊ गर्वी की तीसरी कक्षा की छात्रा वैष्णवी यादव को पढ़ाई में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए एक चार्जिंग लैंप प्रदान किया गया है। घर में बिजली न होने के कारण वैष्णवी अपना गृहकार्य पूरा करने के लिए बिजली के खंभे के नीचे बैठकर पढ़ाई करती थी यह लैंप उसे भारत सरकार के औषध विभाग में अवर सचिव शमीम अंसारी ने भेजा है। शमीम अंसारी वैष्णवी की कक्षा अध्यापिका शबनम अंसारी के बड़े भाई हैं। उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्रा की पढ़ाई में कोई बाधा न आए और उसका भविष्य उज्ज्वल हो माता प्रसाद यादव की पुत्री वैष्णवी पढ़ने में मेहनती छात्रा है। उसके घर में बिजली की सुविधा नहीं है, जिसके कारण उसे अक्सर बाहर खंभे के नीचे बैठकर पढ़ाई करनी पड़ती थी शमीम अंसारी ने संदेश दिया है कि हर बेटी पढ़-लिखकर आगे बढ़े और अपने माता-पिता व गांव का नाम रोशन करे।

उन्होंने यह भी कहा कि वे किसी भी बच्चे को पढ़ाई में आ रही समस्याओं के लिए आर्थिक मदद देने को तैयार हैं, ताकि गरीब बच्चे भी आगे बढ़ सकें इस अवसर पर विद्यालय में एक अभिभावक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता श्री लव यादव ने की। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाएं सरिता सिंह और शबनम अंसारी सहित अभिभावक लालबहादुर, गोपाल यादव, विशाल, धर्मेंद्र, राजेंद्र यादव, अमरेश, अखिलेश मौर्या, रेनू पाल, संगीता, शिवकुमारी, कमलेश, दिलकेश और गिरजावती उपस्थित रहे विद्यालय प्रशासन ने बताया कि गांव के अधिकांश अन्य बच्चों के घरों में बिजली उपलब्ध है। प्रधानाचार्य सरिता सिंह और अध्यापिका शबनम सहित विद्यालय का अन्य स्टाफ भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहा।

मुख्यमंत्री से राज्य में बांस शिल्प विकास बोर्ड स्थापित करने की मांग

● **यूपी में भी गठित हो बांस शिल्प विकास बोर्ड : डॉ. निर्मल**

दैवीय आपदा प्रबंधन जांच समिति के सभापति ने सीएम योगी से मिलकर किया अनुरोध

एमएलसी डा. निर्मल ने सीएम से की मुलाकात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश दैवीय आपदा प्रबंधन जांच समिति के सभापति एवं विधान परिषद सदस्य डा. लालजी प्रसाद निर्मल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर यूपी में बांस शिल्प विकास बोर्ड की स्थापना किए जाने का आग्रह किया। जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दिशा में वह सकारात्मक निर्णय लेंगे।

मंगलवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात में डा. निर्मल ने अवगत कराया कि बांस से निर्मित वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, नागालैंड, ओडिशा व मिजोरम सहित कई राज्यों में बांस आधारित कलस्टर/बोर्ड स्थापित किए गए हैं। यूपी में बांस का उपयोग बढ़ाने और इससे जुड़े कामगारों का जीवन स्तर उठाने के लिए प्रदेश में भी बांस शिल्प विकास बोर्ड गठित करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बांस से बनी हुई टोकरियों का फलों, सब्जियों व अन्य सामान रखने के लिए उपयोग होता है। साथ ही बांस से बांसुरी, खिलौने और घर के सजावट की वस्तुएं बनाई जाती हैं। मौजूदा समय में बांस से कागज बनाया जा रहा है और उसी कागज से प्लेट, ग्लास, लिफाफे, कैरी बैग का निर्माण हो रहा है। सरकार बांस से बनी हुई वस्तुओं को चलन में लाने के लिए प्रोत्साहित करे। इससे बांस शिल्प समाज के लोगों को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। प्लास्टिक का उपयोग कम होने से प्रदूषण भी कम होगा।

महिलाओं पर तेजाब कब तक फेंकेंगे शोहदे?

राजधानी दिल्ली में एसिड अटैक की घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं। कानून सख्त होने के बावजूद महिलाएं इस जघन्य अपराध का शिकार हो रही हैं। हाल के वर्षों में सामने आए कई मामले से यह साफ हो गया कि एसिड अटैक जैसी घटनाओं पर अभी भी पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के लक्ष्मीबाई कॉलेज के पास एक छात्रा पर तेजाब से हमले की घटना सामने आई है। पीड़िता नॉन कॉलेजिएट वीमेन्स एजुकेशन बोर्ड के तहत शिक्षा हासिल कर रही है, वह कॉलेज की नियमित छात्रा नहीं है।बीते रविवार को जब वह अपनी कक्षा के लिए जा रही थी, तभी कॉलेज परिसर के बाहर बाइक सवार युवकों ने उस पर तेजाब फेंका, अपने चेहरे को बचाने के लिए छात्रा ने हाथ ढंके तो उसके हाथ बुरी तरह जल गए। पीड़िता को इलाज के लिए राममनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर और खतरे से बाहर है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है, जिसमें मुख्य आरोपी जितेंद्र के बारे में खबर है कि वह करीब एक महीने से छात्रा का पीछा कर रहा था। हालांकि इसमें गंभीर घटना में एक नया मोड़ तब आया, जब आरोपी जितेंद्र की पत्नी ने पीड़िता के पिता पर बलात्कार का इल्जाम लगाकर ब्लैकमेल करने की बात कही। आरोपी की पत्नी ने पुलिस में शिकायत की है, जिसके मुताचिक, वह एसिड अटैक पीड़िता के पिता के पास काम करती थी, जहां पीड़िता के पिता ने उसके साथ जबरन संबंध बनाए और फिर ब्लेकमेल करने लगा। पुलिस ने बलात्कार और ब्लैकमेल को धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। अब पुलिस तेजाब के हमले के साथ-साथ आरोपी की पत्नी के लगाए बलात्कार के आरोप के मामले की भी जांच करेगी। इधर पीड़िता ने भी बयान दिया है कि आरोपी जितेंद्र की पत्नी उसे ऐसे कामों को करने के लिए उकसाती है। पीड़िता का कहना है कि उसकी आरोपियों से कुछ दिन पहले बहस हुई थी, क्योंकि उसने आरोपी की पत्नी से छेड़खानी की शिकायत की थी। बीते अगस्त में पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर इलाके में एक व्यक्ति को अपनी पत्नी पर रासायनिक पदार्थ फेंकने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, आरोपित और उसकी पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था, जिसके बाद गुस्से में उसने यह कदम उठाया। महिला को गंभीर चोटें आई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, वर्ष 2023 में मध्य दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में 17 वर्षीय किशोरी पर एसिड से हमला किया गया था।पीड़िता अपनी छोटी बहन को स्कूल छोड़ने जा रही थी, तभी बाइक सवार युवक ने उस पर एसिड फेंक दिया। इस हमले में युवती गंभीर रूप से झुलस गई थी। वहीं, 2022 में भी द्वारका में इसी तरह की दर्दनाक घटना हुई थी। यहां दो युवकों ने मोटरसाइकिल से जाते हुए 17 वर्षीय लड़की पर एसिड फेंक दिया था। घटना में युवती का चेहरा और गला बुरी तरह झुलस गया था, साथ ही उसकी आंखों की रोशनी पर भी स्थायी असर पड़ा। अब ताज़ा मामला एक तरफ देश में कानून व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर कर रहा है, वहीं समाज के बिखरते ताने-बाने को भी दिखा रहा है। बलात्कार के बदले के लिए तेजाब फेंकना आंख के बदले आंख वाली निकृष्ट सोच का परिचायक है। अगर एक महिला के साथ बलात्कार जैसा घिनौना कृत्य हुआ है, तो इसकी सजा दोषी को जरूर मिलनी चाहिए, लेकिन उसके परिवार की महिलाओं पर भयावह अत्याचार किसी दृष्टि से न्यायसंगत नहीं कहा सकता। आरोपी की पत्नी ने पीड़िता पर तेजाब फेंके जाने के बाद खुद के साथ बलात्कार और ब्लैकमेलिंग की घटनाओं की बात क्यों कही, इस बारे में पहले हो अगर शिकायत दर्ज होती ती एक और निर्दोष युवती को तेजाब का शिकार होने से बचाया जा सकता था। गौरतलब है कि देश में कड़े कानून के बावजूद महिलाओं पर तेजाबी हमलों के मामले रुक नहीं रहे हैं। राज्य बदलते हैं, कारण बदलते हैं, लेकिन महिलाओं के लिए हिंसक सोच और हैवानियत भरे अपराध नहीं थमते। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 124 के तहत अगर किसी भी इंसान पर तेजाब फेंककर, पिलाकर, या किसी भी अन्य तरीके से उसके शरीर को स्थायो या आंशिक नुकसान पहुंचाया जाता है, गंभीर चोट पहुंचाने की कोशिश होती है, इसे तेजाब का हमला माना जाएगा। ऐसे मामलों में आरोपी को 10 साल तक की सजा हो सकती है, और अलग से जुर्माना लग सकता है। ध्यान देने वाली बात है कि पूरी दुनिया में तेजाब से हमलों के मामले एशियाई देशों में सबसे ज्यादा देखे गए हैं। उसमें भी बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, कोलंबिया और कंबोडिया वो प्रमुख देश हैं जहां सबसे ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों पर गौर किया जाए, तो भारत में पिछले पांच सालों में एसिड अटैक के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। एसिड सर्वाइवर फाउंडेशन के मुताबिक 70 प्रतिशत मामलों में पीड़ित कोई महिला ही होती है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नॉलॉजी इन्फर्मेशन ने तेजाब से हमले को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की थी। 2024 में प्रकाशित हुई उस रिपोर्ट में बताया गया कि पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश दो ऐसे राज्य रहे जहां पर सबसे ज्यादा एसिड अटैक के केस सामने आए। वहीं बात जब महानगरों की आती है तो राजधानी दिल्ली इस मामले में शीर्ष पर है। अच्छी बात ये है कि पहले की तुलना में तेजाब फेंकने की घटनाएं कम हुई हैं, लेकिन अगर एक भी ऐसा मामला दर्ज होता है, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता करने की बात है। महिलाओं पर तेजाब फेंककर बदला लेना असल में पुरुष सत्तात्मक समाज की उस घटिया मानसिकता का परिचायक है जो स्त्री को केवल उपभोग की सामग्री की तरह देखता है। एक इंसान के तौर पर स्त्री की गरिमा और सम्मान का महत्व इस समाज में नहीं होता है। हम बाहरी तौर पर कितने भी आधुनिक दिखाई दें, लेकिन महिलाओं को जकड़ी हुई पुरातन जंजीरों को तोड़ने का काम अब तक नहीं कर पाए हैं। स्त्री अगर किसी भी तरह पुरुष के आगे समर्पण करने से इंकार करे, उसकी बराबरी करे, खुद को दोयम दर्जे का न माने, तो उस पर तरह-तरह के लांछन लगाए जाते हैं, उसके चरित्र पर सवाल उठाए जाते हैं और इसके बावजूद स्त्री को झुकाया न जा सके, तो फिर उसे तेजाब का शिकार बनाया जाता है। तेजाब फेंकने वाले स्त्री को केवल उसकी काया, उसके चेहरे का मोहताज बनाकर रखना चाहते हैं, इसलिए तेजाब से इन्हें विकृत कर वे स्त्री को समाज में उसकी कमजोर स्थिति का एहसास कराते हैं। समाज को जागरूक होकर इन समाजकंटको के खिलाफ खड़े होना होगा।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

सड़क पर चिताओं का कारण बन रही है जुगाड़ वाली बस

अक्टूबर माह में बस में आग लगने और यात्रियों के जिन्दे जलने की घटना बढ़ती गई है।जयपुर में बस हाइटेंशन वाले तार से टकरा गईऔर बस में करंट दौड़ने से दो व्यक्ति जिन्दे जले और करीब दस व्यक्ति झुलस गए। जैसलमेर बस में आग लगने से 26 लोगो की मौत हुई।बहरहाल, बस में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी।कुरनूल की चलती बस में आग लगने से दो व्यक्तियों की जलने से मृत्यु हो गई है।कुरनूल में स्लीपर बस में आग लगने से बस जलकर खाक हो गई।मध्य प्रदेश के अशोकनगर में बड़ा हादसा हुआ।आगरा लखनऊ मार्ग पर तेवरी टोलप्लाज़ा पर लगी भीषण आग से कई लोग झुलस गए और कई यात्रियों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।बस में आग लगने की घटना थम नही रही है।इस महीने सर्वाधिक आग की घटना हुई है। और आग लगने से कई यात्री जिन्दे जल गए।बस में आग लगने की करुण और दुःखद घटनाओ में यात्रियों की मौते हुए है।झुलसे यात्रियों की स्थिति नाजुक बनी और कुछ दिन बाद झुलसे व्यक्ति की मौत भी हो है। ऐसी घटना आखिरी घटना नही है।इसके पीछे रहे कारणों का पता चलना आवश्यक है।निजी बसे रखरखाव के अभाव और चालक की लापरवाही के कारण भी चलती बस में आग लगना और दुर्घनाग्रस्त होती है।चालक की गलतियों को नजरअंदाज नही किया जा सकता है।बसों में आग लगने की सिलसिलेवार कई घटनाओं में कही शॉर्ट सर्किट तो कही चालक की लापरवाही के कारण आग लगी है।जयपुर में हाईटेंशन लाइन के नीचेबस ले जाने और सिलेंडर में ब्लास्ट होने की वजह से आग लगी थी।यह मानव सर्जित घटना थी।देश मे वाहनों की दुर्घटनाओं में कई लोग हररोज जान गंवाते है।भारत मे हररोज सड़क दुर्घटना में सैकड़ो लोगो की मौत हो रही है। कार दुर्घटनाएँ कई कारणों से हो सकती हैं, लेकिन कुछ कारक घातक टक्करों के उच्च प्रतिशत का कारण बनते हैं। एनएचटीएसए के आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल लगभग 29% सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों के लिए तेज़ गति ज़िम्मेदार थी । इस तरह के खतरनाक व्यवहार को अक्सर लापरवाह ड्राइविंग के रूप में वर्गीकृत किया जाता है । गाड़ी चलाते समय टेक्स्ट मैसेज भेजना, रेडियो एडजस्ट करना या फ़ोन पर बात करना सड़क से ध्यान भटका देता है। सीडीसी के अनुसार , अकेले अमेरिका में ही ध्यान भटकाकर गाड़ी चलाने से हर साल 3,000 से ज़्यादा मौतें होती हैं। लाल बत्ती पार करना भी ध्यान भटकाने से जुड़ा एक आम व्यवहार है जिससे जानलेवा दुर्घटनाएँ होती हैं।हमारे यहां लालबति चालू होते हुए भी वाहनचालक क्रॉस पार कर लेते है।यह गलत और आरटीओ के नियमों का उल्लंघन है। बारिश, कोहरा और सड़कों का खराब रखरखाव जानलेवा दुर्घटनाओं में योगदान देता है। सीट बेल्ट जान बचाती हैं, फिर भी कई मौतें अनियंत्रित यात्रियों के कारण होती हैं। बारिश, कोहरा और सड़कों का खराब रखरखाव जानलेवा दुर्घटनाओं में योगदान देता है। संघीय राजमार्ग प्रशासन (FHWA) के आंकड़ों के अनुसार, सभी दुर्घटनाओं में से 21% मौसम संबंधी होती हैं। यह समझना कि ज़्यादातर दुर्घटनाएँ कहाँ होती हैं, ड्राइवरों को उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में ज़्यादा सतर्क रहने में मदद कर सकता है। सड़क सुरक्षा आधुनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो प्रतिदिन लाखों लोगों को प्रभावित करता है। वाहनों की टक्करों से लेकर पैदल यात्रियों की दुर्घटनाओं तक, सड़क दुर्घटनाएँ जन स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करती हैं सड़क सुरक्षा बनाए रखने के लिए यातायात नियमों का पालन करना बेहद ज़रूरी है। इसमें निर्धारित गति सीमा का पालन करना शामिल है, जो सड़क की स्थिति के अनुसार बनाई गई हैं और दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करती हैं। इसके अलावा, ट्रैफ़िक सिग्नल और सड़क संकेतों का पालन करने से सड़क पर पूर्वानुमान बेहतर होता है, जिससे भ्रम और अप्रत्याशित मोड़ कम करने में मदद मिलती है। इन नियमों का पालन करके, चालक यातायात के समग्र सुचारू प्रवाह में योगदान देते हैं, दुर्घटनाओं की संभावना कम करते हैं और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाते हैं। सड़क पर संभावित खतरों को कम करने के लिए रक्षात्मक ड्राइविंग तकनीकों का प्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। वाहन चलाते समय सतर्क और सजग रहने से चालकों को अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की गतिविधियों का पूर्वानुमान लगाने में मदद मिलती है, दुर्घटनाओं की रोकथाम में वाहनों का नियमित और संपूर्ण रखरखाव एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ब्रेक, टायर और लाइट जैसे आवश्यक पुर्जों की नियमित जाँच और निरीक्षण के माध्यम से, चालक संभावित यांत्रिक समस्याओं की पहचान कर सकते हैं और उन्हें गंभीर खराबी में बदलने से पहले ही उनका समाधान कर सकते हैं। व्यापक सड़क सुरक्षा शिक्षा का उद्देश्य ड्राइवरों, पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों सहित सभी सड़क उपयोगकर्ताओं तक पहुँचना होना चाहिए। सड़क सुरक्षा प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, जैसे कि पैदल यात्रियों के लिए निर्दिष्ट क्रॉसिंग बिंदुओं का उपयोग करने का महत्व और विभिन्न सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच परस्पर सम्मान की आवश्यकता, शिक्षा सुरक्षा और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दे सकती है।गति नियंत्रण के प्रभावी उपाय तेज़ गति से होने वाली दुर्घटनाओं के प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक हैं। स्पीड बम्प और रंबल स्ट्रिप्स जैसे भौतिक ढाँचे लगाने से उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में यातायात धीमा करने में मदद मिल सकती है, जबकि रणनीतिक रूप से लगाए गए स्पीड कैमरे एक निवारक और प्रवर्तन उपकरण के रूप में कार्य करते हैं। इसके अतिरिक्त, कानून प्रवर्तन पहलों और जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से गति सीमाओं का सख्ती से पालन, तेज़ गति से चलने वाले व्यवहारों को और हतोत्साहित कर सकता है, शराब या नशीली दवाओं के नशे में गाड़ी चलाने की प्रवृत्ति को कम करने पर केंद्रित शैक्षिक अभियान, नशे में गाड़ी चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नशे में गाड़ी चलाने के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और वैकल्पिक परिवहन विकल्पों तथा निर्धारित ड्राइवरों के बारे में जानकारी प्रदान करके, इन अभियानों का उद्देश्य नशे में गाड़ी चलाने की आदतों को हतोत्साहित करना है। बेहतर सड़क अवसंरचना, जिसमें बेहतर संकेत, सड़क चिह्न और यातायात नियंत्रण उपायों का कार्यान्वयन शामिल है, सड़क उपयोगकर्ताओं को स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करके दुर्घटनाओं में कमी ला सकती है तथा नेविगेशन संबंधी त्रुटियों की संभावना को कम कर सकती है।

कांतिलाल मांडोत

सात योजनाएँ, एक लक्ष्य — वैश्विक मंच पर भारत का उदय

भारत की आर्थिक महत्त्वाकांक्षाओं का प्रतीक, मेक इन इंडिया, एक बार फिर गतिशील सुर्खियों में है। 27 अक्टूबर को, सरकार ने सात नवीन इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग योजनाओं को मंजूरी दी, जो भारत को वैश्विक विनिर्माण का केंद्र बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। यह पहल आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को नई उड़ान दे रही है, जो तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी। 2014 में शुरू हुआ मेक इन इंडिया अब 2025 में नवीन ऊर्जा और संकल्प के साथ उभर रहा है, जो इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भारत की वैश्विक साख को अभूतपूर्व ऊँचाइयों तक ले जाने का वादा करता है। इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन चुका है। ताजा आँकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 38.57 बिलियन डॉलर तक पहुँचा है, और 2030 तक इसके 200-240 बिलियन डॉलर तक पहुँचने की संभावना है। इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम के तहत, सरकार ने 249 प्रस्तावों में से सात को चुना, जो मोबाइल फोन, सेमीकंडक्टर, और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। ये योजनाएँ प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम का हिस्सा हैं, जो कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने और निर्यात को गति देने के लिए आकर्षक वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती हैं। यह कदम न केवल विदेशी निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि स्थानीय विनिर्माण को सशक्त बनाकर भारत को वैश्विक आपूर्ति शृंखला का अभिन्न अंग बनाएगा। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग न केवल आर्थिक प्रगति का पर्याय है, बल्कि यह देश के युवाओं के लिए एक स्वर्णिम भविष्य का द्वार भी खोल रहा है। उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्यों में विनिर्माण इकाइयों का तेजी से विस्तार लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित कर रहा है, जो एक अभूतपूर्व क्रांति का सूचक है। सरकार का स्किल इंडिया मिशन इस दिशा में एक गेम-चेंजर साबित हो रहा है, जो सेमीकंडक्टर डिज़ाइन, सर्किट निर्माण और क्वालिटी कंट्रोल जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें भविष्य के लिए सशक्त बना रहा है। वैश्विक मंच पर भारत का यह कदम एक रणनीतिक मास्टरस्ट्रोक है। जहाँ चीन आपूर्ति शृंखला की जटिलताओं और बढ़ती लागतों से जूझ रहा है, वहीं भारत एक आकर्षक, विश्वसनीय और नवाचार-संचालित विकल्प के रूप में उभर रहा है। हाल ही में, ऐपल ने भारत में अपने आईफोन उत्पादन को 25% तक बढ़ाने की घोषणा की है, जबकि क्वालकॉम और माइक्रोन जैसी दिग्गज कंपनियाँ सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए भारत को प्राथमिकता दे रही हैं। ये पहल न केवल भारत को वैश्विक आपूर्ति शृंखला का एक अपरिहार्य केंद्र बनाएँगी, बल्कि देश को तकनीकी और आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होंगी। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग की यह यात्रा जितनी प्रेरणादायक है, उतनी ही चुनौतियों से भरी भी है। उन्नत बुनियादी ढाँचे, निर्बाध बिजली आपूर्ति और कुशल कार्यबल की आवश्यकता इस क्षेत्र की प्रगति के लिए अपरिहार्य है।

हालाँकि भारत ने बुनियादी ढाँचे में उल्लेखनीय प्रगति की है, फिर भी बिजली कटौती और लॉजिस्टिक्स की बाधाएँ कुछ क्षेत्रों में रुकावट बनकर सामने आती हैं। सेमीकंडक्टर जैसे उच्च तकनीकी क्षेत्रों में विदेशी तकनीक पर निर्भरता एक और बड़ी चुनौती है। इन बाधाओं को पार करने के लिए सरकार ने सेमीकंडक्टर मिशन के तहत 76,000 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी योजनाएँ शुरू की हैं, जो भारत को आत्मनिर्भरता की राह पर ले जाने का दृढ़ संकल्प रखती हैं। यह न केवल एक आर्थिक अवसर है, बल्कि एक ऐसी तकनीकी क्रांति है, जो नवाचार और रोजगार सृजन के माध्यम से भारत को वैश्विक नेतृत्व की ऊँचाइयों तक पहुँचाएगी। इन योजनाओं का सामाजिक प्रभाव गहन और परिवर्तनकारी है, जो भारत के सामाजिक ताने-बाने को नया रंग और आयाम दे रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में विनिर्माण इकाइयों की स्थापना स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को नई गति और समृद्धि प्रदान कर रही है। उत्तर प्रदेश के नोएडा और ग्रेटर नोएडा जैसे क्षेत्र अब इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के चमकते सितारे बन चुके हैं, जो स्थानीय युवाओं को रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान कर रहे हैं।

विशेष रूप से, इन कारखानों ने महिलाओं की भागीदारी को अभूतपूर्व रूप से बढ़ाया है। हाल के एक सर्वेक्षण के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में कार्यरत 30% कर्मचारी महिलाएँ हैं, जो लैंगिक समानता की दिशा में भारत की प्रगति का एक प्रेरक और शक्तिशाली प्रतीक है। यह पहल न केवल आर्थिक विकास को बल दे रही है, बल्कि सामाजिक समावेशिता और सशक्तिकरण के नए युग की शुरुआत कर रही है। पर्यावरणीय दृष्टिकोण से, इन योजनाओं को लागू करते समय सजगता और जवाबदेही सर्वोपरि है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण से उत्पन्न होने वाला ई-वेस्ट एक गंभीर चुनौती है, क्योंकि भारत वर्तमान में प्रतिवर्ष 3.2 मिलियन टन ई-वेस्ट उत्पन्न कर रहा है, और यह आँकड़ा तेजी से बढ़ने की आशंका है। सरकार ने ई-वेस्ट प्रबंधन नियमों को कड़ा करने का दृढ़ संकल्प दिखाया है, परंतु इस दिशा में और अधिक ठोस और प्रभावी कदमों की आवश्यकता है। नई योजनाओं में हरित प्रौद्योगिकी, रीसाइक्लिंग और टिकाऊ प्रथाओं पर बल देकर पर्यावरणीय संतुलन को सुनिश्चित किया जा सकता है। यह न केवल भारत के हरे भविष्य की नींव रखेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर टिकाऊ विकास का एक प्रेरक मॉडल भी प्रस्तुत करेगा। मेक इन इंडिया का यह नवीन जोश केवल आर्थिक प्रगति का प्रतीक नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक पहचान को अभूतपूर्व आयाम देने वाला एक ऐतिहासिक कदम है। इन सात योजनाओं के माध्यम से, भारत न केवल इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में अपनी स्थिति को अडिग करेगा, बल्कि तकनीकी नवाचार और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में विश्व के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरेगा। यदि पारदर्शिता और दृढ़ निष्ठा के साथ इनका कार्यान्वयन किया गया, तो यह कदम भारत को वैश्विक मंच पर एक नई ऊँचाई प्रदान करेगा, जहाँ वह एक तकनीकी और आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित होगा। आने वाले वर्षों में, ये योजनाएँ भारत की अर्थव्यवस्था, समाज और वैश्विक छवि पर एक स्वर्णिम अध्याय अंकित करेंगी। यह न केवल विनिर्माण को अभूतपूर्व गति देगा, बल्कि भारत के युवाओं को उनके सपनों को साकार करने का एक सशक्त मंच प्रदान करेगा। मेक इन इंडिया अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल और आत्मनिर्भर भविष्य की मजबूत नींव है। यह कदम, निस्संदेह, भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर करेगा, जहाँ नवाचार, समावेशिता और टिकाऊ विकास मिलकर देश को एक नई दिशा और पहचान देंगे।

प्रो. आरके जैन

अगर सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते

इतिहास में 'अगर' शब्द अपनी अपार संभावनाओं से युगों को झकझोर देता है। राष्ट्र-निर्माण के संदर्भ में भी एक प्रश्न सतत भारतीयों के मन में गूंजता रहता है कि यदि सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के प्रथम प्रधानमंत्री होते, तो राष्ट्र की दिशा और दशा कैसी होती?वस्तुतः यह केवल कल्पना नहीं, बल्कि इतिहास की संभावनाओं की गंभीर पड़ताल है। लौह संकल्प के निर्माता सरदार पटेल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के उन महामानवों में थे जिन्होंने तलवार नहीं, बल्कि संगठन-शक्ति, दृढ़ इच्छाशक्ति और अद्वितीय प्रशासनिक दृष्टि एवं क्षमता से भारत के भूगोल और चेतना का पुनर्निर्माण किया। ÷लौहपुरुष÷ उपाधि केवल उनकी कठोरता का नहीं, बल्कि अनुशासित व्यवहार और निर्णयात्मक नेतृत्व का प्रतीक थी।उन्होंने लगभग 562 रियासतों को भारतीय संघ में सम्मिलित कर यह सिद्ध कर दिया कि राजनीतिक इच्छाशक्ति जब राष्ट्रीय उद्देश्य से प्रेरित हो, तो असंभव भी संभव हो जाता है। मेरा ऐसा मानना है कि यदि सरदार पटेल भारत के प्रथम प्रधानमंत्री होते, तो भारत का संघीय ढाँचा और भी संयमित एवं सुदृढ़ होता। हैदराबाद, जूनागढ़ और कश्मीर जैसे जटिल प्रश्नों को जिस निर्णायकता से उन्होंने गृह मंत्री रहते हुए सुलझाया, उसी दृष्टि से वे सीमांत समस्याओं विशेषकर पाकिस्तान, तिब्बत और पूर्वोत्तर सीमा के लिए प्रारंभिक स्तर पर कठोर और व्यावहारिक नीतियाँ अपनाते। संभवतः राज्य बनाम केंद्र का संघर्ष जिस रूप में बाद के दशकों में उभरा, उसकी तीव्रता बहुत कम होती।शासन में अनुशासन और उत्तरदायित्व चरम पर होता।

वास्तव में आदरणीय पटेल जी अपने समय के सर्वाधिक व्यावहारिक प्रशासक थे। उन्होंने स्वतंत्र भारत की भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा की स्थापना सुनिश्चित की ताकि नवगठित भारत को एक अनुभवी, निष्पक्ष और राष्ट्रनिष्ठ नौकरशाही मिल सके। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो शासन-तंत्र में 'कर्तव्य अनुशासन' सर्वोच्च पर होता। निर्णय क्षमता और क्रियान्वयन का संतुलन स्थापित होता। "कम योजनाएँ, अधिक परिणाम" ध्येय बनता। पटेल जी की अंतरराष्ट्रीय दृष्टि आदर्शवाद से नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वाभिमान की व्यावहारिकता से प्रेरित थी। 1949 में ही उन्होंने नेहरू को पत्र लिखकर चेताया था कि "चीन की नीति पर भरोसा करना भविष्य में महँगा साबित होगा।" यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो शायद भारत की विदेश नीति "भारत पहले" के सिद्धांत पर आधारित होती। पंचशील के आदर्श सिद्धान्त के स्थान पर वे सामरिक तैयारी और सीमा सुरक्षा को प्राथमिकता देते। सम्भवतः 1962 का चीन युद्ध या तो टल जाता, या भारत उससे कहीं अधिक सामरिक तैयारी के साथ लड़ता। किसान-पुत्र होने के नाते पटेल जी भलीभाँति जानते थे कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो कृषि-सुधार और ग्रामीण स्वावलंबन आर्थिक नीति का अभिन्न अंग बनते। वे निजी क्षेत्र और सहकारिता के बीच संतुलन स्थापित करते। केंद्रीकृत योजना व्यवस्था के स्थान पर वे उत्पादन बढ़ाने में जन-सहभागिता को महत्व देते। संभवतः "आत्मनिर्भर भारत" का विचार उसी दौर में नीति का मूल दर्शन बन जाता। इतना ही नहीं पटेल जी संविधान सभा में व्यवहारिक और स्पष्ट चिंतन के पक्षधर थे। वे लोकतंत्र को केवल मताधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य-शासन मानते थे। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो राजनीतिक दलों में वैचारिक अनुशासन और राष्ट्रहित सर्वोच्च मूल्य होता। गुटबाजी और व्यक्तिगत सत्ता-लालसा को वे प्रारंभ में ही नियंत्रित कर लेते, जिससे शासन-सातत्य और नीति-स्थिरता अधिक मजबूत होती। पटेल जी की धर्मनिरपेक्षता भारतीय परंपरा की समन्वय भावना पर आधारित थी जिसमें सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर अग्रसर माने जाते हैं। वे धार्मिक सहिष्णुता को जीवन-मूल्य मानते थे, किंतु राष्ट्रहित के प्रतिकूल उग्र या विभाजनकारी आग्रहों को कभी सहन नहीं करते। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो भारत की धर्मनिरपेक्षता सांस्कृतिक समरसता पर अधिक आधारित होती, न कि पश्चिमी निरपेक्षता के आयातित मॉडल पर। निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि यह भारत का दुर्भाग्य ही था कि उसे सरदार पटेल जैसा कर्मनिष्ठ राष्ट्रशिल्पी प्रधानमंत्री के रूप में नहीं मिल सका। यदि वे होते, तो भारत की नींव अधिक मजबूत, सीमाएँ अधिक सुरक्षित, शासन अधिक अनुशासित और आर्थिक नीति अधिक स्वावलंबी होती। इतिहास बदल नहीं सकता, पर उससे दिशा ली जा सकती है। आज जब भारत "विकसित राष्ट्र" की राह पर अग्रसर है, तब पटेल का सन्देश हमें स्मरण कराता है कि "एकता ही शक्ति है; और राष्ट्रहित से बढ़कर कोई स्वार्थ नहीं।"

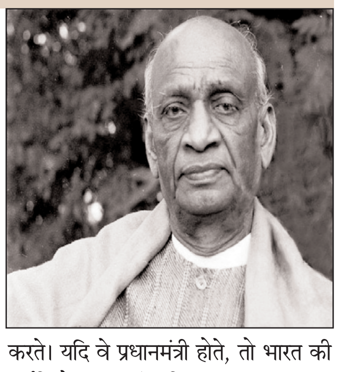

डा.मनमोहन प्रकाश

नन्हे बच्चों के कुपोषण से जुड़े प्रश्न चिन्ह

देश का भविष्य अल्प-पोषित ना हो।

बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे मूल्यवान संपत्ति होते हैं, क्योंकि वही आने वाले कल के नागरिक, निर्माता और राष्ट्र के सशक्त स्तंभ बनते हैं। किंतु यदि वही बच्चे कमजोर, कुपोषित और अविकसित रह जाएँ, तो सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की कल्पना मात्र भ्रम बनकर रह जाएगी। आज भारत में बच्चों का कुपोषण और बाल विवाह जैसी सामाजिक विसंगतियाँ देश के विकास पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े कर रही हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार भारत में पाँच वर्ष से कम आयु के लगभग 18.7% बच्चे गंभीर रूप से "वेस्टिंग" यानी तीव्र कुपोषण के शिकार हैं, जो विश्व में सबसे अधिक दरों में से एक है। यूनिसेफ की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि भारत के लगभग हर चौथे बच्चे को गंभीर खाद्य गरीबी का सामना करना पड़ता है। इसका अर्थ यह है कि 25% बच्चों को विविध और पोषक आहार उपलब्ध नहीं हो पाता। ऐसे बच्चे न केवल कमजोर शरीर लेकर बड़े होते हैं बल्कि मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से भी पिछड़ जाते हैं। यह स्थिति भविष्य के नागरिकों की गुणवत्ता और देश की कार्यक्षमता दोनों को प्रभावित करती है। कुपोषण की जड़ें केवल भोजन की कमी में नहीं, बल्कि असमान संसाधन वितरण, गरीबी, शिक्षा की कमी और सरकारी-सामाजिक तंत्र की कमजोर समन्वय नीति में भी छिपी हैं। भारत सरकार द्वारा पोषण अभियान, मिड-डे मील, आंगनवाड़ी केंद्रों और मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से प्रयास अवश्य किए जा रहे हैं, परंतु परिणाम अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पा रहे। सवाल यह उठता है कि जब अरबों रुपये स्वास्थ्य और विकास योजनाओं पर खर्च किए जा रहे हैं, तो फिर भी बच्चे क्यों कुपोषित हैं? जवाब स्पष्ट है – योजनाओं की जमीनी निगरानी और जनसहभागिता का अभाव। कुपोषण के समानांतर बाल विवाह की समस्या भी उतनी ही गंभीर है। 2006 में बाल विवाह निषेध अधिनियम लागू होने के बावजूद, यूनिसेफ के अनुसार भारत में आज भी लगभग 23% महिलाएँ 18 वर्ष की आयु से पहले विवाह के बंधन में बंध जाती हैं। दक्षिण के शिक्षित राज्य कर्नाटक और तमिलनाडु भी इस सूची में शीर्ष पर हैं। यह विडंबना दर्शाती है कि केवल शिक्षा की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं, बल्कि समाज में मानसिक-सांस्कृतिक जागरूकता आवश्यक है। बाल विवाह न केवल एक लड़की की शिक्षा और आत्मनिर्भरता छीन लेता है, बल्कि उसके शारीरिक और मानसिक विकास को भी बाधित करता है। गर्भधारण के दौरान कुपोषण और स्वास्थ्य-जोखिम बढ़ जाता है, जो अगले पीढ़ी तक दुर्बलता को पहुँचाता है। सामाजिक संगठनों और गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। "अक्षय पात्र फाउंडेशन" जैसे संगठनों ने स्कूल मध्याह्न भोजन योजना के माध्यम से लाखों बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया है। "सेव द चिल्ड्रन", "स्माइल फाउंडेशन" और "चाइल्डलाइन" जैसी संस्थाएँ पोषण, शिक्षा और बाल-सुरक्षा के क्षेत्र में जागरूकता अभियान चला रही हैं। किंतु केवल कुछ संगठनों के प्रयास पर्याप्त नहीं – आवश्यकता है एक व्यापक सामाजिक आंदोलन की, जहाँ हर नागरिक अपनी भूमिका को समझे और समाज अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करे। कुपोषण और बाल विवाह की समस्या एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी है। जब कोई बच्ची अल्पायु में विवाह करती है, तो उसका शारीरिक विकास अधूरा रहता है, गर्भावस्था में उसे उचित पोषण नहीं मिल पाता और जन्म लेने वाला बच्चा भी कमजोर होता है। इस प्रकार कुपोषण का चक्र पीढ़ी दर पीढ़ी चलता जाता है। इसे तोड़ने के लिए सरकार, समाज और नागरिक–सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। आज समय है कि पोषण और शिक्षा को केवल सरकारी योजनाओं का हिस्सा न मानकर सामाजिक दायित्व बनाया जाए। स्कूलों, पंचायतों और आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण-जागरूकता के केंद्रों में बदला जाए। स्थानीय स्तर पर पोषण-समिति बनाकर बच्चों के आहार, स्वास्थ्य जांच और विकास की नियमित निगरानी की जाए। माता-पिता को भी यह सिखाना होगा कि बच्चे को केवल पेट भरना पर्याप्त नहीं, बल्कि पौष्टिक आहार देना आवश्यक है। भारत के लिए यह चिंताजनक है कि वैश्विक भूख सूचकांक में 2024 में वह 125 देशों में 111वें स्थान पर पहुँच गया, जबकि पड़ोसी बांग्लादेश और नेपाल इससे आगे हैं। यह संकेत है कि यदि हमने बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर समुचित ध्यान नहीं दिया, तो आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक स्वास्थ्य दरकता जाएगा। समाधान केवल सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जनजागरूकता, महिला सशक्तिकरण, स्थानीय भागीदारी और सामुदायिक पहल के बिना यह जंग अधूरी है। कुपोषण और बाल विवाह जैसे मुद्दे केवल आंकड़े नहीं, बल्कि उन नन्हीं आँखों का सवाल हैं जिनमें कल का भारत झलकता है। यदि हम आज इन बच्चों को सशक्त, शिक्षित और पोषित नहीं बना सके, तो कल का भारत दुर्बल और दिशाहीन होगा। इसलिए यह समय है कि हर घर, हर विद्यालय और हर समुदाय में यह संकल्प लिया जाए – "कोई बच्चा कुपोषित नहीं, कोई बाल विवाह नहीं।" तभी भारत का भविष्य वास्तव में उज्ज्वल कहलाएगा।

संजीव ठाकुर

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उप्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

गोपाष्टमी पर्व पर गौ माता का किया गया पूजन

देवरिया। जनपद के विकास खंड बैतालपुर अंतर्गत बलटिकरा गौआश्रय पर गोपाष्टमी पर्व के अवसर पर गोपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह से ही गौआश्रय परिसर की साफ-सफाई की गई तथा गुब्बारों और फूलों से आकर्षक सजावट की गई। इस अवसर पर पशु चिकित्साधिकारी डॉ. दिग्विजय यादव ने विधि-विधानपूर्वक गोपूजन किया और सभी गौवंशों को गुड़, चना एवं केला खिलाया। उन्होंने उपस्थित समाजसेवियों और ग्रामीणों से अपील की कि गौआश्रय में भूसा, दाना और हरा चारा आदि का दान कर गौसेवा में सहभागी बनें। पशुधन प्रसार अधिकारी निशाकांत तिवारी ने बताया कि शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को गोपाष्टमी पर्व मनाया जाता है। यह पर्व दो कारणों से महत्वपूर्ण है – पहला, जब भगवान श्रीकृष्ण पहली बार गौचारण के लिए निकले थे, और दूसरा, गोवर्धन पूजा के सातवें दिन जब इंद्रदेव ने पराजय स्वीकार कर भगवान कृष्ण का अभिषेक किया था। इस दिन गायों, बछड़ों और भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजा की जाती है। कार्यक्रम में सुभाष चंद्र, सोनू राजभर, तारकनाथ सहित कई स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

गन्ने के मूल्य में 30 रूपये प्रति कुंतल की बढ़ोतरी किसानों की उम्मीदों के अनुरूप नहीं

देवरिया। प्रदेश सरकार द्वारा गन्ने के मूल्य में ?30 प्रति कुंतल की बढ़ोतरी की गई है, जो स्वागत योग्य कदम अवश्य है, परंतु यह बढ़ोतरी किसानों की वास्तविक अपेक्षाओं और बढ़ती उत्पादन लागत के अनुपात में अपर्याप्त है। डीजल, खाद, बीज, मजदूरी और परिवहन लागत में लगातार वृद्धि के बावजूद केवल ?30 की वृद्धि से किसानों को अपेक्षित राहत नहीं मिल पाएगी। गन्ने का मूल्य कम से कम ?450 प्रति कुंतल निर्धारित किया जाना चाहिए, जिससे किसान अपने परिवार के भरण-पोषण एवं खेती-किसानी को सम्मानपूर्वक संचालित कर सकें। सरकार को चाहिए कि वह किसानों की जमीन की सच्चाई और उनकी मेहनत की वास्तविक कीमत को समझे। गन्ना किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, इसलिए उनका सम्मान और सुरक्षा ही प्रदेश के वास्तविक विकास की पहचान है। भारतीय किसान यूनियन के नेता विनय सिंह ने कहा कि भाकियू किसानों की आवाज को सशक्त रूप से उठाती रहेगी और आवश्यक हुआ तो आंदोलनात्मक संघर्ष को भी तेज किया जाएगा।

दोपहिया वाहन से 8 पेटी देशी शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम तथा अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में श्रीरामपुर पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई। श्रीरामपुर पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर मिश्रौली कुर्मी टोला गांव के बाहर स्थित प्राइमरी स्कूल के पास से एक दोपहिया वाहन संख्या BR29AS8367 सही रजिस्ट्रेशन संख्या BR28A8543 से बिहार ले जाई जा रही कुल 8 पेटी देशी शराब (ब्रांड - बंटी बबली) बरामद की गई। मौके से अभियुक्त सनीस कुमार भगत पुत्र किशुन देव भगत, निवासी खलवा, थाना नौतन, जिला सीवान (बिहार) को गिरफ्तार किया गया। बरामद शराब एवं वाहन को कब्जे में लेते हुए श्रीरामपुर पुलिस द्वारा मु.अ.सं. 196/2025, धारा 317(2), 341(4) बीएनएस एवं धारा 60, 72 उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत केस दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

भूतपूर्व सैनिक ने लगाई न्याय की गुहार

चित्रकूट- राजापुर तहसील क्षेत्र के भंभेट गांव के निवासी भूतपूर्व सैनिक रामबहोरी द्विवेदी ने उच्चाधिकारियों को लिख पत्र में बताया है कि उनकी संक्रमणीय भूमि (गाटा संख्या 1439) पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। बताया कि भूमि से संबंधित यह विवाद में 14 वर्ष पूर्व की रजिस्ट्री से जुड़ा है, जो अभी न्यायालय में विचाराधीन है। बताया कि विरोधी पक्ष द्वारा उन्हें दबाव और धमकी दी जा रही है। उन्होंने मांग की कि विवाद का निपटारा कानूनी तरीके कराया जाए।

चौरी चौरा क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के पास मिला 22 वर्षीय युवक का शव, हत्या की आशंका, इलाके में सनसनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर- जिले के चौरीचौरा थाना क्षेत्र डुमरी खुर्द गांव के पास बुधवार की सुबह रेलवे ट्रैक के किनारे एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 22 वर्षीय रामबाबू पुत्र शिव नारायण निवासी अमहिया आबादी टोला थाना झंगहा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही चौरीचौरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह करीब छह बजे जब ग्रामीण शौच के लिए निकले तो रेलवे ट्रैक के पास झाड़ियों के बीच युवक का शव पड़ा देख दंग रह गए। सूचना पाकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए और इसकी खबर पुलिस को दी। थोड़ी ही देर में चौरीचौरा थाने से पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। मृतक के शरीर पर चोट के निशान पाए जाने की सूचना है, हालांकि पुलिस ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि मामला हत्या का है या आत्महत्या का। पुलिस के अनुसार मौके से किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है, और युवक के परिजनों को सूचना देकर बुला लिया गया है।

परिजनों ने बताया कि रामबाबू मंगलवार की शाम घर से किसी काम के लिए निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। उन्होंने रात भर उसकी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सुबह पुलिस से सूचना मिलने पर परिजन चौरीचौरा पहुंचे, जहां शव देखकर उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। थाना प्रभारी चौरीचौरा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की सटीक जानकारी मिल सकेगी। पुलिस ने कहा कि जांच के सभी पहलुओं पर काम किया जा रहा है और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की भी जांच कराई जाएगी। घटना के बाद से क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से इलाके में असामाजिक तत्वों की गतिविधियां बढ़ी हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल है। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और जल्द ही घटना का खुलासा करने का आश्वासन दिया है।

पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि संग बालभोज व वृक्षारोपण, स्व. कैलाशी देवी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार- (गोरखपुर गोला तहसील क्षेत्र के ग्राम सिधारी स्थित आर.एम. पब्लिक स्कूल परिसर में मंगलवार को एक भावनात्मक माहौल में स्व. कैलाशी देवी (विद्यालय की संरक्षिका एवं वरिष्ठ पत्रकार रमाशंकर यादव की माता) की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा, वृक्षारोपण और बालभोज का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्रांतिकारी पत्रकार परिषद् के प्रदेश प्रभारी बृजनाथ तिवारी तथा वित्तविहीन विद्यालय प्रबंधक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा ने स्व. कैलाशी देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन समर्पित किया। दोनों अतिथियों ने कहा कि–

> "धरा पर जो आया है उसे एक दिन जाना है, लेकिन यदि उसके जाने के बाद उसकी पीढ़ी उसे याद करे, तो यह उसके जीवन की सच्ची सफलता है। माता-पिता हमारे जीवन के प्रथम गुरु हैं और उनकी स्मृति को संजोना समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है।"

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में दशहरी आम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। अतिथियों ने कहा कि वृक्षारोपण, माता-पिता की स्मृति को अमर बनाए रखने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। श्रद्धांजलि सभा के उपरांत बालभोज का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। वातावरण में भक्ति और भावनाओं की सुगंध घुल गई। इस अवसर पर क्रांतिकारी पत्रकार परिषद् के जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्र यादव, पत्रकार पद्माकर मिश्रा, सलीम अख्तर, राजेश दीक्षित, प्रदीप मिश्रा, आदित्य यादव, विशंभर यादव, राजेंद्र यादव, धर्मेंद्र यादव, टिंकू यादव, विकेश, रितेश, आर्यन गौड़, शुभम शर्मा, अंकुर पांडेय सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ग्रामोदय गौशाला में कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने किया सपरिवार गौपूजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट- गोपाष्टमी की पावन तिथि पर आज महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने पूरी श्रद्धा के साथ ग्रामोदय विश्वविद्यालय की गौशाला में सपरिवार पहुंच कर वैदिक विधि से गोपूजा और अर्चना की। प्रो मिश्रा ने इस मौके पर गौशाला की गायों और गोवंशो को अपनी घरेलू रसोई में तैयार पूड़ी, कचौड़ी, सब्जी, गुड, खोए के लडडू आदि खिलाए। प्रो मिश्रा ने ग्रामोदय गौशाला में पल रही गायों, बछिया, बैलों, बछड़ों को दुलारते हुए अपना आत्मीय गौ प्रेम प्रकट किया। इस कार्यक्रम का संयोजन कर रहे गौशाला के प्रभारी डॉ उमेश कुमार शुक्ला ने कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा के सपरिवार आगमन पर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने अपने व्याख्यान में कहा कि गोपाष्टमी महत्वपूर्ण त्योहार है, जो भगवान श्रीकृष्ण की गोचारण लीला से जुड़ा है। इस दिन गायों की पूजा और सेवा करने से सुख, समृद्धि और पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने गोपाष्टमी मनाए जाने के महत्व और औचित्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गोपाष्टमी के दिन गायों की पूजा की जाती है। गाय के शरीर में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास माना जाता है, इसलिए उनकी पूजा करने से सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। गोपाष्टमी के दिन गायों की पूजा और सेवा करने से घर में सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य बढ़ता है। गोपाष्टमी के दिन गायों की पूजा और सेवा करने से पापों का नाश होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है। प्रो मिश्रा ने गोसेवा का महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि इस दिन गायों को चारा, पानी और अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रदान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है।इस अवसर पर कृषि संकाय के शिक्षक, कर्मचारी और गौशाला स्टाफमौजूद रहा।

कोहरे की आशंका के चलते नहीं चलेंगी ये 20 ट्रेनें, रेलवे प्रशासन ने लिया फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। रेलवे प्रशासन (Indian Railways schedule) ने ठंडक शुरू होते ही कोहरे (फॉग) की आशंका को देखते हुए 20 ट्रेनों के संचालन पर रोक लगा दी है। ये एक दिसंबर से 25 फरवरी 2026 तक निरस्त रहेंगी और कुछ को 12 व 26 दिन के लिए रद किया गया। गोरखपुर से आनंद विहार के बीच चलने वाली हमसफर,भागलपुर जम्मू तवी गोरखपुर से आनंद विहार एक्सप्रेस समेत 10 ट्रेनों के संचालन को दो दिसंबर से 15 फरवरी 2026 तक रद्द कर दिया गया है। काठगोदाम से वाया गोंडा होकर हावड़ा जाने वाली बाघ एक्सप्रेस को दिसंबर, जनवरी व फरवरी 2026 तक प्रत्येक मंगलवार नहीं चलेगी। काठगोदाम जाने वाली एक्सप्रेस को दिसंबर, जनवरी व फरवरी के रविवार को नहीं चलेगी। ग्वालियर-बरौनी मेल का संचालन दिसंबर, जनवरी व फरवरी 2026 के प्रत्येक सोमवार व बृहस्पतिवार बंद रहेगा। ग्वालियर से बरौनी को भी इस अवधि में मंगलवार व शुक्रवार को निरस्त रहेगी। पाटिल पुत्र व हमसफर ट्रेन के संचालन भी प्रभावित रहेगा। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य परिचालन प्रबंधक पीके अस्थाना ने बताया कि दिसंबर से शुरू होने वाले फाग मौसम को देखते हुए ट्रेनों के फेरो मे कटौती की गई है।

जौनपुर में मादक पदार्थ बनाने के अड्डे का राजफाश, अंतरप्रांतीय गिरोह से जुड़े पिता व दो पुत्र गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जौनपुर। संयुक्त पुलिस टीम ने सोमवार की रात बरसठी थाना के पाली गांव में एक घर पर छापेमारी कर अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए बनाने के अड्डे का राजफाश किया। इस अंतरप्रांतीय गैरकानूनी धंधे में लिप्त व्यक्ति व उसके दो पुत्रों को गिरफ्तार कर लिया। अड्डे से पुलिस को 300 ग्राम एमडीएमए, बनाने में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियां, नकद 1.10 लाख रुपये, उपकरण व कार मिली। एसपी डा. कौस्तुभ ने गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली टीम को 10 हजार रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की। दावा किया कि बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग एक करोड़ रुपये है। मंगलवार की दोपहर एसपी डा. कौस्तुभ व सीओ परमानंद कुशवाहा ने पुलिस लाइन में पत्रकारों को बताया कि बरसठी थाना, स्वाट, गामा व एसओजी की संयुक्त टीम ने मिले सुराग पर रात करीब 10 बजे पाली गांव निवासी संतोष तिवारी के घर पर छापेमारी की।

एमडीएमए का निर्माण कर रहे संतोष तिवारी व उसके पुत्रों अभीत तिवारी व अंकित तिवारी को गिरफ्तार कर लिया। अड्डे से 300 ग्राम एमडीएमए के अलावा बनाने में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियां एक किलो लोवा पाउडर, डेढ़ किलो कास्टिक सोडा, छह किलो ब्लैक पेपर, 500 ग्राम सफेद रैपर, तौलने के लिए रखा इलेक्ट्रानिक तराजू, 1.10 लाख रुपये नकद व स्विफ्ट डिजायर कार बरामद हुई। पूछताछ में पता चला कि इस समय गिरोह का सरगना अभीत तिवारी है। वह गत एक मार्च को हरियाणा के गुरुग्राम में एमडीएमए के साथ गिरफ्तार हो चुका है। गिरोह के अन्य सदस्य संदीप तिवारी, घनश्याम सरोज, लवी शंकर मिश्र व संजय सिंह अभी जेल में निरुद्ध हैं। अभीत तिवारी ने स्वीकार किया कि उसे एमडीएमए बनाने के फार्मूले की जानकारी उसके बाबा केमिकल इंजीनियर संदीप तिवारी ने दी थी।

3 पुस्तकों का विमोचन आज

रूद्रपुर, देवरिया। तहसील क्षेत्र के नारायणपुर निवासी सेवानिवृत्त आयुक्त डा यशवन्त राव द्वारा लिखित तीन पुस्तकों का विमोचन गुरुवार को स्थानीय रामजी सहाय पीजी कॉलेज में होगा। डा राव अपने सेवा काल में विभिन्न पदों के अलावा बलिया व सहारनपुर के डीएम तथा मुरादाबाद के कमिश्नर भी रह चुके हैं। उन्होंने हंसतीर्थ रूद्रपुर,1857 एवं गोरखपुर तथा लेखन कला एवं गोरखपुर नामक तीन पुस्तकें लिखी हैं जिन्हें विमोचन के बाद पाठकों को समर्पित किया जायेगा। उक्त सूचना कालेज के प्राचार्य डॉ ब्रजेश पाण्डेय ने दी।

अपर पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में कार्यशाला आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। पुलिस लाइन के प्रेक्षागृह में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनन्द पाण्डेय की अध्यक्षता में एक दिवसीय साइबर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त साइबर सेल के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के संचालन एवं साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों के प्रभावी निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना था। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी ने अधिकारियों को साइबर अपराध की बदलती प्रवृत्तियों, आमजन को जागरूक करने के उपायों तथा त्वरित कार्यवाही के लिए तकनीकी ज्ञान के प्रयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत पंजीकरण, जांच की प्रक्रिया, डिजिटल साक्ष्य संकलन, बैंकिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया अपराध एवं ऑनलाइन ठगी जैसे मामलों के प्रभावी समाधान हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जांच के लिए समयबद्ध, तकनीकी रूप से सक्षम कार्यप्रणाली अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को अपने-अपने थानों में लागू करें तथा थाना क्षेत्र में अधिकाधिक जनजागरूकता अभियान भी संचालित करें, जिससे नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग किया जा सके। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर संजय रेड्डी, जनपद के विभिन्न थानों के साइबर सेल प्रभारी सहित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

पीपीगंज थानाध्यक्ष लाइन हाजिर, अरुण कुमार बने नए प्रभारी निरीक्षक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर- जिले के पीपीगंज क्षेत्र में बीते दिनों दो पक्षों के बीच हुए विवाद और पनियरा इलाके में चली गोलीबारी की घटना के बाद गोरखपुर पुलिस प्रशासन पर सवालों की बौछार हो गई है। घटना ने न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया, बल्कि क्षेत्रीय पुलिस की भूमिका को लेकर भी गंभीर चर्चा छेड़ दी। इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर राज करन नय्यर ने सख्त कार्रवाई करते हुए थाना पीपीगंज के प्रभारी निरीक्षक प्रभुदयाल सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, पनियरा के अकटहवा पुल के पास हुए विवाद में गोली चलने और कई लोगों के घायल होने की घटना के दौरान पुलिस की प्रतिक्रिया बेहद धीमी रही। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि सूचना देने के बावजूद पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंची, जिसके चलते स्थिति बिगड़ती चली गई। मामले की जांच में यह बात सामने आई कि थाना पीपीगंज पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और क्षेत्र में बढ़ते तनाव को रोकने के लिए आवश्यक कदम नहीं उठाए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि पुलिस अधिकारियों को जनता की सुरक्षा और शांति व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी, अन्यथा कार्रवाई तय है। एसएसपी ने निरीक्षण और रिपोर्ट के आधार पर प्रभुदयाल सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया और उनके स्थान पर उप निरीक्षक अरुण कुमार को पीपीगंज थाना प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। नए थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया है कि वे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बहाल करें और अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। स्थानीय जनता ने इस कार्रवाई का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि नए प्रभारी के नेतृत्व में क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली में सुधार देखने को मिलेगा। वहीं, पुलिस महकमे में यह कार्रवाई चर्चा का विषय बनी हुई है और इसे एसएसपी की सख्त प्रशासनिक नीति का एक और उदाहरण बताया जा रहा है।

भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं को सुनकर मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट- जिला मुख्यालय के बल्दाऊ गंज में चल रही श्रीमदभागवत कथा के पांचवे दिन बुधवार को कथा व्यास आचार्य अनुराग शास्त्री महराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान ने मिट्टी खा कर मिट्टी को शुद्ध किया तथा कलिया नाग को मान मर्दन कर जल तत्व को शुद्ध किया। भागवताचार्य अनुराग शास्त्री महराज ने कहा कि जब-जब संसार मे अत्याचार बढ़ता है। तभी अधर्म को समाप्त करने के लिए भगवान जन्म लेकर धर्म की स्थापना करके वेद, शास्त्र, संतो, महापुरषो की रक्षा करते है। जन्म-जन्मांतर, कल्प-कल्पांतर, युगांतर के वरदानो को सत्य करने के लिए द्वापर के अंत मे लीला पुरषोत्तम बिहारी श्रीकृष्ण का अवतार हुआ। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं जीव को आनदमग्न कर उसके जीवन को उत्साहो से परिपूर्ण करती है। कहा कि जो तन्मयता का दान करें, उसी का नाम लीला है। श्री कृष्ण की प्रत्येक लीलाओं मे आत्मदर्शन भरा है। गोपियों के विशुद्ध मन को चुराना ही माखन चोरी लीला है। हर एक इन्द्रियों से जो श्री कृष्ण रस का पान करती है, उन्हीं का नाम गोपी है। उन्होंने गिरिराज गोवर्धन का तात्विक विवेचन करते हुए कहा कि जो इन्द्रियों का वर्धन करें, उसी का नाम गोवर्धन है। श्रीकृष्ण गोवर्धन पूजा करा कर प्रकृति पूजा का संदेश देते है। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा कथा पांडाल गूंज उठा। इस मौके पर भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार याज्ञिक, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, कंचन लता श्रीवास्तव, व्यापारी नेता लक्ष्मी केसरवानी, छोटू बड़गइयां, सोनू गुप्ता, अखिलेश श्रीवास्तव, उमेश कुमार श्रीवास्तव, आदित्य कुमार श्रीवास्तव, अरुण कुमार श्रीवास्तव, ललित श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, मान्या श्रीवास्तव, दिव्य श्रीवास्तव, मुख्य यजमान रामआसरे श्रीवास्तव, सावित्री श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

भारतीय दंत चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए भारत तथा इंग्लैंड के दंत चिकित्सक करेंगे मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट- दीनदयाल शोध संस्थान, इंडियन डेंटल एसोसिएशन-यूके तथा सेवा-यूके के संयुक्त तत्वावधान में 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक चित्रकूट में "दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बदलते प्रतिमानः नवोन्मेष एवं उनके आगे का भविष्य" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन का शुभारंभ 31 अक्टूबर को दीनदयाल परिसर के विवेकानन्द सभागार में भारतीय दंत चिकित्सा संघ के सचिव डॉ अशोक ढोबले द्वारा किया जाएगा।

आरोग्यधाम दंत चिकित्सा विभाग के प्रभारी डॉ वरुण गुप्ता ने बताया कि इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य दंत चिकित्सा में उच्चतम अंतर्राष्ट्रीय मानकों को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित करना है, साथ ही नवीनतम तकनीकों, डिजिटल दंत चिकित्सा, दंत प्रत्यारोपण और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन भी शामिल हैं। वास्तविक दुनिया में प्रभाव पैदा करने वाले उन्नत ज्ञान को जमीनी स्तर पर मौखिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के साथ जोड़ना और दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के अवसरों में ब्रिटेन और भारत के बीच दीर्घकालिक साझेदारी का निर्माण करना है।

तीन दिन तक चलने वाले इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संबंधित विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न तकनीकी सत्रों के माध्यम से अपने पूर्वानुभवों और आगे की रणनीति पर विमर्श होगा। यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भारत तथा इंग्लैंड के वरिष्ठ दंतचिकित्सकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों तथा विषय के छात्रों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है, जहां दंत चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों और इस क्षेत्र में भविष्य की संभावनाओं पर विशेषज्ञ विमर्श करेंगे, साथ ही दंत चिकित्सा क्षेत्र के शोधार्थियों एवं छात्रों के लिए नवाचारों, सेवा, शोध एवं शिक्षा के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के विषय में बहुमूल्य जानकारी पाने का अवसर रहेगा। इस सम्मेलन में विभिन्न तकनीकी सत्रों जिसमें सामान्य दंत चिकित्सा पद्धति में मौखिक कैंसर का शीघ्र पता लगाना, डिजिटल इम्प्लांट डेंटिस्ट्री सौंदर्य और कार्यक्षमता, क्लेफ्ट और बर्न सर्जरी, बच्चों और किशोरों में गंभीर और जटिल आघात के बाद दंत प्रबंधन और स्वतः प्रत्यारोपण के लिए नवीन दृष्टिकोण तथा भारत के इंटीरियर गांवों में मुस्कान और जीवन में परिवर्तन लाने के सकारात्मक प्रयासों पर प्रख्यात दंत एक्सपर्ट द्वारा विमर्श किया जाएगा?। इसमें डॉ अशोक ढोवले, डॉ नरेश शर्मा, डॉ अशोक सेठी, डॉ. सुनयना आर. सरकार, डॉ. पवन बोपन्ना, डॉ संदेश मायेकार, प्रो. मोंटी दुग्गल, डॉ शालू बाथला, डॉ अजीज शेट्टी, डॉ केरी बोपिह, डॉ आशीष गोदरा, डॉ मनु सिंघल, डॉ. वरुण गुप्ता, डॉ बीजू के रामचन्द्रन आदि वरिष्ठ दंत एक्सपर्ट अपने पूर्वानुभवों को विभिन्न तकनीकी सत्रों के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे।

रेलवे के टिकट बुकिंग में हुआ ये कैसा खेल? तीन नाम देख यात्री के उड़े होश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कर्नलगंज (गोंडा)। रेलवे आरक्षण दफ्तर में कर्मचारियों की मिलीभगत से टिकट बुकिंग में खेल किया जा रहा है, इससे जरूरतमंदों को टिकट नहीं मिल पा रहा है। तत्काल कोटे से एक यात्रा टिकट के लिए यात्री के आवेदन करने पर टिकट बनाने वाले लिपिक ने इसी टिकट में तीन अन्य लोगों का भी नाम दर्ज कर दिया गया। विरोध दर्ज कराया तो चुप रहने की सलाह दी गई। यात्री ने रेलवे टिकट वितरण में धांधली का आरोप लगाते हुए टोल फ्री नंबर 139 पर शिकायत दर्ज कराई है। उधर, सीनियर मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। कर्नलगंज बालूगंज निवासी शिवशंकर भट्ट का कहना है कि 28 अक्टूबर को रेलवे स्टेशन टिकट खिड़की पर सुबह छह बजे पहुंचे। तत्काल कोटे से टिकट लेने के लिए लाइन लगाई। फार्म जमा करने के बाद साढ़े आठ बजे आरक्षण दफ्तर के काउंटर पर पहुंचे और गोंडा से मुंबई जाने के लिए तत्काल टिकट का कुशीनगर एक्सप्रेस में आवेदन किया।

सुबह 11 बजे तत्काल कोटे से स्लीपर टिकटों के लिए जब टिकट खिड़की खुली तो पहले उससे नंबर को लेकर झिकझिक की गई कि तुम्हारा तीसरा नंबर है। विरोध दर्ज कराया कि सबसे पहले वह पहुंचा तब उसका टिकट किया गया। मगर वह तब चौंक गया जब उसने टिकट देखा। लखनऊ से छत्रपति साहू जी महाराज टर्मिनल के यात्रा के लिए टिकट पुष्पक एक्सप्रेस से किया गया और एक टिकट की जगह तीन और लोगों की सीट उसी के टिकट पर जोड़ दी। संबंधित बाबू ने उसे सिर्फ अपना किराया देने के लिए कहा और समझाया कि आपने जिस ट्रेन से टिकट मांगा उसमें नहीं मिल पाए और पुष्पक में आपके साथ तीन अन्य व्यक्ति का बना दिया है। इस पर उसने एतराज जताया तो उसे चुप रहने की सलाह दी गई। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन के सीनियर डीसीएम आशुतोष गुप्ता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि जांच में दोषी पाए जाने पर संबंधित आरक्षण लिपिक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

नवीन जैन को समिति का सदस्य नामित किये जाने पर पुष्प गुलदस्ता ओर पटका पहनाकर भव्य स्वागत सम्मान किया गया

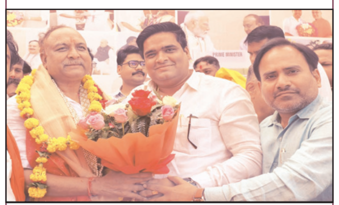

टूण्डला – राज्यसभा सांसद नवीन जैन को राज्यसभा की कार्मिक, लोक शिकायत, विधि एवं न्याय संबंधी समिति का सदस्य नामित किया गया। यह समिति सरकार की प्रशानिक व्यवस्था जन शिकायत निवारण ओर विधिक मामलों की समीक्षा करती हैं इस समिति के अध्यक्ष सांसद बृजलाल है भारत सरकार की समिति का सदस्य बनने जैन समाज ने हर्ष व्यक्त किया। इसी क्रम में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा ब्रज क्षेत्र सचिन जैन ने राज्यसभा सांसद नवीन जैन का पुष्प गुलदस्ता ओर पटका पहनाकर उनका भव्य स्वागत सम्मान किया। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा सचिन जैन ने कहा यह जैन समाज के लिए बड़े हर्ष की बात है कि जैन रत्न राज्यसभा सांसद नवीन जैन को प्रधानमंत्री मोदी ने इस समिति का सदस्य बनाकर विश्वास जताया है जैन समाज नवीन जैन को सदस्य बनाने के लिए शीर्ष नेतृत्व ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

सरदार पटेल जी की 150वीं जयंती 1 नवंबर को बनाएगी समाजवादी पार्टी !

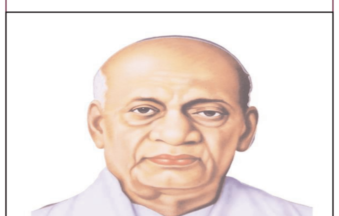

समाजवादी पार्टी लखीमपुर द्वारा सरदार वल्लभभाई झावेरभाई पटेल जी की 150वीं जन्म वर्षगांठ का आयोजन लखीमपुर 1 नवम्बर दिन शनिवार को प्रातः 11 बजे से किया जाएगा! कार्यक्रम आयोजक समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष अनुराग पटेल ने बताया कि देश के प्रथम गृहमंत्री लौहपुरुष अखंड भारत के निर्माता व लोकतंत्र प्रहरी आदरणीय श्री सरदार पटेल (श्री वल्लभभाई झावेरभाई पटेल) जी के 150वें जन्मोत्सव के अवसर पर लखीमपुर शहर के एलआरपी रोड स्थित रॉयल पैराडाइस मैरिज लॉन निकट छाउछ में 1 नवंबर दिन शनिवार को प्रातः 11 बजे से धूमधाम से मनाया जाएगा! उन्होंने आगे बताया कि लौहपुरुष की 150वीं जयंती के अवसर पर पूरे जिले से समाजवादी पार्टी के लोग सहभगिता करेंगे व सरदार पटेल जी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके जीवन पर चर्चा करेंगे!

अधिकारियों की मौज बेजुबानों की मौत

मितौली बेहजम बसारा गौशाला में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है, जहां गौवंश की दुर्दशा और भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। गौशाला में 364 पशु दर्ज हैं, लेकिन वास्तविक संख्या कम होने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि गौशाला में गायों को भरपेट चारा और पानी नहीं मिल रहा है, जिससे उनकी मौत हो रही है। बेहजम ब्लॉक में तैनात ग्राम विकास अधिकारी अमीर चंद राणा का तो कारनामा ही अलग है इसे अगर कोई जरूरी जानकारी लेने की कोशिश की जाती है तो उनका फोन ही नहीं रिसीव होता है चंद किलोमीटर की दूरी पर बैठे बेहजम ब्लाक के अधिकारी गौशाला का निरीक्षण करने में असमर्थ दिखाई देते हैं जब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होता है तो अधिकारियों में हड़कंप मचता है और आनन फानन में मृत गोवंशों को हटा दिया जाता है और सभी अधिकारी अपना अपना पल्ला झाड़ कर दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप रूप लगाकर सच्चाई को छुपाते हुए नजर आते दिखाई देते हैं ग्राम प्रधान ने गौशाला चलाने में असमर्थता जताई थी, जिसके बाद मुख्य विकास अधिकारी ने एनजीओ के माध्यम से गौशाला चलाने के निर्देश दिए थे। हालांकि, एनजीओ के कार्यकर्ताओं की लापरवाही के कारण गौशाला की स्थिति खराब है। **वर्जन**– पशु चिकित्सा अधिकारी का कहना है कि गौशाला में पशुओं का समय-समय पर उपचार किया जाता है, लेकिन गौशाला की स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से गौशाला की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

.पूरी रात क्योलड़िया के गांवों के जंगल में घूम रहे है हाथी वन विभाग नहीं कर पा रहा निदान

● जंगली हाथी दोनों जनपदों के वन विभाग अधिकारियों का छुड़ा रहे पसीने

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

विश्व देव राठौर

बरेली/क्योलड़िया– ब्लॉक भदपुरा क्षेत्र मे नेपाल के जंगल से पीलीभीत की सीमा में घुसे दोनों हाथी सोमवार को क्योलड़िया के पुरैनिया गांव के खेतों में देर शाम ग्रामीणों ने देखे। और इसकी सूचना उन्होंने वन विभाग नबावगंज को दी। जिस पर शाम 8 बजे के करीब वन विभाग के रेंजर के के मिश्रा वन दरोगा अकबर अली टीम के साथ जंगली हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखने और ग्रामीणों को सतर्क करने वहां पहुंचे। कुछ देर बाद दोनों हाथी गांव मोहम्मदपुर बकुचिया के जंगलों में देखे गए तो वन विभाग की टीम वहां पहुंची। जंगलों में हाथियों के होने पर ग्रामीण ने शोरगुल मचाने लगे तो दोनों हाथी वहां से अप्सरा नदी के किनारे खेतों से होकर भागे। जंगलों में हाथियों के होने पर दलेलनगर,अधकटा रब्बानी बेगम,बबूरा बबुरी,आदि गांवों के ग्रामीणों ने दोनों हाथियों को वहां से शोर गुल मचाते हुए भगा दिया। मंगलवार सुबह होते ही दोनों हाथी अमशाह और पनवड़िया के जंगलों में देखे गए। कुछ देर बाद ही ग्रामीणों के शोर गुल के बाद दोनों हाथी पीलीभीत के बीसलपुर के गांव रिछोला घासी के खेतों में घुस गए। दोपहर में नबावगंज बीसलपुर फरीदपुर वन विभाग की टीमों ने दोनों हाथियों की हर गतिविधि पर नजर रखने के बाद उन्हें पकड़ने की प्लानिंग शुरू कर दी। ड्रोन भी मंगा लिए गए। पीलीभीत डीएफओ के नेतृत्व में देर रात दोनों हाथियों को पर नजर रखे है टीमें पूरी रात क्योलड़िया के कई गांवों के जंगलों से होते हुए दोनों हाथी दोपहर में दोनों हाथी रिछोला घासी निवासी किसान राम दयाल और उनके भाइयों के खेतों में हार थककर बैठ गए। जिसके बाद पीलीभीत डीएफओ पंकज कुमार भारद्वाज और बरेली वन प्रभारी अधिकारी भरत कुमार के नेतृत्व में नबावगंज बीसलपुर फरीदपुर की वन टीमों के साथ खेतों में बैठे दोनों हाथियों पर दूर से नजर रखने लगे। इस दौरान ग्रामीणों का भारी जमावड़ा लग गया लेकिन पुलिस और वन विभाग की टीमों ने तमाशाई भीड़ को दूर ही रोक दिया।

वन विभाग ने ड्रोन से दोनों हाथियों की हर गतिविधि को देखा। नबावगंज वन रेंजर के के मिश्रा ने बताया कि दोनों हाथियों पर नजर रखी जा रही है। अभी तक हाथियों ने किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है। अधिकारी लगातार मानीटरनिग कर रहे है। उधर बीसलपुर के गांव रिछोला घासी निवासी किसान हरदयाल,महेंद्रपाल,वीरपाल, होरी लाल के 16 बीघा गन्ने को दोनों हाथियों ने रौंद डाला। उन्होंने बताया कि उनका लाखों का नुकसान हो गया। उन्होंने प्रशासन से मुआवजा की मांग की है।

गरीबो के मसीहा बन कर उभर रहे, डाक्टर कौशल किशोर वर्मा

गोला गोकर्णनाथ खीरी। डाक्टर कौशल किशोर वर्मा मूल रूप से जनपद सीतापुर के रहने बाले है।लेकिन विगत कई बर्षो से गोला गोकर्णनाथ के न्यू बाईपास पर अपना सन साइन अस्पताल खोल कर गरीबो की मदद कर रहे है।उनको गरीबो की मदद का ऐस जुनून सबार रहता है कि वह पूरे जनपद मे कही भी गरीव लडकी की सादी की जानकारी होने पर भी सारा दहेज का सारा सामान निःशुल्क उपलब्ध करा देते है।इतना ही नही गोला क्षेत्र मे कही किसी गरीव ब्यक्ति व उसके परिवार पर कोई दैविक आपदा य घटना होने पर भी वह मौके पर पहुच कर उसको ढांढस बंधा कर उसकी हर संभव मदद करते रहते है। वही विगत वर्ष भीषण ठंठ पडने पर गरीबो को गर्म कपड़े व रजाई की ब्यबस्था भी कराई और भूखे गरीबो को भोजन आदि की ब्यबस्था आदि भी कराते रहते। लेकिन गोला मे कुछ तबके के लोगो को उनकी लोकप्रियता हजम नही हो रही है और लोग उनको बदनाम करने पर लगे हुए है।

जिला स्तरीय नवप्रवर्तकों की प्रदर्शनी में नवप्रवर्तकों को किया जाएगा सम्मानित - सीडीओ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबादः– विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश सरकार के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के तत्वावधान में 03 नवम्बर 2025 को असंगठित क्षेत्र के नवप्रवर्तकों हेतु जनपद स्तरीय नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का आयोजन जिलाधिकारी फिरोजाबाद रमेश रंजन,मुख्य विकास अधिकारी फिरोजाबाद शत्रोहन वैश्य, जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद धीरेन्द्र कुमार की सहमति, निर्देशन में एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों के सहयोग से आई वे इंटरनेशनल एकेडमी, फिरोजाबाद में प्रातः 10 बजे से किया जा रहा है। सीडीओ फिरोजाबाद शत्रोहन वैश्य ने जनपद स्तरीय अधिकारियों को इस नवप्रवर्तन प्रदर्शनी में नवप्रवर्तकों को प्रतिभाग कराने के निर्देश प्रदान करते हुए बताया कि इस नवप्रवर्तन प्रदर्शनी में असंगठित क्षेत्र के किसान, शिल्पकार, कारीगर, मजदूर, मिस्त्री, परम्परागत उपचार करने वाले विद्यार्थी, ऐसे जनसामान्य व्यक्ति जिन्होंने कोई प्रोफेशनल डिग्री प्राप्त नहीं की हो , उन्हें अपने नवप्रवर्तन के क्षेत्र में किए गए कार्य मॉडल को प्रदर्शित करना है। इस नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का क्षेत्र जुगाड़ द्वारा तैयार यन्त्र/ मशीनें, परिवहन के साधन, घरेलू उपयोग के सामान, जैव विविधता के सृजनात्मक उपयोग, पौधों की प्रजातियां, पशुओं एवं मानव के लिए हर्बल औषधि या जड़ी बूटी, ऊर्जा उत्पादन या संरक्षण के लिए उपकरण, गाँव तथा शहर में जीवन संघर्ष के दौरान उपजी तरकीबें, ऐसे सृजनात्मक विचार जिनको व्यवहार में लाना जाना सम्भव हो। जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन ने जनपद की आम जनता के असंगठित क्षेत्र के जनमानस से अपील की है कि यदि उन्होंने इन क्षेत्रों में मौलिक आविष्कार या खोज किया हो, वे सभी रजिस्ट्रेशन हेतु अपना नाम, मोबाइल नंबर एवं पता व्हाट्सएप नम्बर 9058885668 पर भेज दें। जिससे वे सभी 03 नवम्बर 2025 को नवप्रवर्तन प्रदर्शनी में प्रतिभाग करके पुरूस्कृत हो सकें। उन्होंने बताया कि प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले नवप्रवर्तक को 08 हजार, द्वितीय स्थान पर 05 हजार, तृतीय स्थान पर 03 हजार एवं पाँच सांत्वना पुरस्कार 02 हजार रुपये जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद की ओर से प्रदान किए जाएंगे, इसके साथ ही सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। इनमें से एक नवाचार को विभाग द्वारा 15 हजार रुपये की धनराशि से पेटेंट भी कराया जाएगा।

सिंगाही रामलीला मेले में पचास किलो वाट का है भार

● विद्युत कनेक्शन देने से मना किया एसडीओ सिंगाही ने

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही खीरी। श्री रामलीला मेले में सेफ्टी आइस्क्रीम गगन चुंबी झूले व मौत का कुआ सर्कस अन्य खेल तमाशा लगा कर मौत का खौफनाक खेल खेलने वाले मेला माफिया के बिजली के कनेक्शन की जांच मे अधिक भार होने की सर्वे रिपोर्ट एसडीओ को मिली उसके आधार पर विभागीय कार्रवाई करते हुए उपखण्ड अधिकारी ने मेला को कनेक्शन देने से मना कर एक्सईएन निघासन को अपनी रिपोर्ट भेजी है। छोटे सोनी ने सेफ्टी आइसक्रीम मौत का कुआं गगन चुंबी झूले सर्कस अन्य खेल तमाशा के साथ मेला में लगी सभी दुकानें स्टेज वह रामलीला के कार्यक्रम मंच कुल मिलाकर पूरे मेले की प्रकाश व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने का ठेका महारानी सूरथ कुमारी रामलीला समिति से लिया है मेले में प्रकाश व्यवस्था सुचारू रूप से चलने के लिए बिजली विभाग को आवेदन कर कनेक्शन मांगा था।

उपखंड विद्युत अभियंता निशांत कुशवाहा ने किए गए आवेदन पर श्री रामलीला मेला मैदान जाकर मेले में खर्च की जाने वाली बिजली का विभाग की निरीक्षण किया तो उन्होंने आवेदन किए गए कनेक्शन से अधिक बिजली खर्च होने का अनुमान लगा जिस पर उन्होंने कार्रवाई करते हुए कनेक्शन देने से मना कर अपनी रिपोर्ट निघासन एक्ससीएन रविंद्र यादव को भेज दी है बताया जाता है कि मेले में करीब 50 किलो वाट की बिजली खर्च होती है और कनेक्शन केवल साढ़े सात किलो वाट का ही लिया जाता है।सिंगाही कस्बे में 23 अक्टूबर से शुरू हुई रामलीला मेले में चोरी छिपे बिजली चोरी की शिकायत मिली है जांच कराई जा रही है।विद्युत वितरण निगम लिमिटेड सिंगाही के उपखंड अधिकारी निशांत कुशवाहा ने बताया कि मेला ठेकेदार ने बिजली का कनेक्शन लेने के लिए आवेदन किया था मेले में बताए गए कनेक्शन से भार अधिक है। इसलिए निघासन एक्ससीएन साहब को रिपोर्ट भेजी गई है।

पत्नी की जलाकर हत्या करने वाले पति को उम्रकैद, सात साल पुराने मामले में कोर्ट ने सुनाई सजा

● बरेली में सात साल पहले पत्नी को जलाकर मारने के मामले में पति को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने आरोपी को दोषी पाया और यह सजा सुनाई। 2017 में इज्जतनगर थाना क्षेत्र में दहेज की मांग पूरी न होने पर पति ने पत्नी को जलाकर मार डाला था। मृतका के परिजनों ने दहेज हत्या का आरोप लगाया था।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। पत्नी को जिंदा जलाकर हत्या करने वाले पति को कोर्ट ने दोषी माना। उसे उम्रकैद की सजा के साथ ही 50 हजार रुपये जुर्माने से भी दंडित किया गया है। घटना वर्ष 2018 की है। मृतक विवाहित की मां बेबी ने सिरौली थाने में प्राथमिकी लिखाई थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि उन्होंने अपनी बेटी मोनी की शादी लीलौर निवासी मुकेश के साथ की थी। आरोप था कि, ससुराल वाले आए दिन उसे प्रताड़ित करते थे। घटना से कुछ माह पूर्व मोनी को मारपीट कर घर से निकाल दिया था जिसके बाद से वह मायके में रहने लगी। कुछ दिनों बाद आरोपित मुकेश व उसके स्वजन आए और मांफी मांगने के बाद मोनी को विदा कराकर ले गए। 25 मई 2018 को दोपहर तीन बजे मोनी की मां को सूचना मिली कि, मोनी को कमरे में बंद करके आग लगा दी गई है। घटना के बाद सभी मौके से फरार हो गए थे। गांव वालों ने पुलिस को फोन किया। पुलिस ने विवाहिता को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। 15 दिन जिंदगी और मौत से जूझते हुए मोनी ने दम तोड़ दिया। मृत्यु से पूर्व मजिस्ट्रेट ने घायल के बयान भी दर्ज किए थे। डाक्टर ने अपने बयान में कहा कि मोनी का शरीर 90 प्रतिशत जल गया था। तफ्तीश में यह बात सामने आई कि घटना स्थल पर कमरे के बिस्तर व कपड़े पूरी तरह जलकर राख हो गए थे। सरकारी वकील हेमेंद्र गंगवार ने कोर्ट में नौ गवाह पेश किए। अपर सेशन जज तृतीय विजेंद्र त्रिपाठी ने दोषी मुकेश को उम्रकैद की सजा के साथ 50000 जुर्माने से भी दंडित किया है।

मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण शुरू

लखीमपुर खीरी- मुख्य निर्वाचन अधिकारी - उत्तर प्रदेश द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार जिले में मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण शुरू हो गया है..!

अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 तय की गई है-

जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि इस दौरान निर्वाचन से जुड़े किसी भी अधिकारी का पद खाली नहीं रहेगा और बिना अनुमति स्थानांतरण नहीं किया जाएगा..!

डीएम ने मतदाताओं से अपील की है कि वे अपना नाम और विवरण ऑनलाइन voters.eci.gov.in पर जांच लें।निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक घर-घर सर्वे का कार्य होगा.. 9 दिसंबर को प्रारूप सूची प्रकाशित होगी। दावे-आपत्तियाँ 8 जनवरी 2026 तक ली जाएंगी और अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी..!

विधायक ब्लॉक प्रमुख ने किसानों को निशुल्क वितरित किए बीज के पैकेट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/विधायक डॉक्टर एमपी आर्य ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने संयुक्त रूप से राजकीय कृषि बीज भंडार क्यों लड़िया पर यहां के किसानों को सरसों चना मसूर मटर आदि बीजों के पैकेट किसानों को निशुल्क वितरित किए गए यह कार्य देश व प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना किसानों को निशुल्क दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए बीज सरकार द्वारा किसानों को निशुल्क बीज उपलब्ध कराया गया है। जिसके तहत किसान अपने खेतों में इस ऊगा कर लाभ अर्जित करें भदपुरा ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने बीज वितरित करते समय किसानों को इसका सदुपयोग करके अपनी आय बढ़ाने के लिए अपील की और कहां इसे खेतों में बुवाई करके अधिक पैदावार प्राप्त करें अभी तक यह बीज अन्य सरकारों में आता तो था परंतु पता नहीं चलता था के कहां वितरित हुआ। और इसका लाभ सीधे किसानों को नहीं मिल पाता था जो भाजपा की सरकार ने पारदर्शी करके वितरण करना सुनिश्चित किया यहां पर उपस्थित विधायक डॉ एमपी आर्य ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार खंड विकास अधिकारी ओमप्रकाश प्रजापति ठाकुर विनय सिंह समेत अनेकों लोग उपस्थित थे।

नीमगांव थाना में पुलिसकर्मियों ने की बेरहमी से पिटाई,मार-मार के सुजा दिए घुटने...

● पीठ और कंधों पर भी चोट के निशान।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

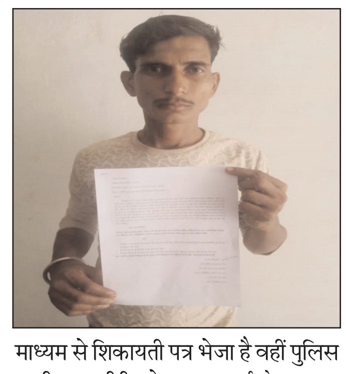

नीमगांव खीरी: यूपी के लखीमपुर खीरी से पुलिस की दबंगई का एक मामला सामने आया है। यहां पुलिसकर्मियों ने पति पत्नी के आपसी विवाद में पति की पुलिस ने बेरहमी से पिटाई की है। पुलिसकर्मियों ने मार-मार उसके घुटने व पीठ सजा दिए पीठ, गले और कंधे पर भी चोट के निशान हैं।

जानिए पूरा मामला–

आपको बता दें कि थाना नीमगांव के ग्राम पैला निवासी अशोक सिंह पुत्र इंद्रपाल सिंह का उसकी पत्नी से आपसी विवाद हो गया था जिसके आरोप में अशोक सिंह रात्रि 9 बजें थाना नीमगांव गया हुआ था जहां दो नंबर हल्के के प्रभारी जितेंद्र पाल सिंह ने अशोक को थानें में बैठा लिया उसके बाद अन्य दो अज्ञात दरोगा व विट पुलिस कर्मियों पर मारने- पीटने व धमकाने का आरोप लगाया है उसके बाद अशोक का शांति भंग में चालन कर दिया गया,अशोक सिंह की पीठ और कंधे पर चोट का निशान हैं। एक हाथ की कोहनी पर भी चोट लगी है व गले पर भी निशान मिलें हैं। वहीं अशोक के दाहिने पैर के घुटने पर सूजन पाई गई है।पीड़ित अशोक सिंह ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली को पत्र के माध्यम से शिकायती पत्र भेजा है वहीं पुलिस अधीक्षक खीरी को जनसुनवाई के माध्यम से शिकायत की है पुलिस की पिटाई से लगी चोट मानवाधिकार का उल्लंघन मान कर दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है ।

रामलीला पार्क या 'रामलीला ऑफ करप्शन'?

● नगर पंचायत खीरी में बेवा की जमीन पर नींव खुदाई, जांच की मांग तेज

पीड़ित महिला बोली "मेरे हिस्से की जमीन भी विकास की भेंट चढ़ गई"

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। नगर पंचायत खीरी में निर्माणाधीन रामलीला पार्क का नाम भले ही "धार्मिक" हो, पर इसके निर्माण में चल रही "लीला" अब प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है। पार्क की नींव जिस जमीन पर रखी गई है, वह किसी सरकारी भूमि पर नहीं, बल्कि एक बेवा (विधवा) महिला परवीन बेगम के प्लॉट पर निकली।

विकास की लीला, बेवा की पीड़ा

वार्ड नंबर 1, मोहल्ला अरनी खाना में तीन वर्ष पूर्व रामलीला पार्क का प्रस्ताव पारित हुआ था। ओम साई कॉन्ट्रैक्टर हेमंत गुप्ता को निर्माण का ठेका मिला, पर जमीन की व्यवस्था नहीं हो सकी। ठेकेदार ने 26 जुलाई 2024 और 25 अक्टूबर 2024 को अधिशासी अधिकारी को पत्र लिखकर स्पष्ट कहा कि निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है। फिर भी न जाने कब और कैसे विकास की गंगा बह निकली– और नींव भराई शुरू हो गई। नींव उसी प्लॉट पर पड़ी, जो परवीन बेगम के नाम रजिस्ट्रीकृत है। बेवा की जुबानी "मेरी जमीन सरकारी कैसे हो गई?" बेवा परवीन बेगम कहती हैं, मेरे पति शाहिद अली ने 2016 में प्लॉट खरीदा था, और उसका अगला हिस्सा मेरे नाम 2017 में रजिस्ट्री हुआ। आज अचानक वही जमीन नगर पंचायत ने सरकारी बता दी! ईओ से पूछा तो बोले 'आप क्यों पीछे पड़ी हैं।' क्या अब अपनी जमीन पर सवाल पूछना भी गुनाह है?" उन्होंने नगर पंचायत से लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय तक शिकायत भेजी है। पर जवाब में मिला "जमीन सरकारी है।"

दस्तावेजों से लापता ईमानदारी

जब पत्रकारों ने अधिशासी अधिकारी से भूमि की गाटा संख्या या रिकार्ड मांगा, तो उन्होंने झुंझलाते हुए कहा, "आप नगर पंचायत खीरी के पीछे क्यों पड़े हैं।" अध्यक्ष और ईओ ने बिना चौहद्दी देखे ही "भूमि सरकारी" घोषित कर दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि "अगर यह सरकारी जमीन है, तो दस्तावेज क्यों नहीं दिखाए जा रहे?"

जनता बोली— रामलीला पार्क नहीं, 'भ्रष्टाचार पार्क' बनेगा नाम

क्षेत्र में चर्चा है कि यह पार्क "धार्मिक आस्था" से अधिक "राजनीतिक आस्था" का प्रतीक बनता जा रहा है। सवाल उठता है– बिना भूमि स्वामित्व तय हुए, आखिर निर्माण का ठेका कैसे दिया गया? अगर इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो नगर पंचायत खीरी की "विकास लीला" का पूरा "रामायण" खुलकर सामने आ जाएगा।

बहराइच के कौड़ियाला नदी में सवारियों से भरी नाव पलटी, 24 लापता; बचाव अभियान जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिछिया (बहराइच)। भारत-नेपाल सीमा से सटे सुजौली इलाके के भरथापुर गांव निवासी तकरीबन 28 लोग एक नाव पर सवार होकर बुधवार को खैरटिया गांव में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वापस आने के दौरान कौड़ियाला नदी में तेज बहाव होने के चलते नाव हिचकोले खाकर पलट गई। चार लोग तो नदी से सुरक्षित निकाल लिए गए, लेकिन 24 लोग लापता बताए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी, एडीएम व एसडीएम मिहींपुरवा समेत अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके की ओर रवाना हुए। समाचार लिखे जाने तक नदी में लापता लोगों की तलाश जारी थी। बीते दिनों चौधरी चरण सिंह घाघरा बैराज का क्लोजर समय पूरा होने के बाद बैराज के गेट खोले गए थे। इसके बाद कौड़ियाला व गेरुआ नदी में पानी का तेज बहाव चल रहा था। बुधवार को भरथापुर गांव निवासी लक्ष्मीनरायन, रानी देवी, ज्योति, हरिमोहन समेत 28 लोग एक नाव पर सवार होकर खैरटिया के लिए गए थे। नाव मिहींलाल पुत्र पुत्तीलाल चला रहे थे। लक्ष्मीनरायन की मानें तो कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सभी लोग उसी नाव से फिर कौड़ियाला नदी के रास्ते भरथापुर लौटने लगे। ग्रामीणों का कहना है कि पैदल का रास्ता काफी लंबा होने के चलते सभी ने नाव पर सवारी की थी। बताया जा रहा है कि भरथापुर गांव पहुंचने से पहले ही नदी के तेज बहाव में नाव पलट गई। इससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने हरिमोहन, ज्योति, रानी देवी व लक्ष्मीनरायन को नदी से सुरक्षित निकाल लिया, लेकिन अन्य लोग नदी में लापता हो गए, जिनकी तलाश में गिरिजापुरी स्थित चौधरी चरण सिंह घाघरा बैराज के गेट बंद कर पानी के बहाव को रोका गया है। घटना की जानकारी मिलते ही एडीएम अमित कुमार, एसपी रामनयन सिंह समेत अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके के लिए रवाना हुए। डीएम अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि नदी में लापता लोगों की तलाश कराई जा रही है।

गन्ना मूल्य में 30 रुपये की बढ़ोतरी के योगी सरकार के फैसले पर किसानों में खुशी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बहराइच। पंचायत चुनाव के पहले प्रदेश सरकार ने गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी की है। इसे लेकर जहां जिले के किसानों में इसे लेकर खुशी है। वहीं बकाये गन्ने का भुगतान न मिलने का कसक भी है। किसानों ने कहा है कि सरकार को इस बार गन्ने का मूल्य 400 के पार करना चाहिए था। फिर भी कही न कहीं किसानों के लिए राहत की बात तो है। सरकार ने गन्ने की अगेती प्रजाति का मूल्य 400 रुपये और सामान्य प्रजाति के लिए 390 रुपये प्रति क्विंटल दर निर्धारित की है। इसे लेकर गन्ना किसानों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं- गन्ना किसान राजन सिंह ने कहा कि गन्ने के मूल्य में 30 रुपये की बढ़ोत्तरी सराहनीय है। चिलवरिया चीनी मिल में जो किसानों का पैसा फंसा हुआ है। उस पर भी सरकार को ठोस कदम उठाना चाहिए। शेखनपुरवा निवासी तौफीक अहमद ने कहा कि गन्ना मूल्य बढ़ने से किसानों को आर्थिक लाभ मिलेगा। लेकिन यह बढ़ोत्तरी अगर 400 पार होती तो और अच्छा होता। कहा कि उनका 80 हजार रुपये मिल में बकाया है। उसे भी सरकार वापस दिलाए। रायपुर के रमेश कहते हैं सरकार का यह कदम किसान हित में हैं लेकिन उनका जो 35000 रुपये बकाया है उसे भी दिलवाए। गन्ना मूल्य में बढ़ोत्तरी से आर्थिक संकट कुछ हद तक कम होगा। समय पर किसानों को पर्याप्त खाद, बीज और पानी मिले इस पर भी ध्यान दें। सोहरवा निवासी राना प्रताप सिंह ने कहते हैं उनका भी चार लाख रुपये बकाया है। यह पैसा मिले तो आर्थिक समस्याएं दूर हों। प्रति क्विंटल 30 रुपये गन्ना मूल्य बढ़ोतरी से किसानों को आर्थिक लाभ मिलेगा। बढ़ोतरी का मूल्य और बढ़ाया जाना जरूरी है। शाहनेवाजपुर निवासी रामबदन गुप्त ने कहा कि उनका भी ढाई लाख रुपये बाकी है। जिसे दिलवाया जाए। 30 रुपये क्विंटल गन्ना बढ़ोत्तरी से किसानों को राहत मिलेगी। समय पर भुगतान भी हो। इस पर शासन प्रशासन को ध्यान देना होगा।

संक्षिप्त खबरें

बेचूबीर प्रेतमेला का शुभारंभ

अहरौरा। जंगल महाल में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी लगने वाला स्थानीय बेचू वीर का मेला पूरे पूर्वांचल में अपने भव्यता के लिए मशहूर है। यह मेला छठ पूजा के बाद अष्टमी से लेकर एकादशी तक तीन दिन तक काफी भीड़ भाड़ वाला होता है। यहां पर लगभग 5 से 7 लाख तक भीड़ इकट्ठा होता है। यहां के विशेषता के बारे में लोग बताते हैं की जिसे प्रेत बाधा हो या जिस महिला को संतान ना होता हो उसे पर बाबा बेचू वीर और बराहिया माता की कृपा अति शीघ्र होती है। निसंतान महिलाएं और भूत प्रेत से पीड़ित लोग तीन दिन तक रुक कर बाबा बेचू वीर और मां बड़हिया की पूजा अर्चना कर मन्नत मानते हैं, बताते हैं कि यहां मन्नत भी जल्द पूरा होती है, मन्नत पूरा होने के बाद लोग चढ़ावा चढ़ा कर दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। बाबा बेचू वीर के चौथी पीढ़ी वृजभूषण यादव जी ने बताया कि यहां प्रतिवर्ष 5 लाख से ऊपर श्रद्धालु आकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं एकादशी के दिन मनरी बजाकर मेले का समापन किया जाता है।

कलेक्ट्रेट में जनता दर्शन के दौरान आए हुए फरियादियों की जिलाधिकारी ने सुनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों को निस्तारण का दिया निर्देश

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन के दौरान दूर दराज से आने वाले फरियादियों की जन समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के मंशानुरूप फरियादियों को त्वरित न्याय दिलाया जाए ताकि उन्हें बार-बार जिला मुख्यालय व तहसील मुख्यालय के चक्कर न काटना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी समय से अपने कार्यालय पहुंचते हुए आने वाले फरियादियों की समस्याओं को सुने और उनका निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता हो तो मौके पर जाकर स्थलीय भ्रमण करते हुए दोनों पक्षों की उपस्थिति में उनकी बातों को सुनते हुए समस्या का समाधान पूरी पारदर्शिता व गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए।

भवन निर्माणकर्ताओं को जमा करना होगा 1% लेबर सेस

देवरिया। सहायक श्रम आयुक्त स्कन्द कुमार ने जानकारी दी कि जिन व्यक्तियों द्वारा आवासीय अथवा व्यावसायिक भवनों का निर्माण कराया जा रहा है, उन्हें निर्माण लागत का 1 प्रतिशत लेबर सेस श्रम विभाग में जमा करना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने पर 5 भवन स्वामियों से 13.55 लाख की वसूली हेतु राजस्व विभाग के माध्यम से आर.सी. जारी की गई है। उन्होंने सभी भवन स्वामियों से अपील की है कि वे "निवेश मित्र पोर्टल" पर पंजीकरण कर उपकर जमा करें ताकि भविष्य में किसी कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके।

निर्वाचन नामावलियों के पुनरीक्षण पर राजनीतिक दलों की बैठक सम्पन्न

देवरिया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मतदाता सूची को त्रुटिरहित, शुद्ध एवं अद्यतन बनाए रखने के लिए सभी दलों से सहयोग मांगा गया। डीएम ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ब्लॉक लेवल एजेंट्री प्रणाली को सक्रिय किया जा रहा है, जिससे हर स्तर पर राजनीतिक दलों की भागीदारी बनी रहे।

प्लेज स्कीम से निजी भूमि पर औद्योगिक पार्क निर्माण को बढ़ावा

देवरिया। उपायुक्त उद्योग एस. सिद्दीकी ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा निजी भूमि पर औद्योगिक पार्क विकसित करने की अनुमति दी गई है। इस "प्लेज स्कीम" के तहत निवेशक अपनी भूमि पर पार्क बनाकर सरकार से 1% ब्याज दर पर ऋण, स्टाम्प शुल्क में छूट तथा ?4 करोड़ तक अनुदान प्राप्त कर सकते हैं। यह योजना 10 से 50 एकड़ भूमि पर लागू होगी, जिससे जिले में औद्योगिक विकास और स्थानीय रोजगार सृजन को बल मिलेगा।

भारतीय संस्कृति का महापर्व : गोपाष्टमी पर्व पर जिला सूचना अधिकारी ने गौशाला में गौ माता की पूजा-अर्चना व सेवा

● गोपाष्टमी का पर्व हमें करुणा,सेवा और संवेदना का संदेश देता है-डॉ. पंकज कुमार

गौ माता भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं,उनका संरक्षण और सम्मान करना हर व्यक्ति का नैतिक दायित्व है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही/ गोपाष्टमी का पावन त्योहार भक्ति,सेवा और भारतीय संस्कृति का प्रतीक बन गया है। भगवान श्रीकृष्ण और गौ माता को समर्पित इस पर्व पर बुधवार को जिलेभर की गौशालाओं में सेवा एवं श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। गोपाष्टमी पर्व पर जनपद के गौशाला व गायों की पूजा कर गौ रक्षा का संकल्प लिया गया। इसी क्रम में जिला सूचना अधिकारी डॉ पंकज कुमार ने ज्ञानपुर स्थित चक्र धारी गौशाला पहुंचकर गायों की टीका चंदन लगाकर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा- अर्चना,सेवा किया।

गोपाष्टमी का पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। यह मुख्य रूप से दो कारणों से मनाया जाता है: पहला, जब भगवान कृष्ण पहली बार गाय चराने के लिए निकले थे, और दूसरा, गोवर्धन पूजा के सात दिनों के बाद, जब इंद्रदेव ने अपनी हार स्वीकार कर भगवान कृष्ण का अभिषेक किया था। इस दिन गायों, बछड़ों और भगवान कृष्ण की पूजा की जाती है। भगवान कृष्ण का गौ-चरण आरंभ करना: मान्यता है कि इसी दिन भगवान कृष्ण ने पहली बार गायों को चराने के लिए ले जाना शुरू किया था, जिसके कारण इस तिथि को गोपाष्टमी के रूप में मनाया जाता है।

इंद्रदेव का अहंकार भंग होना:एक अन्य कथा के अनुसार, गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाने के बाद, सात दिनों तक वर्षा के बाद अष्टमी तिथि को इंद्रदेव ने हार मान ली थी और भगवान कृष्ण की शरण में आकर क्षमा याचना की थी। इसी दिन कामधेनु गाय ने भगवान कृष्ण का अभिषेक किया था, और तभी से यह पर्व मनाया जाने लगा। गाय और कृष्ण की पूजा:इस दिन भक्त गायों और बछड़ों की पूजा करते हैं, उन्हें सजाते हैं और उनकी सेवा करते हैं। इसके अलावा, भगवान कृष्ण की पूजा भी की जाती है, जिससे जीवन में शांति और समृद्धि आती है।

डॉ. पंकज कुमार ने अपने हाथों से गौ माता को स्नान कराया, हरा चारा, गुड़ व केला खिलाया और आरती उतारकर जनमानस से गौसेवा की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि गोपाष्टमी पर गायों की पूजा करने से व्यक्ति को सभी पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख-शांति का वास होता है। उन्होंने बताया कि गोपाष्टमी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवंश की सेवा के आरंभ का प्रतीक है। यह दिन हमें करुणा, सेवा और संवेदना का संदेश देता है। जिला सूचना अधिकारी डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि "गौ माता भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं, उनका संरक्षण और सम्मान करना हर व्यक्ति का धर्म है।"यह पर्व हमें आत्मिक शांति और सामाजिक एकता का संदेश देता है।"उन्होंने गौशाला में सफाई व्यवस्था,पशुओं के भोजन-पानी और चिकित्सा सुविधा की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिया कि गौशाला में स्वच्छता, रोशनी और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था बनी रहे।

चक्रधारी गौशाला चक टोडर ज्ञानपुर के संचालक मिंटू तिवारी ने बताया कि वे गायों की वर्ष भर सेवा करते है जिससे उनका जीविपार्जन के साथ ही आत्मिक संतुष्टि मिलती है। उन्होंने जन मानस से गो-वध रोकने हेतु गोपूजन में अपना अमूल्य योगदान तथा स्वस्थ्य सनातन संस्कृति के उत्थान हेतु संकल्प लेते हुये गोपूजन कर अमृत लाभ लेने की अपील किया।

कार्यक्रम में मौजूद स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने भी गौ पूजन व सेवा किया। उपस्थित लोगों ने भी गौ सेवा का संकल्प लिया। गौशाला परिसर में दिनभर भजन-कीर्तन, आरती और 'जय गौ माता' के जयघोष गूंजते रहे, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बन गया।

भारतीय संस्कृति का महापर्व: गोपाष्टमी

गोपाष्टमी के दिन देशी गायों को स्नान कराएं। तिलक करके पूजन करें व गोग्रास दें। गायों को अनुकूल हो, ऐसे खाद्य पदार्थ खिलाएं,सात परिक्रमा व प्रार्थना करें तथा गाय की चरण रज सिर पर लगाएं। इससे मनोकामनाएँ पूर्ण होती है एवं सौभाग्य की वृद्धि होती है। गोपाष्टमी को गौहत्या बंद करने के लिए संकल्प ले कि देशी गाय का दूध, दही, घी, गोबर उपयोग करेंगे। कार्यक्रम में पुजारी राकेश तिवारी, पुजारी पांडेय, रमाशंकर मिश्रा ,अंजनी शुक्ला, अमरेश दुबे ,प्रियंका त्रिपाठी ,आराध्या तिवारी ,हर्ष पांडेय, कैलाश तिवारी, नितेश श्रीवास्तव, बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चों ने भी गौ पूजा कर गौ सेवा करते हुए संकल्प लिया।

न्यू पीएचसी के सामने गर्भवती को नेशनल हाईवे पर उतार भागे एंबुलेंस कर्मी

●गर्भवती महिला ने अस्पताल परिसर में कीचड़ सनी जमीन पर बेटी को दिया जन्म

प्रसूता के पति ने 102 एंबुलेंस सेवा कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की लगाई गुहार, वीडियो हो रहा वायरल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया। लालगंज क्षेत्र के नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरौंधा में सोमवार की रात 11 बजे के करीब 102 एंबुलेंस सेवा के पायलट और ईएमटी की लापरवाही से गर्भवती महिला ने अस्पताल परिसर के बाहर कीचड़ सनी जमीन पर बेटी को जन्म दे दिया। प्रसूता के पति ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले एंबुलेंस कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लालगंज थाना क्षेत्र के कोठी खुर्द गांव निवासी अतीक अहमद की पत्नी अरवी को सोमवार की रात प्रसव पीड़ा शुरू होने पर अरवी बानो के पति अतीक अहमद ने 102 एंबुलेंस सेवा पर फोन किया तो घर पर 102 एंबुलेंस पहुंची और गर्भवती महिला को लेकर न्यू पीएचसी बरौंधा के लिए रवाना हुई। प्रसूता के पति अतीक अहमद ने आरोप लगाया कि एंबुलेंस कर्मी गर्भवती पत्नी को डेढ़ घंटे में अस्पताल पहुंचाए जबकि दूरी के हिसाब से आधे घंटे के भीतर अस्पताल पहुंच जाना चाहिए था। एंबुलेंस कर्मी न्यू पीएचसी बरौंधा के गेट के सामने नेशनल हाईवे पर प्रसव पीड़ा से कराह रही पत्नी को उतार दिए। अस्पताल के भीतर पत्नी को ले जाते समय अस्पताल परिसर के सामने जमीन पर कीचड़ में पत्नी ने बेटी को जन्म दे दिया।अस्पताल के बाहर जमीन पर प्रसव होने की जानकारी होने पर अस्पताल में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों ने दौड़कर जच्चा बच्चा को तत्काल अस्पताल में भर्ती करवाया। इस संबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी हलिया डा? अवधेश कुमार ने बताया कि लापरवाही बरतने वाले 102 सेवा के कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी भूमि पर बने मकान पर तहसील प्रशासन के द्वारा की गई 67 की कार्रवाई

●सरकारी जमीन पर बेदखली की कार्रवाई से भू माफियो में मचा हड़कंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया मिर्जापुर। लालगंज तहसील क्षेत्र के अतरैला राजा गांव निवासी शिव गंगे ने उप जिलाधिकारी लालगंज को प्रार्थना पत्र देकर सरकारी भूमि पर भूमाफियाओं के कब्जा से बेदखल करने का मांग किया था जिसमें शिवगंज के द्वारा बताया गया था कि गांव निवासी विजय शंकर मिश्र पुत्र भगवत मिश्रा बालमुकुंद मिश्रा पुत्र जयशंकर मिश्रा गीता देवी पत्नी जय शंकर मिश्रा आदि ने गांव के ही आराजी नंबर 322 क रकबा 0.7720 हे0एव 322ख0.2530 हे0 की संपूर्ण भूमि पर पिछले कई वर्षों से कब्जा कर रखा है जिसकी सूचना शपथ पत्र के माध्यम से हमने पूर्व समय में दिनांक 11-7 -2022 को दिया था जिसकी नकल कॉपी आज भी मौजूद है परंतु माफियाओं के खिलाफ आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई उल्टे प्रतिरोध की भावना से हमें ही फर्जी तरीके से मुकदमे में फंसाने की साजिश रची जा रही और इन माफियाओं द्वारा हमारे पैत्रिक आवास को हड़पने का खड्यंत्र रचा जा रहा है शिव गंगे की शिकायत पर तहसील प्रशासन ने तहसील क्षेत्र के अतरैला राजा गांव निवासी बालमुकुंद मिश्र पुत्र जयशंकर मिश्र गीता देवी पत्नी जयशंकर मिश्र विजय शंकर मिश्रा पुत्र भगवत मिश्र के विरुद्ध राजस्व संहिता की धारा 67 के तहत बेदखली का मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कार्रवाई में जुट गई।

मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही जनपद भदोही में मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित "मिशन शक्ति फेज-5.0" के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक भदोह अभिमन्यु मांगलिकके निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल जनपद भदोही के पर्यवेक्षण में पुलिस द्वारा व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 29.10.2025 को जिला पंचायत बालिका इंटर कालेज गोपीगंज थाना गोपीगंज जनपद भदोही में एंटी रोमियो टीम महिला आरक्षी मीरा यादव व पूनम यादव व थाना चौरी क्षेत्र अंतर्गत रामानंद पूर्व माध्यमिक विद्यालय खुर्द में एंटी रोमियो टीम द्वारा छात्राओं को अधिकारों, सुरक्षा संसाधनों व कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

छात्राओं को कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण के तहत महिला सुरक्षा व बचाव संबंधी जानकारी दी गई और शासन द्वारा जारी हेल्प लाइन नम्बर, जैसे-1090, 112, 1076, 1098, 108की विस्तृत जानकारी देते हुए संकट के समय इनके प्रयोग हेतु बताया गया। साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में अवगत कराते हुए इससे बचने और सतर्क रहने हेतु 1930हेल्प लाइन नंबर का उपयोग करने के संबंध में जानकारी दी गई। सरकार द्वारा महिलाओं से संबंधित संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित उन्हें जागरूक किया गया।

इसी क्रम में जनपद के सभी थानों के मिशन शक्ति/एंटी रोमियो टीम द्वारा चौपाल लगातार एवं भ्रमण कर मिशन शक्ति केंद्र, साइबर हेल्पडेस्क, एंटी रोमियो स्क्वाड एवं पुलिस अधीक्षक व थाना सीयूजी नंबर की जानकारी देकर महिलाओं को आत्मरक्षा व जागरूकता के प्रति प्रेरित किया। जनपद भदोही पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु जन-जागरूकता अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है।

भदोही को मिला अपना विश्वविद्यालय, काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अब बनेगा 'काशी नरेश विश्वविद्यालय'

● उच्च शिक्षा के विस्तार की दिशा में योगी सरकार की नई पहल

ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कदम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ,। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को सशक्त बनाने के लिए एक और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब भदोही (संत रविदास नगर) के काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर को 'काशी नरेश विश्वविद्यालय, भदोही' के रूप में स्थापित किया जाएगा।

इस निर्णय के तहत उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 में संशोधन किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2025 के प्रख्यापन का प्रस्ताव तैयार किया है। संशोधन अधिनियम की धारा-4, धारा-50, धारा-52 तथा अनुसूची में आवश्यक परिवर्तन किए जाएंगे, जिससे प्रस्तावित विश्वविद्यालय का औपचारिक गठन संभव हो सके।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपने ही जनपद में उच्च शिक्षा के अवसर मिलें, जिससे उन्हें महानगरों की ओर पलायन न करना पड़े। काशी नरेश विश्वविद्यालय, भदोही के गठन से न केवल जनपद के विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय शिक्षा उपलब्ध होगी, बल्कि पूरे पूर्वांचल क्षेत्र में शैक्षिक गतिविधियों को भी नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पहले ही राज्य में गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुख और सुलभ उच्च शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठा चुकी है। नए विश्वविद्यालयों की स्थापना, स्वायत्तता में वृद्धि और शोधोन्मुख शिक्षा पर बल देते हुए सरकार ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश को नई पहचान दी है। काशी नरेश विश्वविद्यालय की स्थापना इसी श्रृंखला का एक और सशक्त अध्याय होगी।

नवागत मण्डलायुक्त दिनांक देर रात्रि कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात प्रातः काल मां विन्ध्यवासिनी का किया दर्शन पूजन

●शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ को पात्र व्यक्ति तक समय से पहुँचाना, जन समस्याओ का संतुष्टिपूर्ण निस्तारण को बताया प्राथमिकता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। नवागत मण्डलायुक्त राजेश प्रकाश ने मंगलवार की देर रात्रि विंध्याचल मंडल का कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात आज प्रातः विंध्याचल पहुंच कर मां विंध्यवासिनी देवी का दर्शन-पूजन किया। मण्डलायुक्त पूर्वाह्न 10 बजे आयुक्त कार्यालय बैठकर अधिकारियों से मुलाकात की। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अजय कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी भू0/रा0 देवेन्द्र प्रताप सिंह, संयुक्त निदेशक कृषि डॉ अशोक उपाध्याय, संयुक्त आयुक्त उद्योग वीरेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने मुलाकात कर विभागीय योजनाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। कानपुर देहात के मूलतः निवासी मण्डलायुक्त राजेश प्रकाश वर्ष 2009 बैच के आई0ए0एस0 अधिकारी है, श्री राजेश प्रकाश जिलाधिकारी फिरोजाबाद, सी0ई0ओ0 नोएडा प्राधिकरण के अलावा गाजियाबाद व अन्य जनपदो के प्रमुख पदो पर कार्य कर चुके है। विन्ध्याचल मण्डल आने के पूर्व महानिदेशक मत्स्य विभाग उ0प्र0 के पद विराजमान थे। वार्ता के दौरान मण्डलायुक्त ने प्राथमिकताओ के बारे मे जानकारी देते हुए केन्द्र व प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को पात्र व्यक्ति तक प्राथमिकता के साथ ससमय पहुंचाना, मण्डल के दूर दराज से आने वाले समस्याग्रस्त नागरिको के समस्याओ को पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ समय से निस्तारण कराना एवं मण्डल मे विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओ को निर्धारित समय व गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के साथ ही अन्य आने वाली समस्याओ के समाधान के साथ मण्डल का चतुर्मुखी विकास कराना मुख्य प्राथमिकता है, इसके अतिरिक्त शासन द्वारा समय-समय पर दिए गए दिशा निर्देशो का धरातल पर अक्षरशः लागू कराना भी उनकी प्राथमिकताओ में होगा। उन्होंने कहा कि कार्यालयो में अधिकारी पूर्वान्ह 10 बजे निर्धारित समय पर पहुँचे तथा आने वाले फरियादियो की समस्याओ को सुनते हुए उनके समाधान हेतु आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करे। कार्यभागर ग्रहण के समय अपर आयुक्त प्रशासन डॉ विश्राम, संयुक्त विकास आयुक्त रमेश चन्द्र के अलावा आयुक्त कार्यालय सम्बन्धित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

नेताओं का गढ़ माना जाता है हलिया ब्लाक

●अभी भी झुग्गी झोपड़ियो में रहने पर मजबूर हैं ग्रामीण

सड़क और रास्ते के लिए तरस रहे हैं मतवार न्याय पंचायत के ग्रामीण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया मिर्जापुर। हलिया विकासखंड के ग्राम पंचायत मटिहरा में आज भी झुग्गी झोपड़ियो में रहने पर मजबूर हैं ग्रामीण जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हर लाभार्थियों का खपरैल हटाकर आवास बनना जरूरी था लेकिन आज भी हलिया ब्लाक के न्याय पंचायत मतवार के लोग आज भी झुग्गी झोपड़ियो में रहते हैं उनके घर के पास जाने के लिए रास्ता नहीं है आज भी पगडंडी रास्ते से आते जाते हैं ब्लॉक के पूर्वी छोड़ में आज भी लाभार्थी सरकारी योजनाओं से वंचित रहते हैं ना उनको स्वास्थ्य की व्यवस्था मिल पाता है ना तो उनको आवास की व्यवस्था मिल पाता है ना तो शौचालय की व्यवस्था मिल पाता है आज तक सरकारी कोई भी योजना ब्लाक के पूर्वी न्याय पंचायत मतवार के लाभार्थी जो सरकारी योजनाओं से वंचित हैं कहने को सरकार की योजना ब्लॉक तक आ रही है लेकिन ब्लॉक पर बैठे मुखिया पूरा योजना वहीं बचा लेते हैं लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाता है ना तो उनको इमरजेंसी सेवा मिल पाता है कोई समस्या होता है वहां से हलिया आने में काफी समय लगता है न्याय पंचायत में ना तो नेटवर्क की व्यवस्था है किसी प्रकार से सौर ऊर्जा लगाकर वहां के ग्रामीण अपना जीको पार्जन करते हैं हलिया ब्लाक बड़े-बड़े नेताओं का गढ़ माना जाता है लेकिन आज भी हलिया ब्लाक के पूर्वी तरफ लोग योजनाओं से वंचित हैं सिर्फ वोट के समय नेता क्षेत्र में दिखाई देते हैं बाकी समय कोई ग्रामीणों का हाल-चाल भी लेने नहीं जाता जिससे ग्रामीणों ने अपनी पीड़ा कहने में असमर्थ रहते हैं ब्लॉक तक आने के लिए उनको बड़ी समस्या होता है बारिश के मौसम में कीचड़ के रास्ते ग्रामीण अवागमन करते हैं ना तो बच्चों को सही शिक्षा मिल पाता है ना तो स्वास्थ्य की व्यवस्था मिल पाता है पगडंडी रास्ते के चलते सर्प के शिकार होते हैं यंत्र की व्यवस्था नहीं है आकाशी बिजली का कहर बहुत ज्यादा होता है आए दिन सबसे ज्यादा हलिया क्षेत्र के पूर्वी तरफ आकाशीय बिजली से लोग ग्रसित होते रहते हैं ऐसे में हलिया विकासखंड के ग्राम पंचायत मटियार के लोगों ने बताया कि हम लोग सरकार की योजनाओं से आज भी वंचित हैं हम लोगों के लिए कोई सरकार की योजना नहीं है ना तो किसी नेताओं का पता चलता है हमारी बात सरकार तक पहुंच भी नहीं पाती है क्योंकि हमारे क्षेत्र में कोई ऐसा व्यवस्था नहीं है जिससे हम लोग अपनी बात सरकार तक पहुंचा सके।

न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ड्रमंडगंज के परिसर में जमा हुआ है कचरा सफाई कर्मी नदारथ

●इसी कूड़े कचरे के रास्ते निकलते हैं अस्पताल के मरीज अस्पताल में नहीं है साफ सफाई की व्यवस्था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया, मिर्जापुर। ड्रमंडगंज न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के परिसर में जमा हुआ है कचड़ा बताया जाता है कि देवहट ग्राम पंचायत में सफाई कर्मियों की ड्यूटी बराबर लगाई जाती है लेकिन मार्केट से लेकर जगह-जगह कूड़ा कचरा जमा रहता है व स्वास्थ्य विभाग की स्थिति यह है कि अस्पताल में मरीज मच्छर के शिकार होते हैं आए दिन डिलीवरी हुआ एक्सीडेंटल केस न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आते रहते हैं इसी कूड़े कचरे के रास्ते मरीज अस्पताल में जाते हैं साथ ही साथ मरीज मच्छर के शिकार होते हैं अस्पताल में नहीं है साफ सफाई की व्यवस्था परिसर में इतना कूड़ा कचरा जमा हुआ है पैरों से वही कूड़ा कचरा हॉस्पिटल में जाता है स्थानिक ग्रामीणों ने बताया कि हॉस्पिटल विद्यालय में जब साफ सफाई नहीं हो रहा है तो बाकी जगह पर क्या होगा कुडाघर बना हुआ है सिर्फ नाम मात्र के लिए बना हुआ है कूड़ा कचरा सब जगह-जगह पड़ा हुआ है नहीं है कोई साफ सफाई की व्यवस्था स्थानीय ग्रामीणों का जिला प्रशासन से मांग है कि अस्पताल में साफ सफाई की व्यवस्था कराया जाए नहीं तो मरीज ठीक होने के बजाय और बीमार पड़ेंगे।

विदापुर की ऐतिहासिक रामलीला में पात्रों की दमदार प्रस्तुति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़ संवाद- क्षेत्र के विदापुर गांव में चल रही ऐतिहासिक रामलीला के सातवें दिन धर्म, नीति और वीरता से परिपूर्ण प्रसंगों का भव्य मंचन किया गया।विभीषण शरणागति, रामेश्वर स्थापना, अंगद-रावण संवाद, लक्ष्मण शक्ति, राम विलाप व कुम्भकर्ण वध जैसे प्रभावशाली प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। विभीषण शरणागति प्रसंग में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की करुणा और क्षमा का अद्भुत दर्शन हुआ। रामेश्वर स्थापना के दृश्य में भगवान श्रीराम द्वारा भगवान शंकर की आराधना का भावपूर्ण चित्रण किया गया।अंगद-रावण संवाद में अंगद (जलज उर्फ दिवाकर पांडेय) के निर्भीक अभिनय और रावण (प्रशांत शुक्ला) के तेजस्वी संवादों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।राम की भूमिका सचिन तिवारी, लक्ष्मण की राहुल सिंह, और मेघनाद की मुरारी पांडेय ने निभाई। कुम्भकर्ण वध प्रसंग में धर्म और अधर्म के संघर्ष की प्रभावशाली प्रस्तुति से, पूरा परिसर ÷जय श्रीराम÷ और ÷हर हर महादेव÷ के नारों से गूंज उठा। संचालन सचिन पांडेय ने किया। इस अवसर पर गुड्डू पाण्डेय नीरज मिश्रा, अनुप मिश्रा, विशाल मिश्रा, गंगाराम यादव, लल्ला गोंड, लल्लू पांडेय, देवी प्रसाद पांडेय,गौरव पांडेय, ओंकार पांडेय,सहित सैकड़ों गणमान्य लीला प्रेमी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

11 स्थानों से हटाया गया अवैध अतिक्रमण

ब्यूरो प्रयागराज- जनपद प्रयागराज के सभी तहसीलों में अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध आपूर्ति जिलाधिकारी के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है। दिनांक 29.10.2025 को बंजर, खलिहान, नवीन परती, चकमार्ग, तालाबी रकबा, सभी भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध व्यापक अभियान के क्रम में जनपद के सभी तहसीलों में कार्यवाही करते हुए कुल 11 स्थानों से अवैध अतिक्रमण हटाया गया। तहसील सोरांव के ग्राम सरायनन्दन उर्फ समसपुर में बंजर एवं चकमार्ग, मलाक हरहर उपरहार में चकमार्ग, ग्राम कंजिया में नाली एवं रास्ते की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया। तहसील कोरांव के ग्राम घेघसाही में खाद गड्ढा, खजुरी कला व पियरी में चकमार्ग की भूमि, कंचनपुर में नाली की भूमि व वसुही में ऊसर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया। तहसील मेजा के ग्राम कोसडा कला में नाली की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया है। तहसील फूलपुर के ग्राम एतमाद पुर उर्फ मिश्रापुर में चकमार्ग, ग्राम परासिनपुर में खलिहान खाते की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया है। जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा द्वारा सभी तहसील के उपजिलाधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों को निर्देषित किया गया है कि अतिक्रमण सम्बन्धित षिकायतों पर अविलम्ब कार्यवाही किया जाय, दूसरी ओर जिलाधिकारी प्रयागराज ने सभी उपजिलाधिकारी व तहसीलदार को निर्देषित किया है कि तहसील स्थित सरकारी भूमि/ग्राम सभा की भूमि का नवीन सर्वे करवायें तथा इसके आधार पर अतिक्रमण की श्रेणियों का निर्धारण करें तथा अतिक्रमण के विरूद्ध तद्नुसार कार्यवाही करें। अब तक इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आये तथा आने वाले दिनों में अतिक्रमण के विरूद्ध अभियान निरन्तर जारी रहेगा।

जिलाधिकारी द्वारा सभी तहसीलों में सप्ताह में एक दिन शिकायतकर्ता सम्मेलन का आयोजन करने का निर्देश

ब्यूरो प्रयागराज- जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने एवं प्रार्थनापत्रों की समयबद्ध जांच, कार्यवाई एवं समस्याओं के निस्तारण के निर्देश सभी उपजिलाधिकारियों को दिए है। उन्होंने समस्याओं के निस्तारण में विलम्ब होने एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न होने के कारण एक ही शिकायतकर्ता द्वारा एक ही प्रकरण की बार-बार जनता दर्शन व अन्य माध्यमों से उनके समक्ष शिकायत किए जाने के दृष्टिगत सभी उपजिलाधिकारियों को सप्ताह में एक दिन तहसील सभाकक्ष में ''शिकायतकर्ता सम्मेलन'' का आयोजन कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने उपजिलाधिकारियों को एक ही जनशिकायत की पुनरावृत्ति वाले ऐसे प्रकरणों को सूचीबद्ध कर सम्बंधित शिकायतकर्ता को तहसील सभाकक्ष में बुलाकर प्रकरण से सम्बंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ जनसुनवाई कर शिकायतों का नियमानुसार उचित निराकरण कराये जाने एवं कृतकार्यवाही से उन्हें भी अवगत कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि जन-शिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि ऐसे शिकायत के प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुए शिकायतकर्ता का फीडबैक भी लिया जाये और शिकायतों के निस्तारण से शिकायतकर्ता को संतुष्ट भी किया जाये।

बेकाबू कार ने कई वाहन में मारी टक्कर, एक की मौत और तीन घायल

प्रयागराज। छोटी दीपावली की शाम की तरह एक बार फिर शहर में हिट एंड रन की घटना हुई है। बुधवार सुबह चौफटका में तेज रफ्तार कार ने कई कई वाहनों में टक्कर मारते हुए भाग निकली। टक्कर लगने से एक महिला समेत चार लोग घायल हो गए। इसमें से रोहित नामक व्यक्ति की मौत हो गई है जबकि पप्पू अग्रहरि सहित अन्य का इलाज चल रहा है। बताया गया है कि कार पर दिल्ली का नंबर लिखा। चालक कार को लेकर फरार हो गया है। उसकी तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है। घायलों को काल्विन अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे पहले छोटी दीपावली की शाम जगुआर कार ने आठ लोगों को कुचल दिया था, जिसमें एक इलेक्ट्रिशियन की मौत हो गई थी। फ़िलहाल इंस्पेक्टर कैंट सुनील कुमार का कहना है कि कार की टक्कर से एक युवक की मौत हुई है, जबकि तीन जख्मी हुए हैं। कार चालक की तलाश की जा रही है।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में कानपुर एवं प्रयागराज मण्डल की संयुक्त मण्डलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन

● स्टालों का अवलोकन करते हुए उत्पादों एवं योजनाओं के बारे में ली जानकारी।

गोष्ठी का उद्देश्य किसानों के सुझाव एवं उनकी समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण कराना है-मण्डलायुक्त।

किसान फार्मर रजिस्ट्रीकरण अनिवार्य रूप से करने फसल अवशिष्ट न जलाने तथा उसका उपयोग खेतों में खाद के रूप में किए जाने के लिए कहा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। मण्डलायुक्त प्रयागराज सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में बुधवार को जिला पंचायत सभागार में कानपुर एवं प्रयागराज मण्डल की संयुक्त मण्डलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी-2025 का आयोजन किया गया। मण्डलायुक्त प्रयागराज एवं सचिव कृषि इन्द्रविक्रम सिंह, जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर गोष्ठी का शुभारम्भ किया। गोष्ठी के आरम्भ में मण्डलायुक्त ने जिला पंचायत परिसर में लगायी गयी कृषि व अन्य सम्बंधित विभागों के द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया तथा विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन करते हुए उत्पादों एवं योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। मण्डलायुक्त के द्वारा आयोजित गोष्ठी में प्राकृतिक खेती योजना में प्रशिक्षित कृषि सखियों को मोबाइल फोन वितरित किया गया। मुख्य अतिथि मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि गोष्ठी का उद्देश्य किसानों के सुझाव एवं उनकी समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण कराना है। उन्होंने कहा कि गोष्ठी में विभिन्न जनपदों से आयें हुए किसानों के द्वारा जो सुझाव एवं समस्यायें बतायी गयी, सम्बंधित विभागों के अधिकारी उनपर कार्रवाई करते हुए उनका निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को समझना और उनपर कार्यवाही किए जाने का यह बहुत ही कारगर फोरम होता है। मण्डलायुक्त ने कहा कि किसान भाई अपनी आय को बढ़ाने के लिए बाजार की मांग के अनुसार फसल का उत्पादन करें। जहां पर जिस चीज की मांग अधिक होती है उसी के अनुसार कृषि उत्पादन करने से अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। मण्डलायुक्त ने दोनों मण्डल के सभी मुख्य विकास अधिकारियों को अपने-अपने जिलों के क्षेत्रों का अगले 10 दिनों में भ्रमण करके किसानों की समस्याओं का निराकरण कराने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के प्रगति व उन्नति के लिए कृतसंकल्पित है तथा इसके लिए सरकार के द्वारा कई योजनाएं संचालित की गयी है तथा योजनाओं में सरकार के द्वारा सब्सिड़ी भी दी जा रही है। किसान भाई इन योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाकर अपनी आय को बढ़ा सकते है। मण्डलायुक्त ने कहा कि कृषि गोष्ठी में कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा कृषि तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी, कृषक इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि किसानों के द्वारा यहां पर जो अपने अनुभव साझा किए गए है वह दूसरे कृषकों के लिए लिए अनुकरणीय हैं तथा कृषक इससे प्रेरणा लेकर उसके अनुसार खेती कर सकते है। मण्डलायुक्त ने गोष्ठी में कृषकों की समस्याओं का समुचित समाधान कराये जाने हेतु आश्वस्त किया। सचिव, कृषि इन्द्र विक्रम सिंह ने गोष्ठी में कृषकों द्वारा उठायी गयी समस्याओं को सुनते हुए उनके समाधान कराये जाने के बारे में आश्वस्त किया। उन्होंने किसानों को किसान फार्मर रजिस्ट्रीकरण अनिवार्य रूप कराये जाने के लिए कहा। उन्होंने किसानों को फसल अवशिष्ट को न जलाये जाने तथा उसका उपयोग खेतों में खाद के रूप में उपयोग किए जाने के लिए कहा। साथ ही साथ मत्स्य पालन, मुर्गी पालन सहित कृषि विभाग से जुड़े हुए अन्य कार्यों को करते हुए अपनी आय को बढ़ाये जाने के लिए कहा प्राकृतिक खेती, औषधीय खेती एवं फसल चक्र अपनाये जाने के लिए प्रेरित किया। उपस्थित अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनपद की समस्याओं का परीक्षण अपने स्तर से कर लें तथा जिसका समाधान शासन स्तर पर अपेक्षित हो उसे उपलब्ध करायें। उन्होंने विद्युत विभाग को किसानों के लिए बनाये गये अलग फीडर पर निर्धारित घण्टे के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा। सरकार के द्वारा किसानों के उन्नति एवं प्रगति के लिए अनेक योजनाओं पर सब्सिडी दी जा रही है। कृषक इन योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाये। उन्होंने कहा कि खाद एवं बीज की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता रहे, इसके लिए किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाये। गोष्ठी में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए रबी फसलों के लिए की गयी तैयारी तथा किसानों के द्वारा किस प्रकार कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है, के बारे में बताते हुए श्री अन्न एवं आधुनिक कृषि को अपनाये जाने एवं फसल अवशेष को न जलाये जाने के लिए कहा। निदेशक, कृषि डा0 पंकज त्रिपाठी द्वारा अवगत कराया गया कि इस वर्ष पिछले वर्ष से अधिक कृषि निवेश की उपलब्ध्ता सुनिश्चित करायी गयी है। दोनों मण्डलों में प्रदेश की गेहॅं की 8 प्रतिशत, दलहन की 4.4 प्रतिशत तथा तिलहन की 12 प्रतिशत क्षेत्र में क्षेत्राच्छादन कराया जायेगा। जनपद प्रयागराज मण्डल की उत्पादकता कानपुर मण्डल से कम होने की जानकारी दी गयी। उन्होंने अवगत कराया कि रबी की मुख्य फसल गेहूँ एवं चना में प्रयागराज मण्डल की उत्पादकता प्रदेश की उत्पादकता से कम है जबकि कानपुर मण्डल की उत्पादकता अधिक है। उन्होंने कृषकों से सही प्रजाति का चुनाव करने, संतुलित उर्वरकों का प्रयोग करने का सुझाव दिया गया। पवन कुमार विश्वकर्मा उप कृषि निदेशक प्रयागराज द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर गोष्ठी का समापन किया गया। इस अवसर पर समीक्षा गोष्ठी में कृषि एवं संवर्गीय विभागों के मण्डलीय/जनपदीय अधिकारियों एवं विभिन्न जनपदों के प्रगतिशील कृषकों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

भारत ईरान संबंधों को दर्शाता शैक्षिक भ्रमण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कल्चर प्रमोशन हेतु भारतआयी इरानी पर्यटकों की सोलह सदस्यीय टीम बेलाल अस्दक के नेतृत्व में जनपद प्रयागराज में अवस्थान के दौरान राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय में अपनी सांस्कृतिक विरासत को नजदीक से अवलोकन कर प्रसन्नचित हुये। पुस्तकालय में पाण्डुलिपि अधिकारी श्री गुलाम सरवर के निर्देशन में प्राविधिक सहायक फारसी डॉ0 शाकिरा तलत के द्वारा फारसी के लगभग एक दर्जन से अधिक पाण्डुलिपियों का अवलोकन कराया गया। प्राविधिक सहायक संस्कृत हरिश्चन्द्र दुबे ने उन्हे संकृत पाण्डुलिपियों का अवलोकन कराया तथा उनका महत्व भी बताया 7 पाण्डुलिपियों का अवलोकन करने के बाद टीम ने संयुक्त रूप से अपना वक्तव्य दिया जो निम्नवत है। "आज हमें प्रयागराज स्थित राजकीय पांडुलिपि पुस्तकालय का भ्रमण करने का बहुमूल्य अवसर प्राप्त हुआ। यह यात्रा हमारी यात्रा के सबसे यादगार शैक्षणिक अनुभवों में से एक साबित हुई, क्योंकि हमें मुगल काल की फ़ारसी पांडुलिपियों का एक अद्भुत संग्रह देखने को मिला दुर्भाग्य से, ये कृतियाँ ईरानी विद्वानों के लिए अभी भी काफी हद तक अपरिचित हैं।" इस बहुमूल्य संग्रह में, अवेस्ता और अन्य प्राचीन ईरानी-भारतीय ग्रंथों के मुद्रित और हस्तलिखित संस्करण मुझे विशेष रूप से आकर्षक लगे, जो ईरान और भारतीय उपमहाद्वीप के बीच गहन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अंतर्संबंधों को दर्शाते हैं। हम डॉ. बिलाल असदक, डॉ. शाकिरा तलत और श्री गुलाम सरवर के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते है, जिनके उदार सहयोग और मार्गदर्शन से यह शैक्षिक भ्रमण संभव हो पाई। निःसंदेह, इस सहयोग की पहचान और ईरानी तथा अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक समुदाय के समक्ष विद्वत्तापूर्ण परिचय भारत में मुगल काल और पूरे उपमहाद्वीप में संरक्षित फ़ारसी साहित्यिक एवं बौद्धिक विरासत पर शोध के नए रास्ते खोल सकता है।" इमाम खुमैनी अंतर्राष्ट्रीय क़ज़्विन विश्वविद्यालय में फ़ारसी भाषा और साहित्य की प्रोफ़ेसर शिरीन सादिग ने बताया कि इस सांस्कृतिक यात्रा में राजकीय पांडुलिपि पुस्तकालय की पांडुलिपियों के दर्शन से हमें यह ज्ञात हुआ कि भारत सरकार ऐसी प्राचीन कलाकृतियों के संरक्षण के प्रति कितनी सजग है,इससे हमें प्रोत्साहन और खुशी मिली। इस सांस्कृतिक यात्रा ने हमें पहले से कहीं अधिक यह सिद्ध कर दिया है कि ईरान और भारत के बीच का संबंध दोनों देशों के गहरे इतिहास में निहित है, जो सांस्कृतिक समानताओं पर आधारित है। यह अनमोल विरासत वर्तमान युग में दोनों देशों के संबंधों को और मज़बूत बनाने के लिए एक अपूरणीय धरोहर है। हमें आशा है कि इस तरह की सांस्कृतिक विरासत के कार्यक्रमों के विस्तार से ईरान से और अधिक शोधार्थी शैक्षिक भ्रमण पर आएंगे तथा इन साझा धरोहरों पर अनुसंधान कर इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने का कार्य करेंगे और दोनों देश का सांस्कृतिक सेतु पहले से भी अधिक मज़बूत होगा। हमारी मनोकामना है कि इस साझा विरासत के आलोक में यह दीर्घकालिक संबंध दिन-प्रतिदिन और मजबूत होता जाए, तथा सभी क्षेत्रों में अधिक संवाद और सहयोग का मार्ग खुले।" 16 सदस्यीय निम्न पर्यटकों पर्यटकों क्रमशः श्रीमती मासूम तगा दुसी, मेंहदी फाजली, मेंहदी बाबई श्रीमती शिरीन सेझोरी, नाज़नीन हैदरी, एम. आर. मोहम्मद मोहम्मद तगा, श्रीमती जेईना, मुस्तफा अब्बासी, श्रीमती फॉरजाने, श्री अब्बास असनासरी, श्रीमती जैनब , श्रीमती मरियम आदि को तारीख ए आलमगीर, गुलिस्तान ए सादी ,उर्दू भाषा के भागवत और रामायण, महाभारत, कुरान शरीफ़,आइन ए अकबरी, वाल्मीकि रामायण संस्कृत, 4 फीट लंबा तोगरा,खतूत -ए -आलम गिरी, मुगल बादशाहों के फरमान, रामायण मसीही, तारीख ए हिंद आदि ग्रंथो का अवलोकन कराया गया द्य पर्यटकों द्वारा उत्सुकतापूर्वक पांडुलिपियों का चित्र भी कमरे में कैद किया गया पांडुलिपि अधिकारी गुलाम सरवर के द्वारा आए हुए अतिथियों के प्रति आभार प्रकट एवं स्वागत किया गया।

पत्रकार एल.एन. सिंह हत्याकांड पर जनसत्ता दल तथा क्षत्रिय महासभा की अहम बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। पत्रकार स्वर्गीय एल.एन. सिंह की हत्या के मामले को लेकर जनसत्ता दल लोकतांत्रिक (राजा भैया की पार्टी) तथा अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों ने आज सिविल लाइंस स्थित जनसत्ता दल कार्यालय में एक अहम बैठक की।बैठक में यह निर्णय लिया गया कि स्वर्गीय एल.एन. सिंह के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इस दौरान सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर एक बड़ी सहायता राशि एकत्र की, जिसे शीघ्र ही पीड़ित परिवार को उनके घर जाकर सौंपी जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से प्रयागराज जनसत्ता दल के अध्यक्ष एस.पी. सिंह, महानगर प्रधान महासचिव बी.के. सिंह राजू , मानवेंद्र सिंह राष्ट्रीय संरक्षक अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, सुरेश प्रताप सिंह मंडल अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, इंजीनियर राजेश सिंह महानगर अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, आर.के. सिंह चौहान, इंजीनियर जय कीर्ति सिंह, इंजीनियर सत्येंद्र सिंह, अमित सिंह, सुनील सिंह, विकास सिंह सोमवंशी विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष जनसत्ता दल , आलोक प्रजापति, डा . पंकज पांडेय उपाध्यक्ष जनसत्ता दल, शिवाकांत त्रिपाठी, रागिनी रावत सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

51 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 20 पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम

वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी सफलता के रूप में छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों के सामने 51 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें 20 नक्सलियों पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण, जिसमें नौ महिला नक्सली भी शामिल थीं, राज्य सरकार द्वारा जारी शांति और पुनर्वास प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के अनुसार, माओवादी सरकार की पुनर्वास नीति और क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों से प्रेरित थे। यादव ने कहा कि हिंसा का रास्ता छोड़ने का उनका फैसला राज्य सरकार के शांति, संवाद और विकास के माध्यम से नक्सलवाद के उन्मूलन के चल रहे अभियान में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

फूलपुर में पैसे का लालच देकर धर्म परिवर्तन में लगे 3 के खिलाफ केस दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। फूलपुर थाना क्षेत्र के अतरौरा गांव में ईसाई मिशनरियों द्वारा गरीब हिंदुओं को पैसे का लालच देकर धर्म परिवर्तन कराने वाले 3 आरोपियों के खिलाफ फूलपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है। फूलपुर कस्बे के पूरेमहारथ लोचनगंज निवासी शांतनु तिवारी विश्वहिंदू परिषद के पदाधिकारी है उन्हें जानकारी मिली कि फूलपुर थाना क्षेत्र के अतरौरा गांव में इन दिनों ईसाई मिशनरियों द्वारा दलित समाज के गरीब लोगों को पैसे का लालच देकर हिंदू धर्म के स्थान पर ईसाई बनाए जा रहे है जानकारी मिलते ही वह अपने दल बल के साथ अतरौरा गांव बुधवार को दोपहर में पहुंच गए तो कुछ लोग दरबार लगाकर कुछ लोगों को प्रभावित कर उन्हें समझा रहे थे कि हिन्दू देवी देवताओं की फोटो अपने अपने घरों से निकाल कर फेंक दीजिए इनके स्थान पर प्रभु यीशु की फोटो लगाकर पूजा करिए तो आप सब का परिवार सुखी रहेगा। शांतनु तिवारी ने जब अपने साथियों के साथ उसका विरोध किया तो दरबारी लोग गाली गलौज और मारपीट पर उतारू हो गए जिससे क्षुब्ध होकर वह अपने टीम के साथ थाने पहुंच कर अतरौरा गांव निवासी कुमारी शिवानी ,अनारा देवी उर्फ सीमा और अभिषेक कुमार के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया तो पुलिस एक्शन मोड में आकर जांच पड़ताल शुरू कर दी। लेकिन क्या यहां के लोग स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करना चाहते है या उन्हें पैसा की लालच दी गई यह तो जांच का विषय तो नहीं। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ दिन पहले एक आदेश किया था कि कोई अपनी स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन किया या पैसे या किसी और चीज के लिए।

रेलवे का फैसला, माल ढुलाई के लिए बने EDFC पर पहली बार दौड़ेंगी यात्री ट्रेनें, छठ पर्व के बाद वापसी में होगी सुविधा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय रेलवे एक नया इतिहास रचने जा रहा है। देश में पहली बार माल ढुलाई के लिए बने ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कारीडोर (ईडीएफसी) पर यात्री ट्रेनें दौड़ेंगी। यह ऐतिहासिक शुरुआत 28 अक्टूबर से हुई। छठ पूजा के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यह बड़ा कदम उठाया है। इस कदम से न केवल मुख्य रेल मार्गों पर दबाव कम होगा, बल्कि यात्रियों को समय पर गंतव्य तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।

छठ पूजा के बाद लौटने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी

छठ पूजा पर्व का आज समापन हुआ। इस दौरान लाखों लोग अपने घरों को लौटते हैं और पर्व के बाद वापसी करते हैं। इस भीड़ को संभालने के लिए रेलवे ने कई विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। इनमें से छह ट्रेनें फ्रेट कारीडोर के रास्ते चलेंगी।

दो ट्रेनों का शेड्यूल जारी

अभी दो ट्रेनों का शेड्यूल जारी हो चुका है, जिनमें गया-शकुरबस्ती (दिल्ली) और दानापुर-शकुरबस्ती विशेष ट्रेनें शामिल हैं। ये ट्रेनें प्रयागराज के रास्ते दिल्ली तक जाएंगी। फ्रेट कारीडोर पर यात्री ट्रेनों का संचालन एक अनूठा प्रयोग है। ये ट्रेनें उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के चुनार से फ्रेट कारीडोर में प्रवेश करेंगी और दादरी तक इसी मार्ग पर चलेंगी। इसके बाद चिपियाना बुजुर्ग में ये ट्रेनें फिर से दिल्ली-हावड़ा मुख्य रेल मार्ग पर लौट आएंगी।

छठ पूजा के बाद भारी भीड़ वापस लौटेगी

इस व्यवस्था से मुख्य मार्ग पर नियमित ट्रेनों का संचालन सुचारू रहेगा और विशेष ट्रेनें भी समय पर चल सकेंगी। रेलवे के इस कदम से यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। छठ पूजा के बाद वापसी करने वाले यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार को सूर्योदय के साथ ही छठ व्रत पूरा हुआ और लोग अपने गंतव्यों की ओर रवाना होंगे। इस दौरान ट्रेनों में भारी भीड़ होने की संभावना है। रेलवे का यह नया प्रयोग न केवल समय की बचत करेगा, बल्कि यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुगम यात्रा भी सुनिश्चित करेगा।

क्या बोले एनसीआर के जनसंपर्क अधिकारी

उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया, फ्रेट कारीडोर पर यात्री ट्रेनों का संचालन एक नया और महत्वपूर्ण कदम है। अभी दो ट्रेनों का नोटिफिकेशन जारी किया गया है, जो दिल्ली के शकुरबस्ती तक जाएंगी। इस कदम से यात्रियों को समय पर यात्रा सुविधा मिलेगी और मुख्य मार्ग पर भी दबाव कम होगा।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रों का विरोध-प्रदर्शन और धरना, मारपीट करने वाले सुरक्षाकर्मी को हटाने की मांग की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सोमवार को सुरक्षाकर्मी और छात्र के बीच में हुई नोक-झोंक और हाथापाई के विरोध में छात्र लाइब्रेरी गेट के अंदर धरने पर बैठ गए हैं। छात्र सुरक्षाकर्मी को हटाने की मांग पर अड़े रहे।

छात्रों ने जमकर नारेबाजी भी की

छात्रों ने हाथों में तख्तियां और पोस्टर लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छात्रों के आक्रोश और समूह को देखते हुए एहतियात के तौर पर विश्वविद्यालय परिसर में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

दिशा छात्र संगठन से जुड़े छात्र से हुई थी नोक-झोंक

सोमवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में दिशा छात्र संगठन से जुड़े छात्र और सुरक्षा कर्मियों के बीच नोक-झोंक और हाथापाई हुई थी। इसका किसी ने वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया था। हालांकि दैनिक जागरण प्रसारित वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा- मारपीट नहीं की गई थी

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप था कि सुरक्षाकर्मी ने छात्र को ईश्वर टोपा भवन के पीछे ले जाकर जमकर मारा-पीटा। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना था कि मारपीट नहीं की गई। जो छात्र निलंबित था, उसको परिसर में प्रवेश करने से रोक लगाई गई थी।

छात्र पर सुरक्षाकर्मियों से हाथापाई का आरोप

रोक के बाद भी वह केपीयूसी गेट के सामने से होते हुए परिसर में प्रवेश कर गया था। सुरक्षा कर्मियों ने जब उसको रोकने की कोशिश की तो उसने सुरक्षा कर्मियों से हाथापाई की। इसके विरोध में छात्रों का समूह लाइब्रेरी गेट पर प्रदर्शन कर रहा है।

प्रयागराज शहर में भी इस बार गूंजेगी सामूहिक विवाह की शहनाई, आए हैं कई आवेदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। Mukhyamantri Samuhik Vivah Yojana मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की शहनाई इस बार शहर में भी गूंजेगी। कारण, योजना के तहत नवंबर में होने वाले आयोजन में जो 800 आवेदन आए हैं, उनमें करीब 250 जोड़े शहर क्षेत्र के हैं। मई में भी एक सामूहिक विवाह हुआ था, लेकिन तब शहर के एक भी आवेदन नहीं थे।

मई में 513 जोड़े विवाह के बंधन में बंधे थे

सामूहिक विवाह योजना के तहत नवंबर के पहले सप्ताह में आयोजन होना है। इसके लिए आवेदन पहले से आ रहे हैं। इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। इससे पहले मई में भी एक आयोजन हुआ था। इसमें 513 जोड़े शादी के बंधन में बंधे थे।

अब प्रत्येक जोड़े पर एक लाख रुपये खर्च

पहले सरकार की ओर से प्रत्येक जोड़े पर 51 हजार रुपये खर्च किए जा रहे थे। बाद में इसे बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया गया है। अब अगले आयोजन में इसका लाभ मिलेगा। इसमें 60 हजार रुपये विवाहिता के खाते में जाएंगे। 15 हजार रुपये आयोजन और 25 हजार रुपये वर-वधू को दिए जाने वाले सामान की खरीद पर खर्च होंगे।

पिछले आयोजन में शहर का एक भी जोड़ा नहीं था

मई में हुए आयोजन में सिर्फ गंगापार व यमुनापार के वर-वधू ही शामिल हुए थे। शहरी क्षेत्र का कोई आवेदन नहीं आया था। इसलिए, शहर में सामूहिक विवाह हुआ ही नहीं।अगले आयोजन के लिए करीब 800 आवेदन अब तक आ चुके हैं। इनमें से लगभग 250 आवेदन शहरी क्षेत्र के वर-वधुओं के हैं। इसे देखते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार शहर में भी सामूहिक विवाह का समारोह होगा।

कौशांबी में सात लोग 59 किलोग्राम से ज्यादा गांजा के साथ पकड़े गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज कौशांबी। क्षेत्राधिकारी चायल अभिषेक सिंह ने बताया कि बुधवार को सैनी थानाक्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 2 पर स्थित एक दुकान पर दबिश दी गई तथा वहां से सात गांजा तस्करों (संजय त्रिपाठी, संदीप कुमार, पंकज विश्वकर्मा, रामकुमार सोनकर, राहुल यादव, सुनील जायसवाल एवं सुनील कुमार पटेल) को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि उनके कब्जे से 59 किलोग्राम 245 ग्राम गांजा बरामद किया गया तथा उन तस्करों में पांच कौशांबी तथा दो प्रतापगढ़ जनपद के हैं। पुलिस के अनुसार बरामद गांजा की अनुमानित कीमत 15 लाख रुपए बताई जा रही है। दो मोटरसाइकिल, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू, 15750 रुपये नगद तथा छह मोबाइल बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन तस्करों ने पूछताछ करने पर बताया कि यह दुकान कड़ाधाम क्षेत्र के अकबरपुर सिपाह के पंकज त्रिपाठी ने किराये पर ले रखी है और वही दुकान पर गांजा मंगवाता है। पुलिस के अनुसार इन तस्करों ने बताया कि वेलोग पंकज त्रिपाठी से ही गांजा खरीद उसे आसपास के जिलों एवं मध्यप्रदेश में बेचते हैं। वैसे मौके पर पंकज मौजूद नहीं था। सिंह के अनुसार इन गांजा तस्करों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है तथा उन्हें न्यायालय में पेश किया जायेगा।फरार गांजा तस्कर पंकज त्रिपाठी की तलाश की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

पार्किंग 26 लाख, लकड़ी बाजार 6.50 लाख में बिका:बलिया के ऐतिहासिक ददरी मेला के लिए लगी बोली, यू-ट्यूब पर लाइव प्रसारण

बलिया- ऐतिहासिक ददरी मेले से संबंधित पार्किंग और लकड़ी बाजार की नीलामी मंगलवार की शाम संपन्न हुई। गंगा बहुउद्देशीय सभागार में हुई इस नीलामी में पार्किंग के लिए 26 लाख रुपए और लकड़ी बाजार के लिए 6.50 लाख रुपए की सर्वाधिक बोली लगाई गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी के समक्ष यह खुली नीलामी की गई। इस दौरान दर्शक, बोलीकर्ता और अधिकारी मौजूद रहे। नीलामी का यू-ट्यूब पर सीधा प्रसारण भी किया गया। लकड़ी मार्केट के लिए सुदर्शन प्रसाद फार्म ने 6.50 लाख रुपए की सर्वाधिक बोली लगाई। यह राशि पिछले वर्ष की 4.25 लाख रुपए की बोली से अधिक है। पार्किंग के लिए एस के कंस्ट्रक्शन ने 26 लाख रुपए की सबसे ऊंची बोली लगाई। पिछले वर्ष पार्किंग की बोली 22.50 लाख रुपए थी, जो इस बार बढ़ गई है। कुछ कारणों से झूला और प्रदर्शनी की बोली मंगलवार को संपन्न नहीं हो पाई। मेला प्रभारी और सीआरओ त्रिभुवन ने बताया कि इनकी संयुक्त नीलामी 31 अक्टूबर को शाम 3 बजे खुली बोली के माध्यम से की जाएगी। इस बार झूले की नीलामी में प्रदर्शनी की भूमि को भी शामिल किया जाएगा। कुल 80 लट्ठा भूमि का मूल्य 90 लाख रुपए निर्धारित किया गया है।

श्रीमद भागवत कथा और कलश यात्रा में शामिल हुए जिप उपाध्यक्ष संघ के प्रदेश अध्यक्ष किशुन यादव

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही प्रखंड के गया रोड स्थित हरि नगर में अधिवक्ता रामचंद्र साव के आवास पर आयोजित श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञान महायज्ञ तथा चतरो निवासी चंद्रिका यादव एवं दिनेश यादव के यहाँ आयोजित एकादशी उद्यापन के अवसर पर निकाली गई कलश यात्रा में जिला परिषद उपाध्यक्ष संघ के प्रदेश अध्यक्ष किशुन यादव शामिल हुए। धार्मिक माहौल में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। कलश यात्रा में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भक्ति गीतों और जयकारों के साथ पूरे गांव का भ्रमण किया। भक्ति संगीत से पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक माहौल में सराबोर हो उठा। कार्यक्रम में शामिल होकर किशुन यादव ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और एकता को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि धर्म और संस्कृति हमारी पहचान हैं, इन्हें संजोकर रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने आयोजकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से नई पीढ़ी को संस्कार और आध्यात्मिकता की प्रेरणा मिलती है। मौके पर चंद्रिका यादव, दिनेश यादव, सीताराम यादव, संतोष यादव, बीरेंद्र यादव, महेश यादव, विजय यादव, सोनू यादव, दीपू यादव, बिपिन यादव, रिशु यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

फिरोजाबाद में ननिहाल आए युवक को कमरे में बंद कर पीटा, पांच पर प्राथमिकी दर्ज

क्राइम

शिकोहाबाद। भाई दूज पर मायके आई महिला के बेटे को गांव के ही पांच लोगों ने कमरे में बंद कर बेरहमी से पीटा। जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने घायल का चिकित्सीय परीक्षण कराकर पांच आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना दक्षिण क्षेत्र के मुहल्ला नई बस्ती रेलवे स्टेशन निवासी पार्वती गुरुवार को बेटे रवि के साथ नौशेहरा में आई थी। आरोप है कि इसी दौरान गांव के लोगों ने उसके बेटे के साथ गाली गलौज की। विरोध करने पर कमरे में बंद कर लात-घूंसों से पीटा गया। इंस्पेक्टर अनुज कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर राजकुमार, हिमांशु, विजय कुमार, गुलशन और मोहित निवासी नौशहरा के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयराम रमेश का तंज राष्ट्रघाती घृणित मानसिकता - हिन्दू विचार मंच पाकुड़िया इकाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड :- कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयराम रमेश के राष्ट्रघाती तंज की तीखे शब्दों में निंदा करते हुए हिन्दू विचार मंच, पाकुड़िया इकाई ने इसे देशद्रोह करार दिया है और कठोर कार्रवाई की मांग की है। मंच ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राहुल गांधी सदैव ही देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आड़ में राष्ट्रीय हित के विरुद्ध बातें कहकर देशविरोधी तत्वों को सह देते रहे हैं। मंच ने कहा कि कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश द्वारा यह कहते हुए तंज कसना कि "क्या मोदी डोनाल्ड ट्रंप से डरते हैं?", पूरी तरह से राष्ट्रविरोधी मानसिकता को दर्शाता है। मंच ने सवाल के जवाब में दावा किया कि ग्यारह वर्षों के नरेन्द्र मोदी के सफल नेतृत्व में भारत विश्व की चौथी सबसे तेज़ी से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बन चुका है और निकट भविष्य में तीसरी बनने की राह पर अग्रसर है। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रेटिंग इन दिनों 72 प्रतिशत है, जो किसी भी अन्य विश्व नेता से अधिक है, जबकि ट्रंप मात्र 22 प्रतिशत पर अटके हुए हैं। मंच ने कहा कि भारत को "डेड इकोनॉमी" कहने वाले ट्रंप का संतुलन बिगड़ चुका है, जबकि अमेरिकी खरबपति सोरोस एवं ट्रंप के मोहरे बने कांग्रेसी नेता राहुल गांधी और जयराम रमेश सत्ता की बिछोह में राष्ट्रविरोधी तत्वों के तलवे चाटकर कागज़ी शेर बन अपनी झेंप मिटा रहे हैं। स्मरण रहे, विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सम्मेलन में यह कहा था कि "मैं जापान, चीन की यात्रा कर आया हूं," तो लोगों के तालियां बजाने पर उन्होंने पूछा कि "क्या आप इसलिए तालियां बजा रहे हैं कि मैं सकुशल लौट आया?" प्रधानमंत्री के इस वक्तव्य के पीछे गहरा संदेश था। मंच ने कहा कि ट्रंप ने भारत को विकसित राष्ट्र बनने की राह में अवरोध डालने हेतु कई प्रयास किए, लेकिन वे असफल रहे। उन्होंने रूस से तेल न खरीदने के लिए भारत पर दबाव बनाने के तहत रूसी तेल कंपनियों पर शिकंजा कसा, परंतु सर्वाधिक सदमा ट्रंप को तब लगा जब चीनी शिखर वार्ता में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उपस्थिति ने उन्हें झकझोर दिया।

मंच ने कहा कि तीनों देशों का एक मंच पर होना अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठान "डीप स्टेट" को रास नहीं आया। देश का प्रबुद्ध वर्ग जानता है कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ प्रधानमंत्री मोदी को उनकी कार पर 45 मिनट तक बैठना क्यों पड़ा। भारतीय, रूसी और इजरायली खुफिया एजेंसियों ने प्रधानमंत्री को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए की गहरी साज़िश की सूचना दी थी। इधर 26 से 28 अक्टूबर तक मलेशिया में आयोजित सम्मेलन में प्रधानमंत्री वर्चुअल रूप से भाग लेने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति के आमंत्रण पर हमास समझौते में भाग न लेने को लेकर जयराम रमेश का तंज राष्ट्रीय हित के विरुद्ध है। उनका यह कहना कि "बच के रहना रे बाबा, बच के रहना खिली" – अपने आप में संदिग्ध है। मंच ने सवाल उठाया कि क्या यह टिप्पणी प्रधानमंत्री के खिलाफ अमेरिकी "डीप स्टेट" और सीआईए की साज़िश के संदर्भ में की गई है? हिन्दू विचार मंच ने कहा कि ढाका के एक होटल में अमेरिकी सैन्य अधिकारी की रहस्यमय मौत, उसके बाद संबंधित दस्तावेजों का गायब हो जाना, पुतिन के साथ प्रधानमंत्री की 45 मिनट की बातचीत और इन सबके बीच कांग्रेस प्रवक्ता का दो बार प्रधानमंत्री पर तंज कसना – इन सभी घटनाओं की गहराई से जांच भारत की खुफिया एजेंसियों को करनी चाहिए, क्योंकि यह मामला सीधे राष्ट्रीय हित से जुड़ा हुआ है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसो. के पूर्व अध्यक्ष के भतीजे की हत्या में मां-बेटे को जेल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंह के चचेरे भतीजे मीडियाकर्मी लक्ष्मी नारायण सिंह उर्फ पप्पू हत्याकांड की साजिश में गिरफ्तार किए गए शाहिल और उसकी मां विजेता को कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद मंगलवार को दोनों को पुलिस ने जेल भेज दिया।

अन्य आरोपितों को भी सजा दिलाने का प्रयास

मां और बेटे पर कार्रवाई के बाद अब पुलिस इस हत्याकांड में कई अन्य लोगों की भी भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि मुकदमे में जल्द से जल्द चार्जशीट दाखिल करते हुए आरोपितों को सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

यूपी में 600 मीटर और बिहार में 1500 मीटर लंबा बनेगा गाइड बंधा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बैरिया। दिल्ली रेल बोर्ड के निरीक्षण के बाद नवनिर्मित माझी रेल पुल पर सरयू नदी के दबाव को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश व बिहार दोनों साइड में कुल 2100 मीटर लंबा गाइड बंधा बनाया जाएगा। ऐसे में बाढ़ आने की दशा में रेल पुल को नुकसान नहीं होगा। रेल कंस्ट्रक्शन विभाग ने इसके लिए 50 करोड़ रुपये की डीपीआर बनाई है। इसका टेंडर होना बाकी है। पुल के यूपी साइड में 30.5 मीटर की दूरी पर एक पिलर व बिहार साइड में 30.5 मीटर की दूरी पर एक पिलर यानी कुल दो पिलर व पुल पर स्टील गार्डर आदि के लिए 36 करोड़ रुपये का टेंडर दो माह पूर्व हो चुका है। बाढ़ के कारण निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हुआ है। फरवरी तक निर्माण कार्य पूरा करना है। आईओडब्ल्यू मांझी चंद्रशेखर राय ने बताया कि डीपीआर भेजी गई है। टेंडर की कार्रवाई पूरी होने पर कार्य शुरू होगा। बताया कि 1500 मीटर गाइड बंधा बिहार साइड में व 600 मीटर गाइड बंधा उत्तर प्रदेश साइड में बनेगा। वहीं पुल के दोनों छोर पर एक-एक कुल दो पिलर बढ़ाए जाएंगे। इसके लिए रेलवे ने 36 करोड़ रुपये स्वीकृत कर दिया है, टेंडर भी हो चुका है। एक सप्ताह में मैटेरियल व मशीनें कार्य स्थल पर आ जाएंगी। उसके बाद काम शुरू होगा। 206 करोड़ रुपये की लागत से 19 पिलर के नए पुल का निर्माण रेलवे ने एक साल पूर्व कराया था। पुल की जांच करने पहुंची गोरखपुर रेलवे टीम ने पुल में खामी बता दी थी।

तब से बकुल्हा व माझी रेलवे स्टेशन के बीच एक ही लाइन पर पुराने रेल पुल के रास्ते ट्रेनों का संचालन होता है। पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर की जांच टीम ने तकनीकी खामी की आपत्ति लगाते हुए दिल्ली के रेल मुख्यालय को रिपोर्ट भेज दी थी। जांच के बाद दिल्ली की टीम ने पुल के दोनों छोर पर कुल दो पिलर बनाने के साथ ही कुल 2100 मीटर का गाइड बंधा बनाने का निर्देश दिया था। हालांकि पुल का एक पिलर भी टेढ़ा हो गया था, लेकिन उस समय इंजीनियरों की टीम ने पिलर को सीधा कर दिया था।

गोमिया-ललपनिया मुख्य मार्ग पर ओएनजीसी ने लगाई 45 सोलर स्ट्रीट लाइट, ग्रामीणों में खुशी की लहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बोकारो, झारखंडः- अंधेरे में डूबे गोमिया-ललपनिया मुख्य सड़क मार्ग अब रात में भी रौशन नजर आएंगे। पुलिस प्रशासन, गोमिया एवं लुगुबुरु घांटा बाडी धोरोमगाढ़ समिति, ललपनिया की पहल पर ओएनजीसी सीबीएम परिसंपत्ति, बोकारो द्वारा इस सड़क पर 45 सोलर स्ट्रीट लाइटों का सफल अधिष्ठापन किया गया है। यह कार्य हस्तशिल्प विकास संस्थान के माध्यम से पूरा किया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समिति के सदस्यों की मांग पर अंचल पुलिस गोमिया-तेनुघाट की सक्रियता से यह योजना मूर्त रूप ले सकी। अब लगभग तीन किलोमीटर लंबे इस जंगल मार्ग पर रात के समय आने-जाने वालों को रोशनी की सुविधा मिलेगी। लुगुबुरु घांटा बाडी समिति के सदस्यों और तुलबुल पंचायत की मुखिया ने बताया कि जल्द ही होने वाले लुगुबुरु घांटा बाडी राजकीय महोत्सव के मद्देनजर यह कार्य अत्यंत उपयोगी साबित होगा। अंचल निरीक्षक जीतेन्द्र कुमार के निर्देशन में इस कार्य को पूरा किया गया। वहीं, समिति के अध्यक्ष बबली सोरेन, सचिव लोबिन मुर्मू, उपसचिव मिथलेश किस्कू, सदस्य मेघराय मुर्मू, फूलचंद हेमरोम और मुखिया प्रतिनिधि मुकेश कुमार ने स्थल पर निगरानी रखी। इस परियोजना को सफल बनाने में ओएनजीसी सीबीएम परिसंपत्ति प्रबंधक श्री त्रुन्निकृष्णन नायर, सीएसआर टीम के श्री दयानंद कालुंडिया मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन, डॉली कुमारी उप महाप्रबंधक मानव संसाधन सह समन्वयक, सीएसआर तथा शशि कुमार वरिष्ठ राज्य भाषा पदाधिकारी सह एफपीआर, सीएसआर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके अतिरिक्त संस्था के सचिव नरेश ठाकुर तथा समाजसेवी दीपक प्रसाद और भोला साव ने भी इस कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल के लिए ओएनजीसी बोकारो, हस्तशिल्प विकास संस्थान, गोमिया पुलिस प्रशासन और लुगुबुरु घांटा बाडी धोरोमगाढ़ समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। इस पहल से न सिर्फ क्षेत्र में रात्रिकालीन आवागमन सुरक्षित हुआ है, बल्कि स्थानीय लोगों में उत्साह और सुरक्षा की भावना भी बढ़ी है।

बिहार चुनाव में व्यस्त होने के बावजूद सांसद मनीष जायसवाल की दिख रही है संवेदनशीलता, दो शोकाकुल पत्रकार परिवारों की ली सुध

● अपने मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को भेजा उनके घर, पहुंचाया शोक संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने अपनी राजनीतिक व्यस्तताओं के बीच भी हजारीबाग शहरी क्षेत्र के दो शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनशीलता का परिचय दिया है। भले ही सांसद मनीष जायसवाल फिलहाल भाजपा शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के पक्ष में प्रचार में जुटे हैं, लेकिन उनकी सक्रियता और संवेदनशीलता लगातार कायम है। बुधवार को सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग शहर के दो वरिष्ठ पत्रकारों के परिवारों की सुध ली, जिन्होंने हाल ही में अपने प्रियजनों को खोया है। सांसद मनीष जायसवाल ने अपने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को इन शोकाकुल परिवारों से मिलकर उन्हें सांत्वना देने का निर्देश दिया। सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने शोकाकुल पत्रकार सोनू केशरी के हुडहुडू बाबा पथ स्थित आवास और पत्रकार संजय लाल विश्वकर्मा उर्फ़ रामू कुमार के कानी बाज़ार, मुनका बगीचा स्थित आवास पहुंचकर उनके परिवारजनों से मिलकर उनका हिम्मत बढ़ाया। रंजन चौधरी के साथ पत्रकार सागर कुमार भी साथ रहें। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने दोनों शोकाकुल पत्रकार के परिवारों से मुलाकात की और उन्हें सांसद मनीष जायसवाल की ओर से शोक संदेश पहुंचाया। उन्होंने परिवार के सदस्यों को ढाढस बंधाया और हिम्मत बढ़ाने की कोशिश की।

उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोक संतप्त परिवारों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। ज्ञात हो कि हजारीबाग के पत्रकार सोनू केशरी के पिता गणेश प्रसाद केशरी का निधन हृदयगति रुकने से हुआ था। वहीं पत्रकार संजय लाल विश्वकर्मा उर्फ़ रामू कुमार की 65 वर्षीय माताजी कुमकुम देवी का आकस्मिक निधन बीते दिनों एक असाध्य रोग के कारण हो गया था ।

गोपाष्टमी पर हजारीबाग गौशाला में होगा भव्य आयोजन, अनूप भाई ने लोगों से की शामिल होने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हज़ारीबाग, झारखंड- गोपाष्टमी के पावन अवसर पर आज हजारीबाग गौशाला, पिंजरापुर में भव्य धार्मिक आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर कोलांचल संघर्ष समिति के संस्थापक एवं बरकट्ठा विधानसभा प्रत्याशी अनूप भाई ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में मेले में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि गोपाष्टमी का पर्व गौ सेवा, भक्ति और सनातन संस्कृति के संरक्षण का प्रतीक है।अनूप भाई ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल कार्तिक शुक्ल अष्टमी के दिन गोपाष्टमी पर्व मनाया जाता है। यह दिन भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गायों की सेवा की शुरुआत के रूप में अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस दिन श्रद्धालु गौ पूजन और श्री राधा-कृष्ण की आराधना करते हैं।

गोपाष्टमी 2025 की तिथि और शुभ मुहूर्त :

अष्टमी तिथि आरंभः 29 अक्टूबर 2025, बुधवार सुबह 09:23 बजे। अष्टमी तिथि समाप्तः 30 अक्टूबर 2025, गुरुवार सुबह 10:06 बजे। पूजन तिथि (उदय तिथि अनुसार): 30 अक्टूबर 2025, गुरुवार। पूजा का शुभ मुहूर्तः सुबह 06:35 से 07:57 बजे तक। इस शुभ समय में पूजा करने से भक्तों को सौभाग्य, आनंद और भगवान श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्त होती है।

गोपाष्टमी क्यों मनाई जाती है?

धार्मिक मान्यता के अनुसार, जब नन्हे श्रीकृष्ण मात्र 6 वर्ष के थे, तब उन्होंने माता यशोदा से कहा कि वे अब बछड़ों के साथ-साथ गायों की चरवाही भी करेंगे। यशोदा मैया ने नंद बाबा से अनुमति लेने को कहा। नंद बाबा ने पंडित जी से शुभ मुहूर्त पूछवाया, जिन्होंने बताया कि आज ही गाय चराने का सर्वश्रेष्ठ समय है। तभी श्रीकृष्ण ने प्रसन्न होकर गायों को चराने का आरंभ किया। उसी स्मृति में हर वर्ष कार्तिक शुक्ल अष्टमी को गोपाष्टमी का पर्व मनाया जाता है।

गोपाष्टमी का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व :

गौ माता को सभी देवताओं का निवास स्थान माना गया है। गोसेवा और गोपूजन से घर में सुख, समृद्धि और शांति बढ़ती है।वैवाहिक और पारिवारिक जीवन में प्रेम और सामंजस्य बना रहता है। नकारात्मक ऊर्जा दूर होकर स्वास्थ्य लाभ की प्राप्ति होती है। गौ ग्रास और दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इस दिन श्रीकृष्ण की पूजा करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

गोपाष्टमी पर पूजा-व्रत की परंपरा :

इस दिन गौ माता को स्नान, तिलक, पुष्प और चारा अर्पित किया जाता है। श्रद्धालु श्री राधा-कृष्ण की पूजा कर व्रत रखते हैं और गौशालाओं में दान-पुण्य करते हैं।

गोपाष्टमी पर्व कहां प्रसिद्ध है?

गोपाष्टमी पर्व ब्रज क्षेत्र, वृंदावन, मथुरा सहित पूरे उत्तर भारत में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

अनूप भाई ने कहा कि गोपाष्टमी का दिन केवल पर्व नहीं, बल्कि धर्म, सेवा और सद्भाव का संदेश देने वाला दिवस है। हम सभी को इस दिन गौसेवा और कृष्ण भक्ति के माध्यम से अपने जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का आह्वान करना चाहिए।

चौपारण पुलिस को मिली सफलता, बैटरी चोरी करते दो को पकड़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- चौपारण जिले में चोरी, लूट एवं डकैती जैसे अपराधों पर लगाम लगाने के लिए हजारीबाग पुलिस निरंतर अभियान चला रही है। इसी क्रम में चौपारण थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सोमवार देर शाम चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गरमोरवा स्थित मिनी सोलर प्लांट से बैटरी चोरी कर भाग रहे एक गिरोह को पुलिस ने दबोच लिया। मामले की जानकारी देते हुए चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने बताया कि वादी सुमित कुमार सिंह, जो एम/एस स्विचर रांची में प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं, द्वारा ग्राम गरमोरवा में पिछले वर्ष मिनी सोलर प्लांट लगाया गया था। 28 अक्टूबर की शाम ग्रामीणों द्वारा सूचना दी गई कि कुछ अज्ञात लोग पिकअप वेन में प्लांट की बैटरियों को लोड कर ले जा रहे हैं। जानकारी मिलते ही वादी ने तत्काल चौपारण थाना को सूचना दी। घटना की सूचना तत्काल पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को दी गई। एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही के नेतृत्व में एक

विशेष छापामारी टीम गठित की गई। गिरफ्तार चोर से सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह बोकारो जिले के तेलों क्षेत्र से अपने अन्य साथियों के साथ चोरी करने आया था।

चोरी के दौरान उपयोग की गई एक एलटो कार को सियारकोणी स्थित सीएम होटल के पीछे छिपाकर रखा गया था, साथ ही चोरी की गई बैटरियों को पिकअप वेन से ट्रक में लोड कर ले जाने की योजना भी बनाई गई थी। पुलिस टीम ने तत्काल सटीक स्थान पर छापामारी कर घटना में प्रयुक्त एलटो कार एवं एक ट्रक को भी बरामद कर लिया। इस पूरे मामले में चौपारण थाना कांड संख्या 296/2025, दिनांक 28/10/2025 के तहत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की प्रक्रिया की जा रही है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान तौसिफ उमर, उम्र 23 वर्ष, निवासी तेलों, थाना चन्द्रपुरा, जिला बोकारो तथा वाहिद हुसैन, उम्र 34 वर्ष, निवासी बड़कीपोना, थाना रजरप्पा, जिला रामगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से स्पार्क कंपनी की 120 पीस बैटरियां, एक पिकअप वेन, एक एलपीटी ट्रक, एक एलटो कार तथा एक ओप्पो कंपनी का स्मार्टफोन बरामद किया है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही अजित कुमार विमल, पु0नि0 चंद्रशेखर कुमार, थाना प्रभारी चौपारण सरोज सिंह चौधरी, अनुसंधानकर्ता पुअनि0 दिव्य प्रकाश सिंह, पुअनि0 रवि रंजन समेत थाना रिजर्व गार्ड शामिल रहे।

कचरों से घिरा गोपालगंज: 5 नगर निकायों से 200 ट्रॉली कचरा हर दिन शहर में किया जा रहा डंप, बीमारी की बढ़ी संभावनाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपालगंज। व्यवस्था तो बनी है कचरे के उचित निस्तारण की। इसके लिए सरकार ने कचरे के उचित निस्तारण व कचरा प्रबंधन की व्यवस्था नगर निकायों में लागू करने का निर्देश दिया है। इसके बावजूद जिले के पांच शहरी इलाकों में यह व्यवस्था अबतक लागू नहीं हो सकी है। यहां अब भी गोपालगंज, मीरगंज, हथुआ, बरौली तथा कटेया नगर निकाय क्षेत्र में कचरे को एक स्थान से उठाकर दूसरे स्थान पर डालने की व्यवस्था चल रही है। नगर निकाय क्षेत्र से निकले कचरे को हाइवे व अन्य सड़क के किनारे डंप किया जाता है। हद तो तब हो जाती है, जब कचरे में कई बार आग लगा दी जाती है। ऐसे में आग से निकले धुएं से हाइवे से होकर गुजरने वाले वाहनों के साथ दुर्घटना की संभावनाएं

प्रबल हो जाती है। बात जिला मुख्यालय से शुरू करें तो गोपालगंज नगर परिषद क्षेत्र में कचरा के रख रखाव के लिए नगर निकाय के स्तर पर अच्छी व्यवस्था दिखती है। कई चौक-चौराहे पर सूखा कचरा व गीला कचरा के लिए अलग-अलग डस्टबिन लगा हुआ है। इस व्यवस्था को देखकर बाहर से नगर परिषद गोपालगंज में व्यवस्था ठीक नजर आती है। जब बात कचरे के उठाव की आती है, तब नगर निकाय के स्तर पर सूखे व गीले कचरे के साथ कोई भी भेदभाव नहीं दिखता। दोनों कचरे को एक ही ट्राली पर रखने के बाद उन्हें दूसरे इलाके में ले जाकर ठिकाने लगा दिया जाता है। कचरे को शहर से उठाने के बाद शहर से दूर ले जाया जाता है और सड़क के किनारे गिरा दिया जाता है। यह व्यवस्था नगर निकास क्षेत्र में पिछले पांच दशक साल से चल रही है।

बूंदाबांदी ने बढ़ाई किसानों की चिंता, धान के साथ रबी की फसलों पर भी मंडरा रहे संकट के बादल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपालगंज। मौसम के बदलते मिजाज ने एक बार फिर किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मंगलवार की तड़के से जिले में आसमान में बादल छा गए और कई इलाकों में रुक-रुक कर बूंदाबांदी होती रही। पहले से ही जलजमाव और अतिवृष्टि की मार झेल रहे किसान अब नई फसल को लेकर असमंजस में हैं। ग्रामीण इलाकों में किसानों का कहना है कि यदि दोबारा तेज बारिश हुई, तो धान की बची-खुची फसल पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी।

भारी वर्षा ने पहले ही किसानों को पहुंचाया नुकसान

पिछले महीने आए चक्रवाती तूफान और भारी वर्षा से पहले ही किसानों की धान की फसल को काफी नुकसान पहुंचा था। जिन खेतों में फसल तैयार थी, वहां जलजमाव के कारण कटाई संभव नहीं हो पाई।

कुछ किसानों ने कठिन परिस्थितियों में सीमित मात्रा में धान की कटाई तो की, लेकिन अब मेंथा तूफान के असर से फिर मौसम बिगड़ने की आशंका ने उनकी चिंताओं को दोगुना कर दिया है। निचले इलाकों में पहले से जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

बूंदाबांदी से खेतों में नमी और जलभराव की स्थिति

इससे न केवल धान की फसल को नुकसान हुआ है बल्कि अब रबी और तिलहन फसलों की बुवाई भी संकट में है। किसानों को उम्मीद थी कि अगर खेतों से पानी सूख जाए तो वे देर से ही सही, गेहूं, चना, मसूर और सरसों जैसी फसलों की बुवाई कर सकेंगे। लेकिन लगातार हो रही बूंदाबांदी से खेतों में नमी और जलभराव की स्थिति कायम है, जिससे यह संभावना भी कमजोर होती जा रही है। जिन किसानों ने धान की कटाई कर ली है, लेकिन डोरी नहीं करा पाए हैं, उनके लिए भी यह मौसम भारी साबित हो सकता है। नमी और बारिश के चलते खेतों में पड़ी फसल सड़ने की स्थिति में पहुंच सकती है।

बारिश हुई तो रबी और तिलहन की फसलों पर पड़ेगा प्रतिकूल प्रभाव

कृषि विज्ञान केंद्र सिपाया के कृषि वैज्ञानिक डॉ. अभिषेक राणा ने बताया कि किसान पहले से ही अतिवृष्टि की मार झेल रहे हैं। यदि आने वाले दिनों में पुनः वर्षा हुई तो यह न केवल तैयार फसलों के लिए हानिकारक होगी, बल्कि रबी और तिलहन की बुवाई पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगी। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे मौसम पूर्वानुमान पर नजर रखें और खेतों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि नुकसान को कम किया जा सके। लगातार बदलते मौसम और बार-बार की वर्षा ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। अब उनकी निगाहें आसमान की ओर टिकी हैं कि कब बादल छटें और खेतों में फिर से नई उम्मीदें अंकुरित हों।

संक्षिप्त खबरें

मॉडल यूथ ग्रामसभा कार्यशाला में शामिल होंगे जिले के दो प्रधान

बलरामपुर। पंचायती राज, शिक्षा तथा जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 30 अक्तूबर को दिल्ली के डॉ. भीमराव आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में मॉडल ग्रामसभा कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में देश के 200 चयनित प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे। इसमें उत्तर प्रदेश से जिले के दो ग्राम प्रधानों का चयन किया गया है।= डीपीआरओ श्रेया उपाध्याय ने बताया कि पचपेड़वा विकास खंड के ग्राम रमवापुर के प्रधान शशि कुमार और ग्राम धवाई के ग्राम प्रधान अनुज कुमार मिश्रा शामिल हैं। दोनों प्रधानों का नामांकन निर्धारित प्रारूप पर चयनित कर मंत्रालय को प्रेषित किया गया है। यह पहल युवाओं को ग्रामसभा की प्रक्रिया से जोड़ने और स्थानीय शासन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक सार्थक कदम है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में प्रतिभागियों को मॉडल ग्रामसभा की अवधारणा, युवाओं की भूमिका, डिजिटल ग्राम शासन प्रणाली और सामाजिक सहभागिता जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम पंचायतों को आधुनिक, सहभागी और युवाओं की सोच के अनुरूप विकसित करना है।

सिद्धार्थनगर में डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के दौरान नदी में डूबी बालिका की शव तीसरे दिन मिली

सिद्धार्थनगर। जिले के समय माता कठेला थाना अंतर्गत स्थित नवेल गांव के पास बूढ़ी राप्ती नदी में सोमवार शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने गई हुई थी,उसी दौरान बहते गुब्बारे को पकड़ने के लिए आगे बढ़ी और गहरे पानी में डूब गई थी, मंगलवार शाम तक स्थानीय गोताखोरों ने नदी में तलाशते रहे लेकिन पता नहीं चल पाया था, बुधवार सुबह से स्थानीय पुलिस टीम और गोताखोरों की टीमें जगह- जगह नदी में तलाश कर ही रहे थे,कि बुधवार दोपहर बाद नदी घाट के पांच सौ मीटर दूर पर गोताखोरों और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम के मदद से लापता पूजा निषाद दस वर्षीय पुत्री जग्गू निषाद की लाश बरामद कर लिया गया। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि मृतका पूजा निषाद की लाश को नदी के पानी से बाहर निकलवाकर पंचनामा भरवाकर लाश पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, और विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गोपाष्टमी पर्व पर श्री सद्गुरु गौसेवा केंद्र में हुआ गौपूजन

चित्रकूट- धर्मनगरी स्थित श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित गौसेवा केंद्र में गोपाष्टमी के अवसर पर बुधवार को गौपूजन का आयोजन किया गया। इस दौरान गौ सेवा केंद्र की संचालिका उषा बी. जैन, मिलोनी बेन सहित भारतभर से पधारे गौभक्तों ने गौमाता का पूजन-अर्चन कर पुण्य अर्जित किया। कार्यक्रम के दौरान गौसेवा केन्द्र संचालिका उषा बी. जैन ने बताया कि श्री सद्गुरु गौ सेवा केंद्र की स्थापना वर्ष 1998 में सेठ अरविंदभाई मफतलाल की प्रेरणा से की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य निराश्रित, निरीह एवं वृद्ध गौमाताओं की सेवा करना है। उन्होंने बताया कि प्रारंभ में केवल 50 गौवंश के साथ शुरू हुई यह गौशाला आज 1200 से अधिक गौमाताओं की सेवा का केंद्र बन चुकी है। बताया कि गौशाला में गौमाता के लिए चारे-भूसे की समुचित व्यवस्था के साथ चिकित्सीय सुविधाएं भी श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाती हैं। साथ ही यह गौशाला क्षेत्र की विकसित गौशालाओं में आदर्श है तथा इसमें गौमाता का समुचित पंजीयन डिजिटल रूप से आधुनिक रूप से रखा जाता है। पूजन कार्यक्रम के बाद उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने गौमाता की परिक्रमा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान गौ माता की जय के जयघोष से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा।

उचित दर विक्रेता लाभांश के लिए हलकान पीपरखाड़ के डीलर ने सीएम पोर्टल पर की शिकायत, दिसंबर 2025 से राशन न उठाने की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/सोनभद्र, उत्तर प्रदेश- सोनभद्र जिले के विकास खण्ड कोन की ग्राम पंचायत पीपरखाड़ के उचित दर विक्रेता (राशन डीलर) अलखनारायण को पिछले कई महीनों से लाभांश (कमीशन) नहीं मिला है, जिसके कारण वह गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। मार्च 2025 से लेकर अब तक का लाभांश बकाया होने से क्षुब्ध होकर, उन्होंने एक बार फिर मुख्यमंत्री (CM) पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। यह उनकी दूसरी शिकायत है। शिकायतकर्ता अलखनारायण ने अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए अधिकारियों पर केवल कोरा आश्वासन देने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आश्वासनों के बावजूद भुगतान नहीं हो रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पूरी तरह से लड़खड़ा गई है। उन्होंने अपने लिखित शिकायती पत्र में स्पष्ट किया है कि उचित दर विक्रेता की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उनकी सारी व्यवस्थाएं ठप पड़ गई हैं। कमीशन ही उनकी आय का मुख्य स्रोत होता है, जिसके रुके रहने से परिवार का भरण-पोषण मुश्किल हो गया है। लाभांश भुगतान में लगातार हो रही देरी से परेशान होकर, अलखनारायण ने एक बड़ा कदम उठाते हुए प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर तत्काल लाभांश का भुगतान नहीं होता है तो दिसंबर 2025 का राशन नहीं उठाया जायेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। यह चेतावनी सीधे तौर पर लाभार्थियों को राशन वितरण प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है, जिससे हजारों गरीब परिवारों को राशन से वंचित होना पड़ सकता है। इस मामले में जब पूर्ति निरीक्षक निर्मल सिंह से बात की गई, तो उन्होंने लाभांश भुगतान में देरी की बात को स्वीकार किया। निर्मल सिंह ने कहा कि भुगतान में देरी के पीछे कुछ तकनीकी कारण हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि शासन द्वारा हरसंभव प्रयास कर लाभांश का भुगतान जल्द से जल्द करा दिया जायेगा। फिलहाल, अलखनारायण की शिकायत और उनकी चेतावनी ने स्थानीय प्रशासन पर दबाव बढ़ा दिया है। अब देखना यह है कि प्रशासन तकनीकी खामियों को दूर कर उचित दर विक्रेताओं को उनका लंबित लाभांश कब तक जारी करता है और दिसंबर 2025 में राशन वितरण बाधित होने से बचाता है या नहीं। चूंकि यह मामला अब मुख्यमंत्री पोर्टल पर चला गया है और इसमें दिसंबर 2025 से राशन न उठाने की चेतावनी शामिल है, क्या आप चाहेंगे कि मैं मुख्यमंत्री पोर्टल पर इस शिकायत की वर्तमान स्थिति या अन्य जिलों में भी उचित दर विक्रेताओं की लाभांश की स्थिति के बारे में जानकारी खोजूँ।

ओबरा नगर पंचायत पर भ्रष्टाचार का कलंक छठ घाट पर अव्यवस्था से बीमार पड़े बच्चे-बुजुर्ग, EO-अध्यक्ष पर सरकार की छवि बिगाड़ने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा, सोनभद्र। आस्था के महापर्व छठ के सफल आयोजन के दावे के बीच, सोनभद्र की ओबरा नगर पंचायत पर बजट दुरुपयोग और गंभीर लापरवाही के आरोप लगे हैं। नगर विकास मंत्री को भेजी गई एक शिकायत में कहा गया है कि छठ घाटों पर घोर अव्यवस्था के कारण लगातार तीन घंटे की भारी बारिश में व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं को सुरक्षा नहीं मिल पाई, जिसके परिणामस्वरूप कई बच्चे और बुजुर्ग बीमार पड़ गए। शिकायतकर्ता ने पर्व की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए ओबरा नगर पंचायत द्वारा बरती गई लापरवाही पर तीखा हमला किया है। शिकायत के अनुसार, छठ कार्यक्रम के दौरान मौसम विभाग ने 4 दिनों से भारी बारिश की चेतावनी दी थी और बूंदाबांदी भी हुई थी। इन चेतावनियों के बावजूद, ओबरा नगर पंचायत द्वारा बनाए गए कुल 16 छठ घाटों पर न तो त्रिपाल की व्यवस्था की गई और न ही बरसात से बचाव का कोई उपाय किया गया। तेज बारिश के दौरान व्रती महिलाएं, बुजुर्ग और छोटे बच्चे अपने साथ लाई गई चटाई या घाटों पर टंगे बैनर-पोस्टर के सहारे खुद को और अपने परिवार को बचाने का नाकाम प्रयास करते रहे, जो अत्यंत कष्टदायी क्षण था। शिकायत में इस बात पर विशेष जोर दिया गया है कि नगर पंचायत की लापरवाही का सीधा खामियाजा श्रद्धालुओं को भुगतना पड़ा। पानी में भीगने से कई बच्चे और कई बुजुर्ग बीमार पड़ गए, इसकी कौन है ज़िम्मेदार। शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि छठ घाटों पर सुरक्षा की व्यवस्था न करना सीधे तौर पर व्रतियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है, जिसकी ज़िम्मेदारी ओबरा नगर पंचायत अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी (EO) पर आती है। अव्यवस्था और बजट दुरुपयोग के आरोपों के साथ ही, शिकायतकर्ता ने ओबरा नगर पंचायत के अध्यक्ष और ईओ पर राजनीतिक दुर्भावना से कार्य करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि ओबरा नगर पंचायत अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी समाजवादी पार्टी की मानसिकता से ग्रसित हैं और जानबूझकर लापरवाही बरतकर सरकार की छवि बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस अव्यवस्था से जनता में यह संदेश जा रहा है कि नगर विकास मंत्रालय भी इस भ्रष्टाचार में सम्मिलित है, जिससे प्रदेश सरकार की छवि पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि ओबरा नगर पंचायत के अधिकारी झूठी रिपोर्ट पेश कर विभिन्न सरकारी योजनाओं में प्रथम स्थान पाने का कार्य करते हैं, जबकि सत्यता कुछ और है और वे सरकार को मूर्ख बना रहे हैं। शिकायतकर्ता ने अंत में नगर विकास मंत्री से आग्रह किया है कि उचित से उचित कार्यवाही की जाए, जिससे सरकार और मंत्री की छवि पर लगे भ्रष्ट आरोपों को मिथ्या साबित किया जा सके और भ्रष्टाचार को रोका जा सके। यह शिकायत ओबरा नगर पंचायत में छठ पर्व के नाम पर हुए खर्चों और व्यवस्थाओं पर एक गहन जांच की मांग करती है। चूंकि यह शिकायत सीधे तौर पर बजट दुरुपयोग और गंभीर स्वास्थ्य लापरवाही का संकेत देती है, क्या आप चाहेंगे कि मैं ओबरा नगर पंचायत को छठ पर्व के लिए आवंटित बजट के संबंध में कोई जानकारी खोजूँ।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत चार नवंबर से शुरु होगी गणना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट- अर्हता 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व राज्यीय राजनैतिक दलों के पदाधिकारी के साथ बुधवार को प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी जिलाधिकारी ने समस्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारी से कहा कि भारत निर्वाचन आयोग प्रावधानों के अनुसार समय पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) कराता है। बताया कि प्रदेश में इससे पूर्व वर्ष 2003 में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) हुआ था। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) का उद्देश्य मतदाता सूची में सभी अर्ह व्यक्तियों का नाम शामिल करना, अनर्ह व्यक्तियों का नाम हटाना व मतदाता के नाम व प्रविष्टियों की त्रुटियों को शुद्ध करना है। बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता दिनांक एक जनवरी 2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कराने के निर्देश दिए गए है। जिसमें तैयारी/प्रशिक्षण/मुद्रण 28 अक्टूबर (मंगलवार) से 03 नवंबर 2025 (सोमवार) तक, गणना अवधि चार नवंबर (मंगलवार) से चार दिसंबर 2025 (गुरुवार) तक, मतदान केंद्रों का युक्तिकरण/पुनर्व्यवस्था चार दिसंबर (गुरुवार) तक, नियंत्रण तालिका का अद्यतन और प्रारूप नामावली तैयार करना पांच दिसंबर (शुक्रवार) से आठ दिसंबर 2025 (सोमवार) तक, निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन 09 दिसंबर 2025 (मंगलवार) तक, दावे और आपत्तियाँ दाखिल करने की अवधि 09 दिसंबर 2025 (मंगलवार) से 08 जनवरी 2026 (गुरुवार) तक, सूचना चरण (जारी करना, सुनवाई और सत्यापन) गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावों व आपत्तियों का निपटारा निर्वाचन अधिकारी (ईआरओ) द्वारा 09 दिसंबर 2025 (मंगलवार) से 31 जनवरी 2026 (शनिवार) तक किया जाएगा। मतदाता सूचियों के स्वास्थ्य मानकों की जाँच और अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति तीन फरवरी 2026 (मंगलवार) तक व मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन सात फरवरी 2026 (शनिवार) को किया जाएगा।

बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के लिए बूथ लेवल एजेन्ट्स की नियुक्ति की गयी है ताकि समस्त अर्ह नागरिक निर्वाचक नामावली में पंजीकृत हो जायें एवं पहले से दर्ज नाम, पता, आयु एवं अन्य प्रविष्टियों में विद्यमान त्रुटियों को दूर कर दिया जाय तथा कोई भी अनर्ह मतदाता का नाम निर्वाचक नामावली में विद्यमान न रहे। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि पुनरीक्षण कार्य में सहभागिता बढ़ाने के लिए प्रत्येक मतदेय स्थल पर दल के बूथ लेवल एजेन्ट्स की नियुक्ति की सूची सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को जिला निर्वाचन कार्यालय को अविलम्ब उपलब्ध कर दें। बताया कि बीएलओ एवं राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची का अवलोकन करेंगे और सुधारों आदि की पहचान करेंगे। बताया कि एक बार किसी राजनीतिक दल से नियुक्त बीएलए, अपने पद में तब तक बने रहेंगे, जब तक कि संबंधित राजनीतिक दल द्वारा उनकी नियुक्ति रद्द नहीं कर दी जाती। राजनीतिक दलों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोग ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए को थोक में आवेदन दाखिल करने की अनुमति दी है, बशर्ते कि कोई बीएलए ड्राफ्ट प्रकाशन से पहले बीएलओ को प्रतिदिन 50 से अधिक फॉर्म और उसके बाद प्रतिदिन 10 से अधिक फॉर्म जमा नहीं करेगा। बीएलए आवेदन पत्रों की एक सूची इस वचन के साथ प्रस्तुत करेगा कि उसने आवेदन पत्रों के विवरणों का व्यक्तिगत रूप से सत्यापन कर लिया है और सभी सही हैं। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी स्वामीनाथ, कौंग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल, अपना दल (एस) के जब्बर सिंह पटेल, समाजवादी पार्टी के अमर पटेल, बसपा के सोनपाल वर्मा सहित संबंधित अधिकारी एवं अन्य राजनैतिक दलों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

नवागंतुक जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने संभाला कार्यभार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट- नवागन्तुक जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने बुधवार को कोषागार पहुंच कर कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद नवागन्तुक जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनहित के कार्यों को तत्परता एवं पारदर्शिता से संपादित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पहुँचाना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। साथ ही जनसुनवाई, कानून व्यवस्था एवं विकास कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी टीम भावना से कार्य करें ताकि जनपद के सर्वांगीण विकास में तेजी लाई जा सके। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अरुण कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे स्वप्निल कुमार यादव, उप जिलाधिकारी पूजा साहू सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे

सोनभद्र ओबरा-चोपन रोड पर ट्रैक्टर की टक्कर से बछड़े की मौत, विश्व हिंदू महासंघ ने की कड़ी कार्रवाई और दफनाने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र- उत्तर प्रदेश सोनभद्र जिले के ओबरा-चोपन रोड पर स्थित कमला पेट्रोल टंकी के सामने एक दुखद घटना सामने आई है, जहां एक ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से हुए हादसे में एक बछड़े की गंभीर रूप से घायल होने के बाद मौत हो गई। यह घटना सुबह लगभग 10 से 11 बजे के बीच हुई। घटना की सूचना मिलते ही विश्व हिंदू महासंघ के जिला संरक्षक ओम प्रकाश सिंह तत्काल मौके पर पहुँचे और मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत 112 नंबर डायल कर पुलिस को बुलाया। पुलिस के 112 नंबर वाहन के पहुंचने से पहले ही, दुर्घटनास्थल से बछड़े को हटा दिया गया और उसे रफा-दफा कर दिया गया। इस पर विश्व हिंदू महासंघ के कार्यकर्ताओं ने कड़ा विरोध जताया है। कार्यकर्ताओं ने पूछा है कि बछड़े के शव को कहाँ फेंका गया है।उनका स्पष्ट कहना है कि हिंदू सनातन धर्म के अनुसार, गौवंश होने के नाते, मृत बछड़े को फेंकने के बजाय सम्मानपूर्वक दफनाया जाना चाहिए। विश्व हिंदू महासंघ ने दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ट्रैक्टर चालक पर उचित और कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। विश्व हिंदू महासंघ के नगर अध्यक्ष सर्वेश दुबे ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने कहा है कि वह शाम को नगर पंचायत और ओबरा थाना प्रभारी को एक लिखित सूचना देंगे। इस सूचना का उद्देश्य हिंदू सनातन धर्म में गौ माता की रक्षा सुनिश्चित करना और यह आग्रह करना है कि जिनकी मृत्यु हो गई है, उन्हें फेंकने के बजाय दफनाया जाए, ताकि गौवंश का सम्मान बना रहे।यह घटना सोनभद्र में हिंदू संगठनों के बीच आक्रोश का कारण बन गई है, जो गौवंश के प्रति सम्मान और लापरवाह ड्राइवरों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

ओबरा गजराज नगर चौराहे से स्मृति चिन्ह हटाने की मांग पर भाजपा का प्रदर्शन, SDM और EO को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा, सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ओबरा मण्डल ने आज गजराज नगर चौराहे पर स्थापित एक स्मृति चिन्ह (या प्रतीक चिन्ह) को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। मण्डल अध्यक्ष शिव नाथ जायसवाल के नेतृत्व में भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नगर प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर इस चिन्ह को तत्काल प्रभाव से हटाए जाने की मांग की है। भाजपा कार्यकर्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल अपनी मांग को लेकर ओबरा नगर पंचायत के कार्यालय पहुंचा। उन्होंने अपनी मांग को लिखित ज्ञापन के माध्यम से उच्च अधिकारियों के सामने रखा। गजराज नगर चौराहे पर लगे स्मृति चिन्ह को तत्काल प्रभाव से हटाना। ओबरा नगर पंचायत के अधिशाषी अभियंता। नगर के उप जिला अधिकारी (SDM) भाजपा प्रतिनिधिमंडल द्वारा ज्ञापन सौंपने के बाद, दोनों प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। ओबरा नगर पंचायत के अधिशाषी अभियंता और उप जिला अधिकारी दोनों ने इस सम्बन्ध में उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। अधिकारियों के इस आश्वासन से भाजपा कार्यकर्ताओं में यह उम्मीद जगी है कि उनकी मांग पर जल्द ही गौर किया जाएगा और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान मण्डल अध्यक्ष शिव नाथ जायसवाल के साथ अनेक प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और मांग को पुरजोर तरीके से रखा। मौके पर उपस्थित प्रमुख कार्यकर्ता सुखनंदन चौरसिया,आलोक भाटिया,अनुज त्रिपाठी, नित्यानंद दुबे,विकास सिंह,उमाशंकर जयसवाल, विनय पटेल,डी के शर्मा,वीरेंद्र यादव, सुशील कुशवाहा, रोहित यादव, बिभाष घटक,भोला साहनी,शिशिर शर्मा भाजपा मण्डल अब प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद, उनके अगले कदम का इंतजार कर रहा है, जिसके आधार पर संगठन अपनी आगे की रणनीति तय करेगा।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट का निरीक्षण किया, लंबित मामलों की जानकारी ली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। नवागत जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जीएन द्वारा अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञान प्रकाश की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में जनता की समस्याओं की सुनवाई की गई। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि कलेक्ट्रेट जनता की समस्याओं के समाधान का केन्द्र है। प्रत्येक अधिकारी/कर्मचारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी नागरिक निराश होकर वापस न जाए। हर व्यक्ति के साथ संवेदनशीलता, सम्मान और तत्परता से समस्याओं का निस्तारण कराए तथा उनके साथ अच्छा व्यवहार किया जाए। जन सुनवाई के पश्चात् जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जीएन द्वारा अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञान प्रकाश के साथ कलेक्ट्रेट के समस्त पटलों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलों में अभिलेख सुव्यवस्थित एवं संधारित अवस्था में पाए गए तथा कार्यालय परिसर में स्वच्छता व्यवस्था सन्तोषजनक पाई गई। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों/ कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वह समय से अपने

कार्यालय में उपस्थित होकर अपने कार्यों का निष्ठापूर्वक एवं पारदर्शिता के साथ निष्पादन करेंगे। कोई भी पत्रावली लम्बित न रहे।

गलती करने वाले विभागों पर कार्यवाही के लिए सीएम को भेजा जाएगा पत्र- मनोहर लाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट - श्रम एवं सेवायोजन विभाग राज्य मंत्री व जनपद के प्रभारी मंत्री मनोहर लाल (मन्नू कोरी) की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्टरेट सभागार में कानून व्यवस्था एवं विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्री ने विकास कार्यों, सरकारी योजनाओं की प्रगति सहित अन्य बिन्दुओं की समीक्षा करते हुए समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि समीक्षा बैठक के दौरान जो कमियां सामने आती है, उनमें कार्यों को सही तरीके से पूरा नहीं कराया जाता। कहा कि सभी विभाग सही से कार्यों का कराते हुए रिपोर्ट शासन को भेजें। अगली बैठक में गलती पाई जाने पर मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कार्यवाही कराई जाएगी। सभी विभाग सरकार की मंशानुसार कार्य करें तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा विकास कार्यों के लिए दिए गए पत्रों के कार्यों को प्राथमिकता से कराए। कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ जनपद के पात्र व गरीब लोगों को मिलना चाहिए। इसमें लापरवाही करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। विकास कार्यों की गति में कमी नहीं आना चाहिए, जनपद के विकास के उद्देश्य से सभी अधिकारी कार्य करें। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग से कहा कि जो निर्धारित समय सीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण सड़कों का निर्माण कराया जाए। श्रम प्रवर्तन अधिकारी से कहा कि कैंप लगाकर पंजीकरण कर श्रमिकों को विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाए। अधिशासी अभियंता सिंचाई से कहा कि नहरों की सिल्ट सफाई सही तरीके से कराया जाए। उपनिदेशक कृषि से कहा कि किसानों को खाद की समस्या नहीं होना चाहिए। समय से किसानों को खाद-बीज उपलब्ध कराए। ग्रामीण अभियंत्रण सेवा से कहा कि सड़कों के कार्यों की सूची सभी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराए। मुख्य चिकित्साधिकारी से सभी शासकीय चिकित्सालय संचालित रहे तथा दवाओं की समस्या नहीं होनी चाहिए। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी को दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरित करने के निर्देश दिए।

अधिशासी अभियंता जल निगम से कहा कि जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को समय से पूरा करें तथा इसमें खराब हुई सड़कों को भी ठीक कराए। जिला पंचायत राज अधिकारी से कहा कि राज्य वित्त व 15वां वित्त आयोग की धनराशि से गांवों में कराए गए विकास कार्यों की जांच कराकर कार्यवाही से अवगत कराए। पर्यटन विकास द्वारा निर्माण कार्य में स्टोन पत्थर सही से न लगाने पर मुख्य विकास अधिकारी को जांच कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से कहा कि शासकीय गौशालाओं का संचालन सही तरीके से कराए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही न की जाए। प्रभारी मंत्री ने सीडीओ को अटल भूजल योजना के अंतर्गत कराई गई तालाबों की खुदाई की समिति गठित कराकर जांच कराने के निर्देश दिए। बैठक में मानिकपुर विधायक अविनाशचन्द्र द्विवेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे स्वप्निल कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी प्रत्युष कुमार कटियार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी, एआईजी स्टांप राजेश कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी सत्यराम यादव, डीसी एनआरएलएम ओमप्रकाश मिश्र, डीसी मनरेगा डीएन पांडेय, जिला पंचायत राज अधिकारी रमेश चन्द्र गुप्ता, जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ वैभव त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीडी विश्वकर्मा सहित सबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

30 और 31 को तेज हवाएं, बिजली व बारिश की संभावना

कानपुर नगर। शहर में लगातार दो दिन से हो रही बारिश के बाद बुधवार को हल्की धूप निकली, दो दिन की बारिश से तापमान में करीब चार डिग्री की कमी दर्ज़ की गई, आईएमडी की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञ डॉ एस एन सुनील पांडेय, ने बताया कि बादलों की आवाजाही बढ़ेगी , बुधवार को आवाजाही के बीच धूप निकलने की संभावना है, बूंदाबांदी भी हो सकती है,30/31 अक्टूबर को फिर से हल्की बारिश हो सकती है, इतना ही नहीं बुंदेलखंड व कानपुर मंडल के जिलों में तेज हवाओं के साथ बिजली गिरने की संभावना है, अगले तीन दिनों तक हवाएं चलने और बारिश की संभावना है, बताया जा रहा है कि मौसम में इन परिवर्तनों के बाद जाने वाले तीन दिनों में तापमान भी दो से तीन डिग्री तक गिर सकता है जिससे सुबह और शाम को ठंड बढ़ेगी,, बताया कि मोन्था के साथ साथ अरब सागर में एक अतिरिक्त साइक्लोन बना हुआ है, यदि दोनों आपस में टकराते हैं तो बारिश की गतिविधियां दो से तीन दिन और बनी रहेंगी,24 से 48 घंटों में एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस भी पहाड़ों में आएगा,इसी के साथ मोन्था भी आगे बढ़ेगा,यदि यह पश्चिम की ओर बढ़ा और सभी कनेक्ट हुए तो बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी।

रेलवे ने छठ के बाद चलाई दो स्पेशल ट्रेनें

कानपुर नगर। कानपुर छठ पर्व के बाद यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने दो जोड़ी त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है,यह ट्रेनें छपरा और लोकमान्य तिलक टर्मिनल के बीच संचालित होगी और कानपुर सेंट्रल होकर गुजरेगी,पहली स्पेशल ट्रेन संख्या 05083 छपरा से 29 अक्टूबर को रात आठ बजे रवाना होगी ,इसकी वापसी ट्रेन संख्या 05084 लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 31अक्टूबर को दोपहर दो बजे प्रस्थान करेंगी,यह ट्रेन गोरखपुर मार्ग से चलेगी, इसके अलावा स्पेशल ट्रेन संख्या 05051 छपरा से 28 अक्टूबर को चली थी,जो बुधवार सुबह 10*45 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंची,इसकी वापसी ट्रेन संख्या 05052 लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 30 अक्टूबर को दोपहर दो बजे से प्रस्थान कर अगले दिन दोपहर 1*55 बजे कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

जिले में चार दिन चलेगा दृष्टिबाधित बच्चों का स्क्रीनिंग कैम्प

सिद्धार्थनगर। विजन स्क्रीनिंग कैम्प प्रोजेक्ट प्रकाश के अंतर्गत डॉ0 श्राफ आई हॉस्पिटल के सहयोग से 04 से 18 आयु वर्ग के परिषदीय विद्यालय एवं अन्य सभी दृष्टिबाधित बच्चों के लिए आई स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन किया गया है। स्क्रीनिंग कैम्प में जांच के आधार पर बच्चों को आवश्यकतानुसार चश्मा अथवा ऑपरेशन आदि का मुफ्त में इलाज किया जाएगा। जिला समन्वयक सामुदायिक समेकित शिक्षा करुणापति त्रिपाठी ने बताया कि 30 अक्टूबर को बीआरसी बांसी में मिठवल, बांसी, खेसरहा, जोगिया, 31 अक्टूबर को बीआरसी डुमरियागंज में इटवा, डुमरियागंज, खुनियांव भनवापुर, 01 नवंबर को बीआरसी शोहरतगढ़ में जोगिया शोहरतगढ़ बढ़नी तथा 03 नवंबर को बीआरसी नौगढ़ में उसका बाजार, नौगढ़, लोटन, बर्डपुर के परिषदीय विद्यालय एवं गांव के अन्य सभी उक्त आयु वर्ग के बच्चों के लिए कैम्प का आयोजन किया गया है।उन्होंने बताया कि दृष्टि दिव्यंगता से संबंधित हल्के तथा गंभीर बीमारियों की जांच की जायेगी, सभी को आवश्यकतानुसार चश्मा उपलब्ध कराया जाएगा तथा आवश्यकता वाले बच्चों का ऑपरेशन वगैरह भी पूर्णतया मुफ्त में किया जाएगा। कैम्प में आने वाले बच्चों को अपने माता पिता अथवा किसी अभिभावक के साथ आना अनिवार्य होगा, साथ में आधार कार्ड, अथवा टीकाकरण कार्ड, दो मोबाइल नंबर, यदि पहले कहीं आंख दिखाया गया है तो उसका पर्चा आदि में साथ में लाना होगा। यदि कोई भी दस्तावेज नहीं है तो वह भी आ सकते हैं।

एसआईआर के लिए राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जिलाधिकारी ने की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर नगर। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित हुई और उन्हें स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण - SIR) के संबंध में समस्त नियमों और प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण आयोजित किया जा रहा है। निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 28 अक्तूबर से 3 नवम्बर तक तैयारियाँ, प्रशिक्षण और गणना प्रपत्रों का मुद्रण होगा। 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक बीएलओ घर-घर जाकर प्रपत्र वितरित करेंगे। 9 दिसम्बर को आलेख्य मतदाता सूची प्रकाशित होगी। 9 दिसम्बर से 8 जनवरी तक दावे और आपत्तियाँ दर्ज की जा सकेंगी। 9 दिसम्बर से 31 जनवरी तक नोटिस जारी करने, सुनवाई, सत्यापन और निस्तारण का कार्य संपन्न होगा। अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लगभग 22 वर्ष के अंतराल के बाद यह विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण हो रहा है। पिछली बार वर्ष 2003 में इस तरह का विशेष अभियान संपादित किया गया था। उन्होंने कहा कि यह अभियान मतदाता सूची को शुद्ध और समावेशी बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा इसकी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि गणना प्रपत्र-3, 27 अक्तूबर 2025 की मतदाता सूची के आधार पर प्रकाशित होगा। इस गणना प्रपत्र पर संबंधित बीएलओ का नाम और क्यूआर कोड अंकित रहेगा। 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर के बीच बीएलओ घर-घर जाकर यह प्रपत्र प्रत्येक मतदाता को उपलब्ध कराएंगे और उनसे भरे हुए प्रपत्र प्राप्त करेंगे। इन्हीं प्रपत्रों के आधार पर 9 दिसम्बर को ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद दावे-आपत्तियों का निस्तारण करते हुए 7 फरवरी 2026 को अंतिम सूची जारी की जाएगी।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि सभी दल अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नामित करें और मतदाताओं को प्रपत्र भरने में सहयोग दें। साथ ही अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करें ताकि अधिक से अधिक पात्र नागरिकों के नाम सूची में जुड़ सकें और त्रुटियाँ सुधारी जा सकें। उन्होंने यह भी बताया कि इस पुनरीक्षण में मतदाता अपने पुराने फोटो को अद्यतन करा सकेंगे। गणना प्रपत्र में परिवार का मुखिया स्वयं अपने परिवार के सभी सदस्यों का विवरण प्रमाणित कर सकेगा। साथ ही नागरिक अपने नाम की स्थिति और जानकारी निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https://www.nvsp.in या वोटर हेल्पलाइन ऐप पर भी देख सकेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की नींव है। प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम इसमें शामिल होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए आवश्यक है। सभी राजनीतिक दल इसमें सक्रिय सहयोग करें। बैठक में भाजपा, सपा, कांग्रेस, बसपा, माकपा, अपना दल (एस), आम आदमी पार्टी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. विवेक चतुर्वेदी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर अनुभव सिंह सहित विभिन्न तहसीलों के मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) मौजूद रहे।

आईएमए ने ब्रेन स्ट्रोक पर अपनी चिंता जाहिर की, विशेषज्ञों ने बताए इससे बचाव के तरीके

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन कानपुर शाखा द्वारा आज ÷वर्ल्ड स्ट्रोक डे÷ के अवसर पर एक पत्रकार वार्ता का आयोजन सेमिनार हाल आईएमए भवन टेंपल ऑफ सर्विस कानपुर में किया गया। इस पत्रकार वार्ता को आईएमए कानपुर के अध्यक्ष डॉ अनुराग मेहरोत्रा, डॉ शालिनी मोहन सचिव आईएमए कानपुर, डॉ. नवनीत कुमार, सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर एवं राजकीय मेडिकल कॉलेज, कन्नोज, डॉ. कुणाल सहाय, वरिष्ठ फिजिशियन, कानपुर, डॉ निखिल साहू इंचार्ज स्ट्रोक यूनिट जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज कानपुर एवं डॉ दीपक श्रीवास्तव, वैज्ञानिक सचिव आईएमए कानपुर, ने संयुक्त रूप से संबोधित किया।

आई0एम0ए0 कानपुर के अध्यक्ष डॉ अनुराग मेहरोत्रा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए इस बीमारी की गम्भीरता के विषय में बताया कि हर साल लगभग 1.2 करोड़ नए स्ट्रोक होते हैं। वैश्विक स्तर पर, 25 वर्ष से अधिक आयु के चार में से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में स्ट्रोक होगा। हर साल, लगभग 15% स्ट्रोक 15-49 वर्ष की आयु के लोगों में होते हैं। डॉ. नवनीत कुमार, सीनियर कंसल्टेंट न्यूर लॉजिस्ट एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर एवं राजकीय मेडिकल कॉलेज, कन्नौज, ने बताया कि आज ब्रेन स्ट्रोक दिवस है। और ब्रेन स्ट्रोक दुनिया में हृदय रोग से खत्म होने वाले रोग के बाद विश्व में मृत्यु दर में दूसरे नंबर पर है। हमारे देश में हृदय रोग के बारे में काफी जागरुकता है। लेकिन ब्रेन स्ट्रोक के लक्षणों की जानकारी के अभाव में ब्रेन स्ट्रोक को जल्दी नहीं पहचाना जाता है। इसमें समस्या यह है कि यदि रोगी को या उसके परिवार को यह जानकारी हो जाए कि व्यक्ति को ब्रेन स्ट्रोक हुआ है तो वह तुरंत अस्पताल पहुंच कर वह तुरंत अपना इलाज करा सकता हैं। स्ट्रोक के कुछ रोगियों में TPA नामक दवा शुरू के 4:30 घंटे में दी जाती है जिससे उसका स्ट्रोक ठीक हो जाता है। इसे करने के लिए प्रशिक्षित डॉक्टर सिटी स्कैन की सुविधा और 24 घंटे की देखभाल की सुविधा होनी चाहिए।

एसआईआर की जल्दबाजी आयोग का दबाव भरा फैसला- प्रमोद तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने निर्वाचन आयोग द्वारा चुनावी राज्य बिहार के बाद बारह प्रदेशों में विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान को दबाव का फैसला कहा है। उन्होने सवाल उठाया कि जब सुप्रीम कोर्ट मे बिहार मे हुए एसआईआर को लेकर सुनवाई जारी है तब आयोग को इस प्रक्रिया को और आगे बढ़ाने की कौन सी जल्दबाजी है। उन्होने आयोग की तरफ निशाना साधते हुए कहा कि वह आखिर क्यों नही बता पा रहा है कि बिहार मे किस जाति और किस धर्म के लोगो के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होने कहा कि पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह बार बार यह कह रहे हैं कि बिहार मे घुसपैठिए हैं। बुधवार को नगर स्थित विधायक आराधना मिश्रा मोना के कैम्प कार्यालय पर पत्रकार वार्ता में उन्होने पीएम और गृहमंत्री की इस बयानबाजी को कटघरे मे खड़ा करते हुए यह भी सवाल दागा कि तब भी आयोग एक बार भी नही बता पाया कि वहां उसे कितने घुसपैठिये मिले। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि आयोग आसाम मे एसआईआर नही करा रहा है। उन्होने कहा कि इस आधार पर यदि एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट मे विचाराधीन है तब अदालत के आदेश का इंतजार क्यों नही किया गया। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि स्वायतशाषी संस्था के रूप में चुनाव आयोग की इस प्रकिया से देश के सामने नियत और विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा होना लाजमी है। उन्होने कहा कि एसआईआर के जरिए निर्वाचन आयोग और भाजपा की वोट चोरी की नीयत का भी पूरे देश के सामने बेनकाब हो चुकी है। राज्यसभा मे विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने जम्मू कश्मीर के लोपा वैली में पाकिस्तान के ताजा सीजफायर के दुस्साहस की भी कडी आलोचना की। उन्होने कहा कि मोदी सरकार की ढुलमुल विदेश नीति के कारण अर्न्तराष्ट्रीय मंचों पर देश को मजबूत समर्थन न मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होने कहा कि दुनिया जानती है कि पाकिस्तान आतंकवाद का पोषक है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि देश की बहादुर सेना पाक अधिकृत कश्मीर मे घुस रही थी तब अमेरिकी दबाव मे सीजफायर से पाकिस्तान का आवांछित मनोबल बढ़ गया। वार्ता के दौरान कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने नीति आयोग की कम रोजगार को लेकर ताजा रिपोर्ट को लेकर भी मोदी सरकार की तगड़ी घेराबंदी की। उन्होने कहा कि इस रिपोर्ट से यह साफ जाहिर है कि नौकरियों के जरिए रोजगार को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार संरचनात्मक सुधारों मे विफल रही है। उन्होने कहा कि मंहगाई के साथ सेवा क्षेत्र मे रोजगार को लेकर एक तिहाई से कम भी छोटी छोटी नौकरियां भाजपा की जुमलेबाजी को उजागर कर गया है। इसके पहले कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होने कार्यकर्ताओं से बिहार मे एसआईआर मे आई गड़बडियों को देखते हुए प्रदेश में चलाए जा रहे अभियान पर सतर्क दृष्टि रखने को कहा। सांगीपुर के भवानीगढ़ गांव में राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने पूर्व प्रधान रामकरन ओझा के संयोजन में श्रीमदभागवत कथा में शामिल हुए। कटेहटी स्थित संकटमोचक हनुमान मंदिर मे सामूहिक श्रीराम कथा मे राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने परोपकार तथा विकास के वातावरण की भावना को मजबूत बनाने पर जोर दिया। अमावां पूरे मुरली में हरिकेश कुमार मिश्र के संयोजन में आयोजित श्रीमदभागवत कथा मे भी सांसद प्रमोद तिवारी ने कथावाचक सम्पूर्णानंद जी महराज को सम्मानित किया। लालगंज बाजार में श्रीरामजानकी मंदिर के मुख्य व्यवस्थापक जीतलाल गुप्ता के आकस्मिक निधन पर सांसद प्रमोद तिवारी ने परिजनो से मिलकर संवेदना प्रकट की। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, प्रमुख अमित सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, डॉ0 अमिताभ शुक्ल, केडी मिश्र, पन्नेलाल पाल, आशीष कौशल, सुरेन्द्र सिंह ददन, कुंवर ज्ञानेन्द्र सिंह, रामकृपाल पासी, दृगपाल यादव, अरविंद मिश्र, रामबोध शुक्ला, मुरलीधर तिवारी, शेरू खां, हरकेश वर्मा, श्रीधर तिवारी, त्रिभु तिवारी, अतुल शुक्ला, इम्तियाज खां, पप्पू तिवारी, सिंटू मिश्र आदि रहे।

सपा का आरोप ! भाजपा सरकार के इशारे पर महापुरुषों की प्रतिमा हटाई जा रही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार समाजवादी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल के दादा एवं सीतापुर के गांधी उपाधि से ख्यातिलब्ध विख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व विधायक एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य स्वर्गीय जगन्नाथ प्रसाद अग्रवाल उर्फ जगन बाबू जी की प्रतिमा हटाए जाने के विरोध में आज सपा व्यापार सभा द्वारा राजपाल के नाम एक संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय कचहरी में जिलाधिकारी को सौपा गया। इस अवसर पर व्यापार सभा महानगर अध्यक्ष नंदलाल जायसवाल ने ज्ञापन के माध्यम से जिलाधिकारी को बताया कि भाजपा सरकार के इशारे पर जनपद सीतापुर निवासी सपा व्यापार सभा के सम्मानित राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल जी के दादा एवं सीतापुर के गांधी की उपाधि से ख्यातिलब्ध प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व विधायक एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य स्वर्गीय जगन्नाथ प्रसाद अग्रवाल उर्फ जगन बाबू जी की प्रतिमा को दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को उत्तर प्रदेश सरकार के सारे पर जिला प्रशासन द्वारा उनके गृह जनपद सीतापुर के बिसवां के बड़े चौराहे से हटाना दुर्भाग्यपूर्ण एवं राजनीतिक दुर्भावना पूर्ण ईर्ष्यालु भावना से परिपूर्ण है। इस गंभीर प्रकरण को देश की तीसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के मुखिया अर्थात समाजवादी पार्टी के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी ने अपने सोशल मीडिया के फेसबुक और एक्स ट्विटर से उठाया। देश के महान सपूत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पूर्व सांसद स्वर्गीय जगन्नाथ प्रसाद उर्फ जगन बाबूजी के देश व समाज की अनमोल धरोहर और विरासत हैं इन्हें राजनीतिक विचारधारा के आधार पर विद्वेष की भावना से उत्तर प्रदेश सरकार के इशारे पर सीतापुर जिला प्रशासन द्वारा जिस प्रकार से व्यापारी वैश्य बनिया समाज के महापुरुष की प्रतिमा हटाना दुर्भाग्यपूर्ण है और हम अपने महा महापुरुष की प्रतिमा हटाए जाने पर इस अपमानजनक कार्यवाही का समाजवादी पार्टी व्यापार सभा कानपुर महानगर कड़े शब्दों में निंदा करती है और इस घटना को वैश्य समाज विरोधी काम करार करती है। ज्ञापन देने वालों में व्यापार सभा अध्यक्ष नंदलाल जयसवाल प्रदेश सचिव के के शुक्ला वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू हरदीप सिंह रगड़ा संदीप तिवारी मोहम्मद रिजवान सुरेश चंद मिश्रा राजेंद्र जयसवाल काले खान अनुराग जयसवाल सचिन कुमार आशीष जयसवाल आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सीआईएसएफ यूनिट घाटमपुर पावर प्लांट द्वारा किया गया सराहनीय कार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर, कानपुर नगर- जनपद की तहसील घाटमपुर में स्थित निवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट ने कुएं से बालिका को निकाल कर किया सराहनीय कार्य, आपको बताते चलें कि थाना सजेती क्षेत्र अंतर्गत बांध गांव में बीतें दिन एक 16 वर्षीया बालिका का पैर फिसलने से कुएं में गिर गई थी, परिजनों ने सजेती थाने में पुलिस को सूचना दी, पुलिस के द्वारा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल/सीआईएसएफ/टीम की मदद हेतु बुलाया गया, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई प्रभारी डिप्टी कमांडेंट सूरज राय द्वारा घटना पर संज्ञान लेते हुए पुलिस और नियवेली प्रबंधन के अनुरोध पर तत्काल अपनी सीआईएसएफ फायर टीम को घटना स्थल पर रवाना किया,और अपनी निगरानी में रेस्क्यू ऑपरेशन चलवाया, सीआईएसएफ और पुलिस टीम द्वारा लड़की को जीवित कुआं से बाहर निकाल लिया,इस सराहनीय कार्य के लिए परिजनों तथा ग्रामवासियों ने सीआईएसएफ टीम की जमकर सराहना की हैं, सीआईएसएफ फायर टीम लगातार आसपास के इलाके के गांव में आग लगने पर या अन्य किसी घटना के लिए पुलिस टीम तथा नियवेली प्रबंधन द्वारा सहयोग मांगने पर तत्काल कार्रवाई कर सहयोग प्रदान करती है,अभी कुछ दिन पहले हमीरपुर में मार्केट में एक दुकान में लगी आग को बुझाने में सीआईएसएफ टीम का अहम योगदान रहा था।

गुरचरण यात्रा का गोबिन्द नगर में भव्य स्वागत

● जोडी साहिब का आशीर्वाद लेने उमड़ी संगत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। दिल्ली से 23 अक्टूबर को चली चरणसुहावे गुरचरण यात्रा मंगलवार को शहर पहुंचकर रात्रि विश्राम के बाद बुधवार सुबह फिर से गुमटी स्थित कीर्तनगढ गुरुद्वारे से आगे के लिए निकली।यात्रा का संत नगर, विजय नगर मे जगह जगह भव्य स्वागत किया गया। यंहा से यात्रा लगभग 12.30 बजे गोबिन्द नगर मार्ग सीटीआई पहुंची और जैसे ही आगे बढ़ी संगत ने गोबिन्द सिंह आयो है का शबद गायन कर, पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। सीटीआई से चावला चौराहे तक 1किलोमीटर पूरी रोड पर तक गुरुगोविन्द सिंह व माता साहिब के चरण पादुका के दर्शन करने सडक पर संगत उमड पडी।पूरी रोड पर सिर्फ गोबिन्द सिंह आयो है का शबद गायन गूजंते रहे।पूरी रोड पुष्पवर्षा से फूलो से पट व महक गई। बाटा चौराहे पर कांच की आकर्षक पालकी मे विराजवान 10वीं पातशाही गुरूगोविन्द साहिब और खालसा पंथ की माता साहिब कौर के रखे पवित्र वस्त्र और जोडा साहिब(चरणपादुका) के शीश झुकाकर दर्शन कर नमन करने तथा आशीर्वाद लेने के लिए भारी संगत उमड पडी।हर कोई नमन कर आशीर्वाद लेने को व्याकुल था।दो साल से लेकर 90 साल के बुजुर्ग तक इस ऐतिहासिक धार्मिक यात्रा का हिस्सा बन अपने को धन्य किया।इन ऐतिहासिक पलों को अपने कैमरों में कैद करने के लिए संगत खासकर युवा सिखों सहित हर वर्ग के लोगों मे होड लगी रही। जिस तरह से सभी समुदायों व धर्मो के लोगों ने बढचढकर इस धार्मिक यात्रा का स्वागत किया इसने राष्ट्र समर्पण के भाव को और अधिक प्रतिस्थापित किया है।विविधिताओं के बावजूद ऐसी धार्मिक यात्राओं का स्वागत, सत्कार राष्ट्र के नागरिकों की एकजुटता व एकता को भी प्रतिलक्षित करता है।यात्रा गोबिन्द नगर होते हुए साकेत नगर से नौबस्ता में शहर मे अपने अन्तिम पडाव पहुची। गोबिन्द नगर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष स.अजीत सिंह छाबडा, विधायक महेश त्रिवेदी, पूर्व मेयर रविन्द्र पाटनी, पार्षद नवीन पंडित, आर्य समाज की तरफ से प्रकाश वीर आर्य, मंडल अध्यक्ष दीपू पासवान,मनीष गंगवानी, सरदार हरप्रीत सिंह,राजेश श्रीवास्तव,डा.समरदीप पांडेय, सरदार सतनाम सिंह, राजेन्द्र सिंह जिंदी आदि ने जोडा साहिब के आगे शीश नवा आशीर्वाद लिया।

बाल श्रम उन्मूलन पर मंडलीय कार्यशाला सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

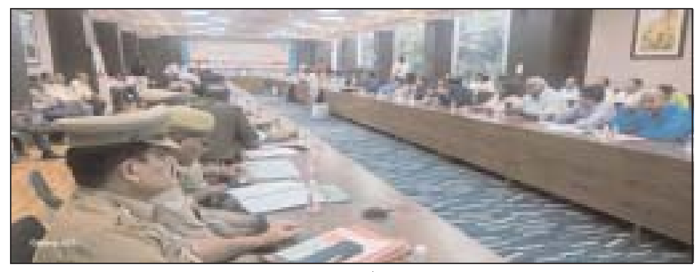

कानपुर नगर। आज दिनांक 29 अक्टूबर 2025 को मण्डलायुक्त सभागार कानपुर मण्डल में बाल श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वासन के सम्बन्ध में एक मण्डलीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बाल श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वासन विषय पर चर्चा के उपरान्त मण्डल के सभी जनपदों को निर्देश दिये गये कि दिसम्बर 2026 तक मण्डल के सभी जिलों को बाल श्रम से मुक्त कराया जाना है। मण्डलीय कार्यशाला के उपरान्त सभी जिलों में भी एक-एक कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। साथ ही हर जिले में बाल श्रम से प्रभावित हॉट-स्पॉटों को चिन्हित कर सर्वेक्षण कराया जायेगा। सभी जिलों को नवम्बर 2025 के प्रथम सप्ताह तक अपने-अपने जिले की कार्ययोजना तैयार करनी होगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा 2027 तक बाल श्रम मुक्त उत्तर प्रदेश की घोषणा की गई है। उत्तर प्रदेश में बाल श्रम उन्मूलन के लिए राज्य कार्य योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए श्रम विभाग द्वारा श्री के0 विजयेन्द्र पांडियन, मण्डलायुक्त कानपुर मण्डल कानपुर के नेतृत्व श्रम विभाग द्वारा मंडलीय बाल श्रम उन्मूलन कार्यशाला का आयोजन मण्डलायुक्त सभागार, कानपुर नगर में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर दीक्षा जैन, अपर आयुक्त बृज किशोर, उप श्रमायुक्त शमीम अखूतर सहित विभिन्न विभागों के उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यशाला के प्रारम्भ में अपर आयुक्त बृज किशोर द्वारा कार्यशाला के उद्देश्य के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए बताया गया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर पूरे प्रदेश को दिसम्बर 2027 तक बाल श्रम मुक्त कराया जाना है परन्तु कानपुर मण्डल के सभी जिलों को दिसम्बर 2026 में ही बाल श्रम से मुक्त कराये जाने का लक्ष्य रखा गया है। कानपुर क्षेत्र, कानपुर के प्रभारी अधिकारी व सहायक श्रमायुक्त राम लखन पटेल ने सभी अधिकारियों व प्रतिभागियों का पुष्प भेंट कर स्वागत किया तथा सभी प्रतिभागियों का परिचय कराया। श्रम विभाग के राज्य समन्वयक, सैयद रिजवान अली ने बाल और किशोर श्रम अधिनियम 2016 के प्रभावी कार्यान्वयन के साथ-साथ 2027 तक बाल श्रम मुक्त यूपी के लक्ष्यों को प्राप्त करने में विभिन्न संबंधित विभागों की विशिष्ट भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के साथ बाल श्रम की राज्य कार्य योजना की मुख्य विशेषताएं प्रस्तुत कीं। उन्होंने बाल और किशोर श्रम अधिनियम 2016 के विभिन्न प्रावधानों और विशेषताओं वं बाल श्रम से सम्बंधित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओ की विस्तृत जानकारी दी।

निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रहीं सलोनी शर्मा मोनू चौधरी दूसरे स्थान पर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ में बुधवार को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता में योगदान विषयक प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों से कुल 24 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभगिता की। निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन के पश्चात घोषित परिणाम के अनुसार सलोनी शर्मा प्रथम , मोनू चौधरी को द्वितीय और अनिल गुप्ता एवं इंद्रेश कुमार को तृतीय स्थान हासिल हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वामी विवेकानंद एवं रानी लक्ष्मीबाई इकाई द्वारा संयुक्त रूप से प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह एवं हिंदी विभाग के सहायक आचार्य आनंद कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। डॉ. ए. के. सिंह एवं डॉ. राम किशोर सिंह की अगुवाई में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सरदार पटेल के जीवन एवं योगदान पर विद्यार्थियों ने गहन विचार प्रस्तुत किए।

बीआरसी पर दिव्यांग बच्चों व अभिभावकों संग बैठक का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केन्द्र शोहरतगढ़ के सभागार में क्षेत्र के दिव्यांग बच्चों व उनके अभिभावकों के साथ परामर्श बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें दिव्यांग बच्चों से जुड़ी सरकारी योजनाओं के संचालन व उनके रोजगार सृजन के बारे में चर्चा किया गया। बैठक में दिव्यांग बच्चों से जुड़ी दिव्यांग पेंशन, रोजगार के अवसर और शिक्षा के मुख्य धारा से दिव्यांग बच्चों को जोड़ने आदि पर विस्तृत चर्चा किया गया। विशेष शिक्षक जितेंद्र कुमार ने कहा कि दिव्यंगिता शिक्षा में बाधा नहीं है। विभाग व सरकार दिव्यांग बच्चों के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित कर रही हैं। उनके पढ़ाई लिखाई के लिए बेहतर व्यवस्था की गई है। विशेष शिक्षक क्षेत्र के प्रत्येक दिव्यांग बच्चों पर कार्य कर रहे हैं। कहा कि 18 वर्ष से ऊपर के दिव्यांग युवाओं को जोड़कर एक समूह का गठन किया जाना है। प्रत्येक समूह में पांच दिव्यांग युवा शामिल होंगे और स्वरोजगार संबंधित उन्हें जानकारी दी जाएगी ताकि वे दिव्यांग आगे बढ़कर आत्मनिर्भर बन सकें।विशेष शिक्षक ने कहा कि विभाग व सरकार की मंशा है कि दिव्यांग सरकार द्वारा दिव्यांग जनों के लिये चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाएं का लाभ उठा सकें। इस दौरान अरुण कुमार, राम भारत, जितेन्द्र कुमार, अभिषेक, शंकर, विनोद कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

गो - वंश संरक्षण और संवर्धन पर परिचर्चा के साथ आज कानपुर में गोपाष्टमी मनाएगी गौशाला सोसायटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज 30 अक्टूबर को यहां कानपुर गोशाला सोसाइटी की ओर से एक्सप्रेस रोड स्थित अन्नपूर्णा भवन भोजनालय में गोपाष्टमी महोत्सव मनाने की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा चुका है। सोसायटी के उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने यहां बताया कि कार्यक्रम का शुरूआत सुबह 11 बजे गो पूजन के साथ होगी। कार्यक्रम में गोवंश संरक्षण और संवर्धन पर परिचर्चा भी आयोजित किए जाने की जानकारी देते हुए उन्होंने यह भी बताया कि इसमें संस्था के नवाचारों की जानकारी साझा की जाएगी। इसी संदर्भ में अन्य जानकारी देते हुए संस्था के महामंत्री पुरुषोत्तम लाल तोषनीवाला ने बताया कि गोशाला समिति ने गो-ग्रास दान योजना के तहत मासिक 15 सौ और वार्षिक 51 हजार की योजना शुरू की है जो एक नवंबर से प्रभावशील होगी। इसका संचालन कृष्णा बब्बू को सौंपा गया है। जबकि कोषाध्यक्ष सुबोध अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के बाद सोसाइटी अपनी सभी शाखाओं में देसी गीर और हरियाणवी नस्ल की गायों को शामिल करेगी ताकि शहरवासियों को शुद्ध व गुणवत्तायुक्त दूध मिल सके। इस अवसर पर विजय पांडेय, विश्वनाथ कनोडिया, शेषनारायण त्रिवेदी, श्यामकृष्ण कनोडिया, रमेश मिश्रा, रामगोपाल तुलस्यान, विजय पांडेय आदि रहे।

संक्षिप्त खबरें

माँ कुन्ती देवी महिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान में रोजगार मेले का आयोजन आज

प्रतापगढ़। जिला सेवायोजन अधिकारी अनुभव त्रिपाठी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय प्रतापगढ़ के द्वारा दिनांक 30 अक्टूबर 2025 को पूर्वान्ह 10 बजे से माँ कुन्ती देवी महिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान सराय सुल्तानी रानीगंज में रोजगार मेले का आयोजन किया गया है जिसमें निजी क्षेत्र की 10 कम्पनियों द्वारा आपरेटर ट्रेनी, स्टोर एसोसिएट, बेलनेस एडवाइजर, ट्रेनी, पैकर्स एण्ड मुवर्स, एरिया आफिसर, आपरेटर, मशीन आपरेटर व सिक्योरिटी गार्ड के पदों पर बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी मेले में अपने साथ पंजीयन प्रपत्र, मूल शैक्षिक प्रमाण पत्र, सी0वी0 एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ सम्मिलित हो सकते है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिये सर्वप्रथम अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in/ncs.gov.in पर आनलाइन पंजीयन करें।

मौसम विभाग द्वारा जनपद में 30 व 31 अक्टूबर को वर्षा वज्रपात की चेतावनी की गयी जारी

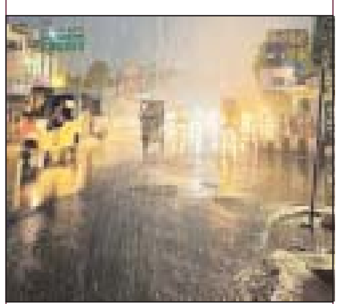

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य प्रजापति ने बताया है कि मौसम विभाग (आई.एम.डी.) लखनऊ द्वारा जनपद प्रतापगढ़ को आगामी कुछ दिनो (30 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक) के लिए जनपद को येलो जोन में प्रर्दशित किया गया है, जैसा कि विगत दिवसों में जनपद में वर्षा के साथ वज्रपात (आकाशीय विद्युत), मेघ गर्जन, तड़ित झंझावत, तेज झोकेदार एवं भारी वर्षा मौसम की आगामी दिवसों हेतु चेतावनी प्राप्त हुई है। सावधानी और तैयारी ही एकमात्र तरीका है जिसके द्वारा वज्रपात के खतरे को कम किया जा सकता है या उसके प्रभाव से बचा जा सकता है। बिजली के उपकरणों या तार के साथ संपर्क से बचे व बिजली के उपकरणों को बिजली के संपर्क से हटा दे। बाइक, बिजली या टेलीफोन का खंभा, तार की बाड़, मशीन आदि से दूर रहे। धातु से बने कृषि यंत्र डंडा आदि से अपने को दूर कर दें।स्थानीय रेडियों अन्य संचार साधनों से मौसम की जानकारी प्राप्त करते रहें। यदि आप खेत खलिहान में काम कर रहे हो और किसी सुरक्षित स्थान की शरण न ले पायें हो तो जहां हैं यहीं रहें, हो सके तो पैरों के नीचे सूखी चीजें से जैसे लकड़ी, प्लास्टिक, बोरा या सूखे पत्ते रख लें तथा यथाशीघ्र सुरक्षित स्थान पर शरण लें।अगर कोई व्यक्ति वज्रपात की चपेट में आ गया है, तो तुरंत 112 पर कॉल करें और यथाशीघ्र पीड़ित को अस्पताल ले जाए।

बच्चे को स्कूल छोड़ने गयी, रोड ना होने के कारण महिला की गिरकर हुई मौत

शहडोल से मध्यप्रदेश के शहडोल जिले विधानसभा क्षेत्र ब्योहारी अंतर्गत गांव बुढ़वा धरी नं 2 से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है। ग्रामीणों ने बताया यहां रोड न होने के कारण गिरकर महिला की मौत हो गई। सुनीता साकेत पति मनोहर साकेत आपने बच्चे को सुवह 10 बजे करीव स्कूल पहुँचाने जा रही थी वही रोड न होने के कारण सुनीता साकेत फीसलकर गिरी और थोड़ी देर ही उसकी मौत हो गई द्य

इस दिल दहला देने वाली दुर्घटना की खबर ने पूरे प्रदेश को शोक में डुबो दिया है। लोगों में गहरा दुःख और पीड़ा व्याप्त है! ग्रामीणों ने बताया की हमने पहले भी कई वार सरपंच रामकुमार पाण्डेय और सचिव को ज्ञापन सौपा प्रदर्शन किया लेकिन कुछ ध्यान नहीं दिए, अब ग्रामीणों का कहना है कि इसकी निष्पक्ष कार्यवाही हो अगर नहीं हुआ तो हम शीघ्र उग्र आंदोलन करेंगे!

विद्यालय में बच्चों की कोई भी सुविधा नहीं न शौचालय न ही न पीने का पानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल से जिले के बुढ़ार विकासखंड अंतर्गत हथगल माध्यमिक विद्यालय में गंदगी का अम्बर लगा हुआ। जिसमें बच्चों को बतरुम तक करने के लिए खुले में करना पड़ता हैं। और साथ ही बच्चों को प्रतिदिन डर का सामना भी करना पड़ता हैं क्योंकि जो विद्यालय की मरम्मत का पैसा आता हैं पता नहीं विद्यालय के प्रभारी शिव प्रसाद जी क्या करते हैं, आपको बता दे कि यहाँ विद्यालय के प्रभार यहाँ के सीएसी खुद शिव कुमार बैगा जी हैं। जहां की व्यवस्था बहुत घटिया और दुर्घटनाओं से घिरा हुआ हैं। यहाँ की छत गिरने की कगार पर हैं लेकिन प्रभारी अपने जी अपने रवैये से परेशान हैं क्योंकि इनको वक्त ही नहीं मिलता की विद्यालय की छत तो कम से कम सही करवा दे।

जो माता पिता अपने बच्चों को प्रतिदिन ये सोच कर भेज रहे हैं, कि बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ उनकी देखभाल (परवरिस) भी सही हो। लेकिन सीएसी साहब को तो क्या करना कौन सा उनका कुछ जा रहा , पर बच्चों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे सीएसी साहब को किसका सहयोग हैं जो खुलेआम ये सब कर रहे हैं।

इनका कहना हैं- जब इस संबंध में बात करनी चाही तो फोन उठाकर काट दिया गया।- सीएसी शिव प्रसाद बैगा विद्यालय प्रभारी

इनका कहना हैं- जब इस संबंध में संकुल प्राचार्य से बात करी गई तो उनका कहना हैं कि मैं इस संबंध में प्रभारी प्राचार्य से बात किया हुँ। और उनको निर्देश भी दिए हैं कि जल्द ही सफाई का कार्य किया जाए।- संकुल प्राचार्य हरिदास प्रजापति बहगड़

इनका कहना हैं- जब इस संबंध में बात किया तो बीइओ निगम जी ने बोले कि अगर ऐसा हैं तो जल्द ही कार्यवाही किया जाएगा।- बुढ़ार विकासखंड डी.के.निगम बीइओ बुढ़ार

जनपद में निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान शुरू

● बीएलओ 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक घर घर जाकर गणना फार्म करायेगे उपलब्ध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जनपद में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के संबंध में कैम्प कार्यालय के सभागार में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठक की एवं पत्रकार वार्ता भी सम्पन्न कराई। इस दौरान बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आयोग ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के द्वितीय चरण को संचालित करने का निर्णय लिया है। इस पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल करना और नाम, पता, आयु व अन्य प्रविष्टियों में त्रुटियों का संशोधन करना है। उन्होने बताया कि प्रदेश में इसके पूर्व विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण वर्ष 2003 में हुआ था, जिसे पुनः भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार किया जा रहा है। मतदाता सूची को शुद्ध व समावेशी बनाने के लिए विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का एक प्रमुख उद्देश्य राजनीतिक दलों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना है ताकि पुनरीक्षण कार्य पारदर्शी और व्यापक रूप से संपन्न हो सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 28 अक्टूबर से 03 नवंबर तक विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से संबंधित तैयारी, प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्रों का मुद्रण कार्य किए जाएंगे। 04 नवंबर से 04 दिसंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का उपलब्ध करायेगें। 09 दिसंबर को निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन कराया जायेगा। 09 दिसंबर से 08 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि रहेगी। 09 दिसंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक नोटिस जारी किये जाने, सुनवाई एवं सत्यापन व दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण एवं गणना प्रपत्रों पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा निर्णय किये जाने की अवधि निर्धारित है। 07 फरवरी 2026 को निर्वाचक नामावली का अन्तिम प्रकाशन किया जायेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के लिए 2003 को मतदाता सूची में दर्ज नामों को आधार बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) प्रत्येक मतदाता के घर पर पहुंचकर गणना फार्म उपलब्ध कराएगा। इस गणना फार्म को मतदाता को भरकर जल्द से जल्द साक्ष्यों के साथ वापस देना होगा। इनके सत्यापन के बाद अनंतिम मतदाता सूची तैयार की जाएगी। जो लोग फार्म जमा नहीं करेंगे उनके नाम मतदाता सूची में नहीं रहेंगे।

उन्होने राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि वे बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नामित करें और अभियान में सक्रिय सहयोग दें। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता और प्रतिनिधि मतदाताओं को सूची में नाम जुड़वाने एवं संशोधन के लिए जागरूक करें। उन्होने कहा कि बीएलए (बूथ लेवल एजेन्ट) द्वारा 50 फार्म भराये जा सकते है। उन्होंने मतदाताओं को जागरूक करने की अपील भी उनसे की। 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा के नाम भी मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। उन्होने बताया कि एक मतदेय स्थल पर 1200 से अधिक मतदाता नहीं होगें। एक ही परिवार के सभी सदस्यों को एक ही मतदेय स्थल पर रखने हेतु विशेष ध्यान रखा जायेगा। उन्होनें बताया कि जनपद के सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरना अनिवार्य है। उन्होने बताया कि नये निर्वाचकों के लिये फार्म-6, विलोपन के लिये फार्म-7 व सुधार/स्थानान्तरण के लिये फार्म-8 भरा जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के दौरान फार्म भरने या अन्य कोई समस्या आ रही है तो अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), उपजिलाधिकारी तनवीर अहमद एवं निर्वाचन कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी आदित्य प्रजापति, उप जिलाधिकारी तनवीर अहमद तथा विभिन्न राजनीतिक दलों में भाजपा के रामजी मिश्र, कांग्रेस पार्टी के सुरेश कुमार मिश्र, अपना दल के परमानन्द मिश्र व ज्ञानेन्द्र वर्मा, सपा के अब्दुल कादिर, माकपा के जय प्रकाश सिंह, बीएसपी के सादिक अली सहित दिनेश उपाध्याय, गजराज सिंह आदि प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भारत-चीन सीमा विवाद सुलझ गया? सैन्य कमांडरों की बैठक में बनी बात; दोनों देशों ने इस बात पर जताई सहमति

● कोर कमांडर स्तर की 23वीं वार्ता संपन्न

सीमा पर शांति बनाए रखने पर ज़ोर

विवादित क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच बुधवार को कोर कमांडर स्तर की 23वीं दौर की वार्ता संपन्न हुई। यह बैठक दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के शेष मुद्दों को सुलझाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वार्ता सकारात्मक माहौल में हुई और दोनों पक्षों ने सीमा क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने पर जोर दिया।

दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने पूर्वी लद्दाख सहित विवादित क्षेत्रों में बचे हुए मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। वार्ता के दौरान पारस्परिक विश्वास बढ़ाने और सीमा प्रबंधन को मजबूत करने पर सहमति बनी।इस बैठक को दोनों देशों के संबंधों में सुधार की एक और कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है। इसी सप्ताह की शुरुआत में वर्ष 2020 के बाद पहली बार भारत और चीन के बीच सीधी उड़ान सेवा बहाल हुई है।

तनाव को काफी कम करने में सफलता

भारत और चीन के संबंध में वर्ष 2020 में गलवन घाटी में दोनों देशों के सैन्य बलों के बीच हुए खूनी संघर्ष के बाद काफी तनावग्रस्त हो गये थे। पिछले एक वर्ष के भीतर पीएम नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच दो बार मुलाकात से तनाव को काफी कम करने में सफलता हासिल हुई है। सीमा विवाद के स्थाई समाधान के लिए गठित विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता भी शुरू हो चुकी है।

एक वर्ष बाद हुई सैन्य कमांडर स्तर की वार्ता

चीन ने भारतीय तीर्थयात्रियों को मानसरोवर तक की यात्रा करने की अनुमति दे दी है। भारत की तरफ से भी चीनी नागरिकों को फिर से वीजा देने का काम शुरू हो चुका है। हालांकि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास कुछ इलाकों में सैन्य तैनाती को लेकर अभी भी दोनों देशों देशों के बीच कुछ मतभेद हैं। सैन्य कमांडर स्तर की वार्ता तकरीबन एक वर्ष बाद हुई है।

दोनों देशों की संप्रभुता और सुरक्षा

वार्ता में भारतीय पक्ष का नेतृत्व लेह स्थित 14वीं कोर के कमांडर ने किया, जबकि चीनी पक्ष की अगुवाई दक्षिण शिनजियांग सैन्य जिले के कमांडर ने की। दोनों पक्षों ने भविष्य में ऐसी वार्ताओं को जारी रखने पर सहमति जताई। विदेश मंत्रालय ने पूर्व में कई बार यह स्पष्ट किया है कि सीमा विवाद का पूर्ण समाधान दोनों देशों की संप्रभुता और सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा।

हालात बहुत ही खराबज वायनाड में आदिवासी छात्राओं के शौचालय के मुद्दे पर बोलीं प्रियंका गांधी

● केरल के वायनाड में आदिवासी छात्राओं के शौचालय के मुद्दे पर कांगेस सांसद ने कहा कि हालात बेहद खराब हैं. उन्होंने कहा कि छात्राओं को स्थानांतरित करने की योजना बनाई जा रही है. लेकिन यह जगह उनके घर से इतनी दूर नहीं होनी चाहिए कि छात्राओं को अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ जाए. उन्होंने बताया कि मंत्री और जिला कलेक्टर से वो संपर्क में हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा का कहना है कि उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में आदिवासी छात्राओं के शौचालय के मुद्दे को लेकर मंत्री ओ.आर. केलू को को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि हालात बहुत ही खराब हैं. उन्होंने ये भी बताया कि वो जिला कलेक्टर के संपर्क में भी हैं. उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर ने कुछ अस्थायी शौचालय बनवाए थे

बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि लड़कियों को स्थानांतरित करने की योजना बनाई जा रही है. उन्होंने कहा कि यह जगह उनके घर से इतनी दूर नहीं होनी चाहिए कि उन्हें शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई हो और वे धीरे-धीरे अपनी पढ़ाई छोड़ दें. सांसद ने कहा कि हमने मंत्री से उन्हें नजदीकी जगह पर स्थानांतरित करने, इस स्कूल का निर्माण करने और मौजूदा स्कूल की सुविधाओं की मरम्मत करने का अनुरोध किया है.

'सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण जरूरी'

उन्होंने कहा कि मैंने मंत्री ओ.आर. केलू को पत्र लिखा है साथ ही जिला कलेक्टर से बात की है, और अनुरोध किया है कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि छात्राएं एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में अपनी शिक्षा जारी रखें. उन्होंने कहा कि हर कोई इस दिशा में काम कर रहा है

सुरक्षित संस्थान में स्थानांतरित करने की मांग

बीते गुरुवार (23 अक्टूबर) को ही प्रियंका गांधी ने केरल के मंत्री ओ.आर. केलू से आग्रह किया था कि वायनाड के एक सरकारी स्कूल के आदिवासी छात्रों को जिले के भीतर ही किसी सुरक्षित संस्थान में स्थानांतरित किया जाए. उन्होंने कहा था कि यह स्कूल आदिवासी छात्रों के लिए उपयुक्त नहीं है. सांसद ने राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री केलू से छात्रों को पड़ोसी जिले कन्नूर के एक स्कूल में स्थानांतरित करने के फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा.

'सरकार के फैसले से कई छात्र स्कूल छोड़ सकते हैं'

प्रियंका गांधी ने दावा किया था कि सरकार के इस फैसले से कई छात्र स्कूल छोड़ सकते हैं क्योंकि उनके परिवारों के पास उनसे मिलने कन्नूर आने के लिए संसाधन नहीं हैं. सासंद थिरुनेल्ली स्थित गवर्नमेंट आश्रम हाई स्कूल के छात्रों को कन्नूर जिले के अरलम स्थित न्यू मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल में स्थानांतरित करने के राज्य सरकार के फैसले का जिक्र कर रही थीं.

छात्रावास में अमानवीय और खतरनाक परिस्थितियां

कांग्रेस सांसद ने कहा था कि गवर्नमेंट आश्रम हाई स्कूल के सभी छात्र पनिया और अदिया आदिवासी समुदायों से हैं जो संस्थान के छात्रावास में अमानवीय और खतरनाक परिस्थितियों÷ में रह रहे थे. उनका कहना था कि लड़कियों के लिए उपलब्ध कराई गई स्वास्थ्य और स्वच्छता सुविधाएं बेहद अपर्याप्त हैं और इन्हें तत्काल उन्नत बनाने की जरूरत है. सांसद ने कहा था कि उनका मानना है कि अनुसूचित जनजाति विकास विभाग अब छात्रों को अरलम स्थित आवासीय विद्यालय में स्थानांतरित करने की योजना बना रहा है.

प्रियंका गांधी ने केलू को लिखे अपने पत्र में कहा है कि मुझे आशंका है कि इस फैसले के कारण उनमें से कई छात्राएं स्कूल ही छोड़ देंगी. उन्होंने मंत्री से छात्रों को स्थानांतरित करने के निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया और सुझाव दिया कि उन्हें वायनाड के भीतर किसी उपयुक्त परिसर में स्थानांतरित किया जाए.

सिलापथार में नाथ योगी उन्नयन परिषद असम की खेल सामग्री वितरण, जिला योगी सम्मेलन के जिला समिति के कार्यकारणी बैठक, शाखा समिति गठन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धेमाजी असम। असम नाथ योगी विकास परिषद के धेमाजी जिला सदस्य संजय नाथ की पहल पर ओर असम प्रदेश नाथ योगी सम्मेलन के धेमाजी जिला समिति एवं मिसिंगपुर शाखा समिति की सहयोग में नई जिला समिति पहली कार्यकारिणी बैठक आज सिलापथार मिसिंगपुर सर्वजनिन हरि मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई।

धेमाजी जिला नाथ योगी सम्मेलन के अध्यक्ष सोनाराम नाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक के उद्देश्यों की व्याख्या किया जिला सचिव सजल कुमार नाथ ने बैठक में सम्मेलन के संगठनात्मक पहलुओं, आगामी दिनों की कार्ययोजना सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में नाथ योगी विकास परिषद असम के अध्यक्ष बेनुधर नाथ द्वारा धेमाजी जिला के लिए प्रेरित खेलों का सामग्री चार क्षेत्रीय टीमों, क्रमशःसिलापथार और शिवनगर क्षेत्रीय टीमों को फुटबॉल, जर्सी, नेटसेट, सिलाभैरबपुर और शिवनगर क्षेत्रीय टीमों को वॉलीबॉल जर्सी, नेटसेट आदि वितरित किए गए।

बैठक में बिमल नाथ अध्यक्ष और रमाकांत नाथ सचिव के रूप में लेकर 21 सदस्यों की एक नई मिसिंगपुर शाखा समिति का भी गठन किया गया, दूसरी ओर नियति नाथ को सभानेत्री, और सबिता शर्मा को संपादीका के रूप में लेकर 21पदाधिकारियों वाले सम्मेलन के महिला समिति भी गठन की गई।

सभा में अखिल असम नाथ योगी छात्रा संघ के जिला सचिव प्रसन्न नाथ अध्यक्ष सुनील नाथ, सम्मलेन के जिला उप सभापति बेणेश्वर नाथ, नीरद नाथ, कानू नाथ ,सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन नाथ, सहित सम्मलेन की जिला समिति के पदाधिकारियों सहित शिवनगर, सिलापथार, सिला भैरवपुर,सिमेन छापरी के आंचलिक समिति के पदाधिकारियों सहित मिसिंग पुर गाँव के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बहराइच के कौड़ियाला नदी में सवारियों से भरी नाव पलटी, 24 लापता; CM योगी ने बचाव कार्य के दिए निर्देश

● बहराइच की कौड़ियाला नदी में यात्रियों से भरी नाव पलटने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में 24 लोगों के लापता होने की सूचना है। मौके पर बचाव अभियान जारी है और प्रशासन लापता लोगों की तलाश में जुटा है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिछिया (बहराइच)। भारत-नेपाल सीमा से सटे सुजौली इलाके के भरथापुर गांव निवासी तकरीबन 28 लोग एक नाव पर सवार होकर बुधवार को खैरटिया गांव में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वापस आने के दौरान कौड़ियाला नदी में तेज बहाव होने के चलते नाव हिचकोले खाकर पलट गई। चार लोग तो नदी से सुरक्षित निकाल लिए गए, लेकिन 24 लोग लापता बताए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी, एडीएम व एसडीएम मिहींपुरवा समेत अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके की ओर रवाना हुए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले का संज्ञान लेकर पुलिस और प्रशासन को एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के साथ दुर्घटना स्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से कहा कि तत्काल राहत कार्य को सुचारू रूप से कराना सुनिश्चित करें। बीते दिनों चौधरी चरण सिंह घाघरा बैराज का क्लोजर समय पूरा होने के बाद बैराज के गेट खोले गए थे। इसके बाद कौड़ियाला व गेरुआ नदी में पानी का तेज बहाव चल रहा था। बुधवार को भरथापुर गांव निवासी लक्ष्मीनरायन, रानी देवी, ज्योति, हरिमोहन समेत 28 लोग एक नाव पर सवार होकर खैरटिया के लिए गए थे।

नाव मिहींलाल पुत्र पुत्तीलाल चला रहे थे। लक्ष्मीनरायन की मानें तो कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सभी लोग उसी नाव से फिर कौड़ियाला नदी के रास्ते भरथापुर लौटने लगे। ग्रामीणों का कहना है कि पैदल का रास्ता काफी लंबा होने के चलते सभी ने नाव पर सवारी की थी। बताया जा रहा है कि भरथापुर गांव पहुंचने से पहले ही नदी के तेज बहाव में नाव पलट गई। इससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने हरिमोहन, ज्योति, रानी देवी व लक्ष्मीनरायन को नदी से सुरक्षित निकाल लिया, लेकिन अन्य लोग नदी में लापता हो गए, जिनकी तलाश में गिरिजापुरी स्थित चौधरी चरण सिंह घाघरा बैराज के गेट बंद कर पानी के बहाव को रोका गया है। घटना की जानकारी मिलते ही एडीएम अमित कुमार, एसपी रामनयन सिंह समेत अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके के लिए रवाना हुए। डीएम अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि नदी में लापता लोगों की तलाश कराई जा रही है।

हथियार डीलर अभिषेक वर्मा से जुड़े मामले में अमेरिकी व्यवसायी का वीडिया कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दर्ज होगा बयान

नई दिल्ली। दिल्ली में हथियार डीलर अभिषेक वर्मा से संबंधित आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए) के एक मामले में अमेरिकी व्यवसायी का सीबीआई जल्द ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्मय से बयान दर्ज करेगी। दिल्ली हाई कोर्ट ने न्यूयार्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अमेरिकी व्यवसायी सी. एडमंड्स एलन की गवाही दर्ज करने की केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) को अनुमति दे दी है। ट्रायल कोर्ट के निर्णय को पलटते हुए न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने नोट किया कि ओएसए पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बावजूद इलेक्ट्रानिक रूप से दर्ज किए जा रहे मुकदमों या साक्ष्यों पर रोक नहीं लगाता। हालांकि, पीठ ने यह भी कहा कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के इस्तेमाल से गोपनीय सामग्री लीक होने की ट्रायल कोर्ट की आशंका को काल्पनिक बताकर खारिज नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि फिर भी कानून में इस पर रोक नहीं है और पर्याप्त सुरक्षा उपायों के माध्यम से न्यायसंगत और समतापूर्ण तरीके से विनियमन है। अभिषेक वर्मा पर 2012 में रक्षा मंत्रालय के गोपनीय दस्तावेज रखने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। इसमें वायु सेना की अधिग्रहण योजनाएं और रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठकों के विवरण शामिल थे। इस मामले में जांच तब शुरू हुई जब एलन (अमेरिका में अभिषेक वर्मा के पूर्व वकील) ने तत्कालीन रक्षा मंत्री को पत्र लिखकर संवेदनशील दस्तावेज संलग्न किए थे। उन्होंने दावा किया था कि उन्हें उक्त दस्तावेज अभिषेक वर्मा से प्राप्त हुए थे।